जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

कोटा

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

कोटा, शुक्रवार 12 सितम्बर, 2025

A LEGACY OF KNOWLEDGE
A COMMITMENT OF HUMANITY

PROF. (Dr.) BALVIR S. TOMAR

M.B.B.S., M.D., M.C.H.(USA), M.I.A.P., M.A.H.T.(ENGLAND)
F.I.A.P.(USA), F.A.A.P.(USA), F.I.C.A.(USA), F.A.C.U.(LONDON)

Pediatric Hepatology - Kings College, London
Pediatric Gastroenterology - Harvard University, USA
W.H.O. Fellow in Child Health in USA
Common Wealth Medical Fellow in London (England)

Founder & Chancellor
Nims University Rajasthan, Jaipur

proudly announcing

BALVIR SINGH TOMAR
INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES & RESEARCH

SHAPING THE FUTURE OF HEALTHCARE

OFFERING ADMISSION IN 150 MBBS SEATS FROM SESSION 2025-26

EQUIPPED WITH WORLD CLASS INFRASTRUCTURE AND CUTTING EDGE TECHNOLOGY EQUIPMENTS

Anatomy Lab

Physiology Lab

Biochemistry Lab

Microbiology Lab

Pathology Lab

Pharmacology

24x7 Emergency

Skill Lab

Premium Wards

Modular OT(s)

Central Lab

Library

- 650+ Beds
- 50+ ICU Beds
- 40+ Specialities
- 24x7 Emergency & Trauma Care
- Modular OT
- Critical Care
- NICU | PICU
- Dialysis
- Blood Bank
- MICU | SICU
- 3.0 Tesla MRI
- 4D Ultrasound
- 1152 Slice CT Scan

Balvir Singh Tomar Institute of Medical Sciences & Research
24x7 Emergency Services

Add: Science Tech City, Jaipur-Delhi Highway (NH-11C), Jaipur-303002
www.bstmedicalcollege.com

Admission in MBBS is through NEET Counselling only
For more details please visit - www.rajugneet2025.in
Contact for more information at +91 97999 53457

विचार बिन्दु

हमारी आनंदपूर्ण बदकारियाँ ही हमारी उत्पीड़क चाबुक बन जाती हैं। –शेक्सपियर

देश में मतदाता सूचियों का एसआईआर यानी (विशेष गहन पुनरीक्षण) प्रारम्भ होने जा रहा है

चुनाव आयोग अब बिहार के बाद पूरे देश में विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR), मतदाता सूचियों का करने जा रहा है। राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों को इस हेतु आदेश जारी किये जा चुके हैं। चुनाव आयोग ने राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देशन जारी किये हैं और कहा है कि अपने–अपने राज्यों के मतदाता की स्थिति, गत पुनरीक्षण प्रक्रिया और वर्तमान् तैयारी के बाबत प्रेजेन्टेशन तैयार करें ताकि भविष्य में शीघ्र ही विशेष बैठक में इस विशेष विषय पर चर्चा हो सके और अगला रोड मैप तैयार कर सकें।

बिहार में एसआईआर को लेकर कई रिट् याचिकायें सुप्रीम कोर्ट में पेश हुई हैं, उनमें वैधानिक व कानूनी आपत्तियां मतदाता सूचियों के बाबत उठाई गई हैं। इस विवाद ने गम्भीर रूप धारण कर लिया है, देश में जगह–2 आन्दोलन हो रहे हैं बिहार में यात्रायें निकाली जा रही हैं। रिट् याचिका में SIR की कार्यवाही पर रोक नहीं लगाई है, मतदाता सूचियों का ड्राफ्ट प्रकाशित हो चुका है, उन पर सुधार हेतु प्रतिवेदन मांगे गये हैं। 65 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूचियों से हटाये गये हैं। सुप्रीम कोर्ट में बहस जारी है। समय–2 पर दिये गये निर्देशनों पर अमल हो रहा है। निर्णय शीघ्र होने की संभावना है।

चुनाव आयोग का मानना है कि शहरीकरण और मजदूरों के पलायन व अवैध माइग्रेन्ट के और अन्य कारणों से मतदाता सूचियों में कई दोष व त्रुटियां पाई गई हैं। अत: चुनाव आयोग बहुत गम्भीरता से मतदाता सूचियों की SIR कराकर शुद्धिकरण युद्ध स्तर पर कराना चाहता है और उसका संवैधानिक दायित्व भी है।

बिहार में एक बडी समस्या बांग्लादेश व म्यांमार व अन्य देशों से आये वहां के नागरिकों के बसने के कारण उत्पन्न हुई है, वे अवैध प्रवासी हैं। ऐसे में उनकी पात्रता की गहन जांच आवश्यक है।

उपरोक्त स्थिति में चुनाव आयोग 10 सितम्बर 2025 को राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों का सम्मेलन बुलाया है, जिसमें अगली SIR पर चर्चा होगी। इस काम में लगने वाले कर्मचारियों और अधिकारियों को परीक्षण भी दिया जावेगा। चुनाव आयोग अधिकारियों से सुधार हेतु सुझाव भी आमंत्रित करेगा।

यहां यह कहना आवश्यक है कि किसी भी देश में जहां लोकतंत्र है, वहां चुनावों की प्रक्रिया की शुद्धता पर ही उसकी प्रगति व सफलता निर्भर करती है। भारत के संविधान में चुनाव आयोग को एक संवैधानिक संस्था का दर्जा दिया है और संविधान के अनुच्छेद 324 में सांसदो, विधायकों, संवैधानिक पदों के निर्वाचनों के लिये निर्वाचक नामावली तैयार कराने का और सभी निर्वाचनों के संचालन का अधीक्षण, निदेशन और नियंत्रण का दायित्व चुनाव आयोग को दिया है। संविधान के अनुच्छेद 326 में चुनाव में मतदाता को वयस्क मताधिकार दिया है, अर्थात् प्रत्येक व्यक्ति को जो भारत का नागरिक है उसे मतदाता माना है। चुनावों की प्रक्रिया क्या होगी, इसके सम्बन्ध में संसद को अधिकार दिया है, वह कानून बना कर संचालन की व्यवस्था करेगी, जो संविधान के उपबन्धों के अधीन होगी। इसका अर्थ है कि संसद का कानून किसी भी प्रकार अनुच्छेद 324, 326 में दिये गये अनुबन्धों को सीमित नहीं करेगा। साथ ही अनुच्छेद 329 में यह भी स्पष्ट कर दिया कि निर्वाचन (चुनाव) के मामलों में न्यायालय का हस्तक्षेप वर्जित कर दिया। हाँ, यदि कोई निर्वाचन सम्बन्धित मामला है तो वह चुनाव याचिका दायर कर ही निर्णित कराया जा सकेगा। चुनाव याचिका सुनने का अधिकार राज्यों के हाईकोर्ट को दिया गया है।

यहाँ लिखना समीचीन होगा कि सुप्रीम कोर्ट में जिन रिट् याचिकायों की सुनवाई हो रही हैं वे सब रिट् याचिकायें संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत् हैं, और विषय है 'मतदाता सूची' अर्थात् मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) ताकि मतदाता सूचियों की त्रुटियां सही की जा सके। चूंकि मतदाता केवल देश का नागरिक ही हो सकता है और नागरिक कौन है, इसका मापदण्ड संविधान के अनुच्छेद 6 से अनुच्छेद 11 में दिया गया। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति की पहिचान और पात्रता की गहन जांच आवश्यक। अत: सम्मेलन में तय किया जावेगा कि ऐसे कौनसे डोकूमेन्ट्स हो सकते हैं, जिनसे इस सम्बन्ध में सहायता ली जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने दिनांक 08.09.2025 के आदेश में माननीय खण्डपीठ ने SIR रिट्स (No. 640/2025) की सुनवाई करते हुये दिया उसमें कहा कि आधार 12वां डोकूमेंट की लिस्ट में लिया जावे, जिनके आधार पर Identity (पहिचान) के हेतु रिवाइज्ड वोटर्स लिस्ट में नाम जोड़ा जा सकता है। साथ ही यह भी स्पष्ट कर दिया कि आधार नागरिकता का प्रमाण नहीं है। न्यायालय ने यह भी इंगित किया कि आधार की प्रमाणिकता की जांच भी की जा सकती है। चुनाव आयोग के एडवोकेट ने न्यायालय को स्पष्टीकरण देते हुये बहस की है कि नागरिकता को साबित करने के लिए आधार का उपयोग नहीं किया जा सकता और जिन डोकूमेन्ट की पहिचान (Identity) के लिए माना है, उस पर चुनाव आयोग को आपत्ति नहीं है, चुनाव आयोग अवैध माइग्रेन्टस को मतदान के हेतु योग्य नहीं मान सकता, केवल उन्हें ही मतदाता सूची से अलग किया जावेगा। बहस के हेतु 15 सितम्बर, 2025 की आगामी तारीख दी गई है। आशा है बैठक में भी इन विवादों पर चर्चा से कोई ठोस परिणाम समस्या के निदान का निकलेगा।

यहां यह कहना आवश्यक है कि किसी भी देश में जहां लोकतंत्र है, वहां चुनावों की प्रक्रिया की शुद्धता पर ही उसकी प्रगति व सफलता निर्भर करती है। भारत के संविधान में चुनाव आयोग को एक संवैधानिक संस्था का दर्जा दिया है और संविधान के अनुच्छेद 324 में सांसदो, विधायकों, संवैधानिक पदों के निर्वाचनों के लिये निर्वाचक नामावली तैयार कराने का और सभी निर्वाचनों के संचालन का अधीक्षण, निदेशन और नियंत्रण का दायित्व चुनाव आयोग को दिया है।

उपरोक्त को भली–भांति समझने के लिये पाठकों की सुविधा के लिये संविधान के अनुच्छेद 324, 326 व 329 को यहां उद्धृत किया जा रहा है:–

"अनुच्छेद 324. निर्वाचनों के अधीक्षण, निदेशन और नियंत्रण का निर्वाचन आयोग में निहित होना।"

(1) इस संविधान के अधीन संसद् और प्रत्येक राज्य के विधान–मंडल के लिए कराए जाने वाले सभी निर्वाचनों के लिए तथा राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के पदों के लिए निर्वाचनों के लिए निर्वाचक नामावली तैयार कराने का और उन सभी निर्वाचनों के संचालन का अधीक्षण, निदेशन और नियंत्रण, एक आयोग में निहित होगा (जिसे इस संविधान में निर्वाचन आयोग कहा गया है)।

(2) निर्वाचन आयोग मुख्य निर्वाचन आयुक्त और उतने अन्य निर्वाचन आयुक्तों से, यदि को हों. जितने राष्ट्रपति समय–समय पर नियत करे, मिलकर बनेगा तथा मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति, संसद् द्वारा इस निमित्त बना ग विधि के उपबंधों के अधीन रहते हुए, राष्ट्रपति द्वारा की जाएगी।

(3) ....

(4) ....

(5) ......

(6) जब निर्वाचन आयोग ऐसा अनुरोध करे तब राष्ट्रपति या किसी राज्य का राज्यपाल निर्वाचन आयोग या प्रादेशिक आयुक्त को उतने कर्मचारिवृंद उपलब्ध कराएगा जितने खंड (1) द्वारा निर्वाचन आयोग को सौंपे गए कृत्यों के निर्वहन के लिए आवश्यक हों।"

"अनुच्छेद 326– लोक सभा और राज्यों की विधान सभाओं के लिए निर्वाचनों का वयस्क मताधिकार के आधार पर होना। – लोक सभा और प्रत्येक राज्य की विधान सभा के लिए निर्वाचन वयस्क मताधिकार के आधार पर होंगे अर्थात् प्रत्येक व्यक्ति, जो भारत का नागरिक है और ऐसी तारीख को, जो समुचित विधान–मंडल द्वारा बना ग किसी विधि द्वारा या उसके अधीन इस निमित्त नियत की जाए, कम से कम (अठारह वर्ष) की आयु का है और इस संविधान या समुचित विधान–मंडल द्वारा बना ग किसी विधि के अधीन अनिवास, चित्तविकृति, अपराध या भ्रष्ट या अवैध आचरण के आधार पर अन्यथा निरर्हित नहीं कर दिया जाता है, ऐसे किसी निर्वाचन में मतदाता के रूप में रजिस्ट्रीकृत होने का हकदार होगा।"

"अनुच्छेद 329. निर्वाचन संबंधी मामलों में न्यायालयों के हस्तक्षेप का वर्जन।"

(क) अनुच्छेद 327 या अनुच्छेद 328 के अधीन बना ग या बना जाने के लिए तात्पर्यित किसी ऐसी विधि की विधिमान्यता, जो निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन या ऐसे निर्वाचन–क्षेत्रों को स्थानों के आबंटन से संबंधित है, किसी न्यायालय में प्रश्नगत नहीं की जाएगी;

(ख) संसद के प्रत्येक सदन या किसी राज्य विधान–मंडल के सदन या प्रत्येक सदन के लिए को निर्वाचन ऐसी निर्वाचन अर्जी पर ही प्रश्नगत किया जाएगा, जो ऐसे प्राधिकारी को और ऐसी रीति से प्रस्तुत की ग है जिसका समुचित विधान–मंडल द्वारा बना ग विधि द्वारा या उसके अधीन उपबंध किया जाए, अन्यथा नहीं।"

आशा की जा सकती है कि चुनाव आयोग द्वारा उक्त बैठक में स्पष्ट निर्देश जारी किये जावेंगे और शुद्ध मतदाता सूची विधिवत जारी करने का मार्ग प्रशस्त होगा। चुनाव आयोग ने न्यायालय के समसक्ष अपने एडवोकेट के द्वारा, स्पष्ट किया है कि कुल 7.24 करोड़ वोटर्स के नामों में से 99.6ङ वोटर्स ने अपने नाम ड्राफ्ट वोटर्स लिस्ट में शामिल करने हेतु फॉर्म भर कर दे दिये हैं। विवाद जो शेष है वह घ्र्तुिं र्शुेंहू (अवैध प्रवासियों) का है। 65 लाख तथाकथित मतदाताओं के नाम काटे हैं, उसमें तीन केटेगरी के लोग हैं, मृतक, अवैध प्रवासी और वे हैं जिनके नाम दो जगह हैं। अब तक आरजेडी नेता ने केवल 265 नाम बताये हैं, जिनका नाम काटा गया है। फर्जी कागजात पेश करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही होगी।

राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों की बैठक हो चुकी है। बैठक में चुनाव अधिकारियों को निर्देश देते हुये स्पष्ट किया है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से बाहर न रह जावे और अपात्र इसमें शामिल नहीं हो। आधार कार्ड को 11 अन्य दस्तावेजों के साथ शामिल किया जावे। राज्य के बाहर से आने वाले विदेशी अवैध प्रवासियों की जांच की जावे उनसे घोषणा–पत्र लिया जावे कि उनका जन्म 1 जुलाई, 1987 से पूर्व भारत में हुआ था, विकल्प में जिनका जन्म भारत में 1 जुलाई, 1987 और 2 दिसम्बर, 2004 के बीच हुआ है, उन्हें अपने माता–पिता की जन्मतिथि/जन्म स्थान के सम्बन्ध के दस्तावेज लिये जावें। यह भी निर्देश दिये हैं कि चुनाव अधिकारी मतदाता घर–घर जाकर सत्यापन करें ताकि मतदाता सूची दोष मुक्त हो।

गलतियाँ हुई हैं, उन्हें सुधारा जा सकता है। अन्य राज्यों में एेंह के विरूद्ध नई याचिकाओं का उद्देश्य भी यही है कि सभी राज्यों में शुद्ध मतदाता सूची तैयार हो। मतदान करना नागरिक का संवैधानिक अधिकार है न कि मूल अधिकार।

सबको सन्मति दे भगवान्!

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन,
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

उपराष्ट्रपति और उनके संवैधानिक दायित्व

डॉ. कैलाश चन्द सैनी

नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति चन्द्रपुरम मोन्नुसामी राधाकृष्णन यानी सी.पी. राधाकृष्णन के नाम के साथ ही भारत के पहले उपराष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का स्मरण होना स्वाभाविक है। 20 अक्टूबर 1957 को जब तमिलनाडु में इनका जन्म हुआ तो इनके माता–पिता ने उनके नाम के साथ राधाकृष्णन जोड़ दिया, ताकि उनका बेटा भी डॉ. एस. राधाकृष्णन की तरह बड़ा आदमी बने। माता–पिता ने जिस उम्मीद से बेटे का नाम रखा आखिर वह 9 सितम्बर 2025 को इनके उपराष्ट्रपति चुने जाने के साथ ही साकार हो गई। एनडीए ने सी.पी. राधाकृष्णन को जब उपराष्ट्रपति पद के लिए प्रत्याशी बनाया तब उनकी माता जानकी अम्माल ने उनके नाम के पीछे की यह कहानी बताई थी।

सी.पी. राधाकृष्णन भारत के 17वें तथा व्यक्तियों के हिसाब के 15वें उपराष्ट्रपति निर्वाचित हुए। निर्वाचित 15 उपराष्ट्रपतियों में डॉ. एस. राधाकृष्णन (1952–57, 1957–62) तथा मोहम्मद हामिद अंसारी (2007–2012, 2012–17) दो–दो बार इस पद पर रहे।

उपराष्ट्रपति रहे भैरोंसिंह शेखावत एवं जगदीप धनखड़ ने राजस्थान का प्रतिनिधित्व किया। देश के 15 उपराष्ट्रपतियों में से डॉ. राधाकृष्णन, डा. जाकिर हुसैन, वी.वी. गिरि, बी.डी. जत्ती, एम. हिदायतुल्लाह, आर वेंकटरमन, शकंर दयाल शर्मा और के.आर. नारायणन आगे चलकर राष्ट्रपति भी निर्वाचित हुए। नये उपराष्ट्रपति की शालीनता और संगठनात्मक अनुभव के आधार पर यह आशा की जा सकती है कि वे संसदीय शुचिता सुनिश्चित करने में सहायक होंगे। उनके नेतृत्व में राज्यसभा की कार्यवाही अधिक समावेशी और उत्पादक हो सकती है, विशेषकर जब पक्ष और विपक्ष के बीच खींचतान के चलते संसद के कामकाज में निरंतर व्यवधान होना एक निन्दनीय परम्परा सी बनी हुई है।

हमने उपराष्ट्रपति के पद के संवैधानिक दायित्व की अवधारणा को राष्ट्रपतीय शासन प्रणाली वाले अमेरिका से लिया है जहां की सीनेट (उच्च सदन) का अध्यक्ष उपराष्ट्रपति होता है। संसद के उच्च सदन (राज्य सभा) के पदेन सभापति के रूप में उसकी भूमिका सभा के सुचारू संचालन और सदन की गरिमा एवं मर्यादा को बनाये रखने के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। वह नियमों का उल्लंघन करने वाले सदस्य के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करने का अधिकार रखता है। वह सत्र के दौरान सदस्यों द्वारा उठाये गये औचित्य के प्रश्नों पर निर्णय लेने तथा विधेयकों और प्रस्तावों को समितियों को विस्तृत जांच के लिए सम्बन्धित संसदीय समितियों को भेजता है। राज्य सभा में किसी मामले पर मतदान के दौरान मत बराबर होने की स्थिति में, सभापति को निर्णायक मत देने का अधिकार है। राष्ट्रपति के निधन या पदत्याग या अन्य किसी कारण से पद रिक्त हो तो उपराष्ट्रपति नये राष्ट्रपति की नियुक्ति तक राष्ट्रपति के रूप में कार्य करते हैं। साथ ही राष्ट्रपति की अनुपस्थिति या उनकी बीमारी या अपने कृत्यों का निर्वहन करने में असमर्थ होने पर उपराष्ट्रपति द्वारा उनके कृत्यों का निर्वहन किया जाता है। भारत में कई बार उपराष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रपति के दायित्वों का निर्वहन किया गया है। इसके लिए उपराष्ट्रपति को राष्ट्रपति के पद की शपथ दिलाई जाती है। उदाहरण है कि राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की सोवियत संघ की यात्रा के समय वर्ष 1960 में तथा बाद में उनके अस्वस्थ होने पर 1961 में उपराष्ट्रपति डॉ. राधाकृष्णन ने राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया था। उपराष्ट्रपति डॉ. जाकिर हुसैन ने भी राष्ट्रपति डॉ. राधाकृष्णन की अस्वस्थता व अन्य कारण से दो बार राष्ट्रपति के कृत्यों का निर्वहन किया।

राष्ट्रपति डॉ. जाकिर हुसैन के निधन पर उपराष्ट्रपति वी.वी. गिरि ने तथा राष्ट्रपति डॉ. फखरुद्दीन अली अहमद के निधन पर उपराष्ट्रपति बी.डी. जत्ती ने कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया। उपराष्ट्रपति मोहम्मद हिदायतुल्लाह ने भी राष्ट्रपति ज्ञानी जैलसिंह के विदेश में उपचार हेतु जाने पर उनके पद के दायित्वों का निर्वहन किया। उपराष्ट्रपति जब राष्ट्रपति के रूप में कार्य करते हैं तो वे राष्ट्रपति की समस्त शक्तियां और उन्मुक्तियों का उपयोग करते हैं। कार्यकारी राष्ट्रपति के रूप में कार्य करते हुए उपराष्ट्रपति द्वारा वे सभी कार्य सम्पादित किये जाते हैं जो राष्ट्रपति नियमित रूप से करते हैं। उपराष्ट्रपति जब राष्ट्रपति के रूप में कार्य करते हैं उस अवधि के दौरान वह राज्य सभा के सभापति के कत्तर्व्यों का पालन नहीं कर सकते। ऐसी स्थिति में राज्य सभा के उपसभापति द्वारा सभा का संचालन किया जाता है। सभापति के समान ही उप सभापति भी राज्य सभा की कार्यवाही की अध्यक्षता करते समय सदन के समस्त नियमों और प्रक्रियाओं को लागू कर सकते हैं। राज्यसभा की कार्यवाही के संचालन में उपसभापति की भूमिका और अधिकार सभापति के समकक्ष होते हैं। आवश्यक होने पर सभापति सभा के आदेशों के क्रियान्वयन के लिए वारंट जारी करता है।

दिनांक 21.12.1967 एवं 18.3.1982 को राज्य सभा की दर्शक दीर्घा से पर्चे फेंकने व नारे लगाने वाले व्यक्तियों को साधारण कारावास का दंड देने पर सभापति ने अपराधियों को जेल अधीक्षक को सौंपने के वारंट जारी किये थे। दिनांक 21.11.1983 को दर्शक दीर्घा से नारे लगाने एवं चप्पल फेंकने वाले एक दर्शक को सभा ने एक संकल्प द्वारा जब सत्र की समाप्ति तक साधारण कारावास का दंड दिया तो सुपुर्दगी वारंट उप सभापति के हस्ताक्षर से जारी किया गया था। उल्लेखनीय है कि उपराष्ट्रपति को, उपराष्ट्रपति के रूप में तो कोई वेतन नहीं मिलता। वह राज्य सभा के सभापति के रूप में ही वेतन प्राप्त करता है। उसका वेतन एवं भत्ते संसद के अधिकारी वेतन एवं भत्ता अधिनियम 1953 और इसके अधीन बनाये गये नियमों द्वारा विनियमित होते हैं। चूँकि उपराष्ट्रपति राज्य सभा का पदेन सभापति तो होता है लेकिन वह राज्य सभा का सदस्य नहीं होता इसलिए उसे राज्य सभा से पेंशन नहीं मिलती। भारत के उपराष्ट्रपति को पेंशन तो मिलती है लेकिन वह उसके त्यागपत्र देने या कार्यकाल की समाप्ति के बाद 'उपराष्ट्रपति (पेंशन) एक्ट, 1997' के अन्तर्गत मिलती है। यदि उपराष्ट्रपति दुर्व्यवहार के कारण हटाए गए हों, तो उन्हें पेंशन और बाकी सुविधाएं नहीं दी जाती हैं। उपराष्ट्रपति सम्बन्धी प्रावधान पर संविधान सभा में 28 दिसम्बर 1948 को कोई ठोस बहस नहीं हुई थी। प्रारूप संविधान के अनुच्छेद 53 पर उपराष्ट्रपति को राज्य सभा का पदेन सभापति बनाना तय किया गया। यह भी निश्चित किया गया कि वह कोई अन्य लाभ का पद धारण नहीं करेगा। परंतु प्रारूप संविधान के अनुच्छेद 54 के अधीन किसी अवधि के दौरान जब उपराष्ट्रपति राष्ट्रपति के रूप में कार्य करेगा, तब वह राज्य सभा के सभापति के पद के कत्तर्व्यों का पालन नहीं करेगा। यह भी तय किया गया कि उपराष्ट्रपति जब राष्ट्रपति के रूप में काम करेगा तब उसे राष्ट्रपति का वह वेतन दिया जायेगा जो उस पद के लिए दिया जाता है। ऐसी स्थिति में वह संविधान के अनुच्छेद 97 के अधीन राज्यसभा के सभापति को देय वेतन और भत्तों का हकदार नहीं होता।

उपराष्ट्रपति का चुनाव संविधान के अनुच्छेद 66 के अन्तर्गत लोकसभा एवं राज्यसभा के सदस्यों के द्वारा होता है। उपराष्ट्रपति संसद के किसी सदन या किसी राज्य के विधान–मण्डल का सदस्य नहीं हो सकता। लोकसभा अध्यक्ष के समान राज्य सभा के उपसभापति का निर्वाचन राज्यसभा के सदस्यों में से ही किया जाता है जो अधिक लोकतांत्रिक कहा जा सकता है। यह राज्यसभा का पूर्णकालिक अधिकारी होता है। उसे भी सभापति के समान संसद के अधिकारी वेतन और भत्ता अधिनियम के तहत वेतन भत्ते प्राप्त होते हैं। जब सभापति का पद रिक्त हो या उपराष्ट्रपति राष्ट्रपति के रूप में कार्य कर रहा हो तब सभापति के कत्तर्व्यों का पालन उपसभापति द्वारा ही किया जाता है।

यह उल्लेख करना भी प्रासंगिक होगा कि वर्ष 2019 से लोकसभा के उपाध्यक्ष का पद रिक्त है, इसके बावजूद लोकसभा अध्यक्ष द्वारा सभा का कामकाज सभापति तालिका के सदस्यों के सहयोग से सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है। ऐसे में राज्यसभा के उपसभापति को यदि सभापति के रूप में सम्पूर्ण दायित्व सौंप दिये जाये तो भी राज्यसभा का कामकाज उपसभाध्यक्ष तालिका के सदस्यों के सहयोग से सक्षम रूप से संचालित किया जा सकता है।

– डॉ. कैलाश चन्द सैनी,
पूर्व मुख्य शोध एवं संदर्भ अधिकारी
राजस्थान विधानसभा,
जयपुर

"राजस्थान रत्न" कन्हैयालाल सेठिया – साहित्य की अखंड ज्योत

महाकवि कन्हैयालाल सेठिया की जन्म जयंती पर विषेश...........

रचना सरन

"धरती धोरां री!
आ तो सुरगां नै सरमावै,
ई पर देव रमण नै आवै,
ई रो जस नर नारी गावै,
धरती धोरां री!"

बचपन में जब यह गीत स्कूल में सुनते थे, तब यह किसी देववाणी से कम नहीं लगता था। यह गीत राजस्थान के राष्ट्रगान के रूप में राजस्थान की पहचान था और मुझे बहुत अपना सा लगता था। वर्षों बाद कोलकाता में जब सिद्धार्थ सेठिया जी से भेंट हुई तो उनका परिचय भी इन पंक्तियों के साथ हुआ था की आप "धरती धोरा री" गीत के रचयिता कन्हैयालाल सेठिया जी के पौत्र हैं। मेरी खुशी का पारावार ना रहा जब उन्होंने मुझे कन्हैयालाल सेठिया जी की हिन्दी कविताओं का संग्रह समग्र (खण्ड एक और दो) भेजा। जुगल किशोर जैथलियाजी द्वारा संपादित समग्र के दो खण्डों में सेठिया जी के हिंदी के 18 ग्रन्थों एवं उर्दू के दो ग्रन्थों का समावेश है। प्रथम खण्ड में 'वनफूल' से लेकर 'अनाम' तक के ग्रन्थों की रचनाओं को संग्रहित किया गया है। द्वितीय खण्ड में 'निर्ग्रन्थ' से लेकर 'गुलचीं' तक के दस ग्रन्थों का संग्रह है। इन रचनाओं के शीर्षक का विस्तार 'अ' से वर्णमाला के 'ह' अक्षर तक है। क्ष,त्र,ज्ञ से प्रारंभ होने वाले शीर्षक की रचनाएं भी हैं।

'वनफूल' ग्रन्थ की शुरुआत से पहले सेठिया जी का संदेश है, जो उनके जीवन की दुभरताओं का भान कराता है। वे लिखते हैं, 'वनफूल' आपके सामने है। यह अभी कुछ कुम्हलाया हुआ–सा है, क्योंकि निष्ठुरता की लू के झकोरे प्रबल थे और जीवन की भरी दुपहरी में यह लाया गया है।" पहली कविता 'कली–कली' की कोमल अभिव्यक्ति ने उनकी मानवीय संवेदनाओं को प्रबलता से दर्शा दिया। कविताओं में प्रेम की व्यथा, निराशा, विरोध, कहीं क्रोध तो कहीं संतोष का भाव उजागर होता है।

सरल शब्दों में बड़ी बात लिख दी गई हैं --

"जग है कारागार!
क्रोध– द्वेष की कटु जंजीरें,
मोह– जाल की दृढ़ प्राचीरें,
बन्दी रखती हैं मानव को, दे चिंता का भार।
जग है....."

1942 में प्रकाशित ग्रन्थ 'अग्निवीणा' की कविताओं में तेज है, बल है, प्रेरणा है और देश के प्रति उनके हृदय में बसी भक्ति व समर्पण की भावना है। और होती भी क्यों नहीं... उन्होंने अपने छात्रजीवन के अनेक वर्ष स्वतंत्रता संग्राम को समर्पित किये हैं। 'अग्निवीणा' पर बीकानेर राज्य में इन पर राजद्रोह का मुक़दमा चला, जस्ट स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद ही समाप्त हुआ। बाद में राजस्थान सरकार ने इनको स्वतंत्रता–संग्राम सेनानी के रूप में सम्मानित भी किया, किंतु उन्होंने पेंशन लेने से इनकार कर दिया था। 'मेरा युग' 1947 ई0 में पहली बार प्रकाशित हुआ, जिसके प्रवेश में सेठिया जी कहते हैं," मेरा युग आपका युग भी है। इस युग में एक और जहां महामानव बापू की पावन तपस्या फलीभूत हुई तो दूसरी और मानव पशुओं का नशंस ताण्डव भी इसकी ही छाती पर हुआ। चरमता और निम्नता दोनों की ही स्वाभाविक आकृतियों ने युग की खिड़की से झांक कर देखा है..." यह ग्रन्थ स्वतंत्रता, बापू व उनका गांधीवाद और उस समय की सामयिकता को समर्पित है। उनकी कविता "मन्दिर–मस्जिद" आज के परिप्रेक्ष्य में भी प्रासंगिक प्रतीत होती है। विनोबा, माउंटबेटन, जयप्रकाश, बापू का फ्यूहरर को पत्र, दो कलंक – जिसमें सालाजर, हिटलर और चर्चिल विषय–वस्तु हैं, हैदराबाद और एशिया इत्यादि ऐसी कविताएं हैं जो पाठकों को साहित्य के माध्यम से इतिहास का मर्म समझा देती हैं। 1948 में जब देशी रियासतों का एकीकरण करके राजस्थान बनाया था तब माउंट आबू राजस्थान में शामिल नहीं था। वह गुजरात को दे दिया गया था। सेठिया जी ने इसके विरोध में आंदोलन प्रारंभ किया और 1956 में उन्हें सफलता प्राप्त हुई। "खण्डित राजस्थान" कविता में उनका आक्रोश एक एक शब्द से छलक रहा है। इस ग्रन्थ की 'नोआखाली' कविता ने स्वयं राष्ट्रिपता महात्मा गांधी को इतना प्रभावित किया कि उन्होंने सेठिया जी को अपने हाथों से आशीर्वचन लिखकर भेजे थे। अपने ग्रन्थ "आज हिमालय बोला" के लिए वे कहते हैं कि, "क्षमा कायरता का पर्यायवाची है, आक्रामक पड़ोसी कि इस भ्रांत धारणा को अगर आने वाली पीढ़ी संशोधित कर सकी तो मूक हिमालय के बोलने की मेरी कल्पना निस्संदेह सत्य बन जाएगी।" इस संग्रह में "जननी की जय बोल", 'प्रयाण गीत', 'मोरचे का गीत!', 'विजय का गीत', 'अपना शीश चढ़ाओ तो' जैसी ओजपूर्ण रचनाएं अनायास ही पाठकों के मन में राष्ट्रप्रेम की लौ सुलगा देती हैं। इनमें चीन के ऊपर तंज कहती रचनाओं 'भ्रांत चीन', 'चंगेजिज्म', 'सिपाही का गीत', 'बर्बर चीनी' इत्यादि में 1962के भारत–चीन युद्ध और चीन के दोगलेपन के प्रति रोष स्पष्ट झलकता है। समग्र एक का अंतिम ग्रंथ है "मर्म जो 1971 में प्रकाशित हुआ था , जिसके लिए स्वयं सेठिया जी लिखते हैं"–

अथ–इति मर्म मर्मज्ञों के लिए है अल्पज्ञों और सर्वज्ञों के लिए नहीं।"

और सच में ऐसे समझने के लिए मर्मज्ञ होना आवश्यक है चंद शब्दों में महत्त बात रखी गई है जैसे अंजुलि में सागर भर लिया हो। इस ग्रंथ की किसी भी कविता में 9 से अधिक पंक्तियां नहीं है।कुछ कविताएं तो मात्र दो–दो पंक्तियों की ही हैं। इन कविताओं से प्रभावित होकर डॉक्टर हरिवंश राय बच्चन ने लिखा था, "आपकी कविता क्या मंत्र ही हैं। ये छोटे–छोटे सूत्रों में जीवन का गहन रहस्य। बधाई!" कन्हैयालाल सेठिया जी ने उर्दू में भी 'ताजमहल' और 'गुलचीं' नाम से दो ग्रन्थों की रचना की। डॉ हरिवंश राय बच्चन ने लिखा था "रचना नाज़ुक और नफ़ीस है.... यह तो नया ही रंग दिखाया आपने!" सेठिया जी के शब्दों का जादू उर्दू भाषा में भी बरक़रार रहा। सेठिया जी की कविताओं के लिए रामधारी सिंह दिनकर जी ने लिखा है," आपकी कविताएं आनंद देती हैं और हिंदी के भविष्य के विषय में आशा और उत्साह। बधाई!" 1947 में आप "हरिजन सेवक संघ" की अखिल भारतीय कार्यसमिति के सदस्य नियुक्त हुए। जब चुरु जिले के हरिजनों ने धर्मांतरण करने का निर्णय लिया तो आपके प्रयासों ने उन्हें निरस्त करवा दिया। राजस्थानी भाषा को संवैधानिक मान्यता दिलाने के लिए उन्होंने बहुत प्रयास किए थे। तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद जी और प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को पत्र लिखे। राजस्थानी भाषा में रचनाधर्मिता को कायम रखा और 14 ग्रन्थों का सृजन किया। भारत सरकार के फिल्म डिवीजन ने "पदचाप: प्रज्ञा पुरुष की" के नाम से सेठिया जी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर फिल्म बनाई, जिसे दूरदर्शन के माध्यम से देश भर में प्रदर्शित किया गया। उनका अमर गीत 'धरती धोरां री' राजस्थान के कण–कण में जैसे रचा बसा है।

बालकवि बैरागी ने उस गीत के संदर्भ में सेठिया जी के लिए लिखा था," वे अपनी अकेली एक रचना के दम पर शाश्वत और सनातन है।" इस गीत में न केवल सेठिया जी को अपितु पूरे राजस्थान को साहित्य में एक अलग ही स्थान प्रदान करवा दिया था। सेठिया जी को संयुक्त राज्य अमेरिका संसद काँग्रेस लाइब्रेरी द्वारा "20वीं सदी के जीवित दिग्गज" के रूप में सम्मानित किया गया था। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त फिल्मकार गौतम घोष ने एक डॉक्यूमेंट्री बनाई थी "धरती धोरां री –द लैंड ऑफ़ सैंड ड्यून्स", जिसे भारत सरकार की सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा सर्वोच्च गोल्डन लोटस सम्मान प्रदान किया गया था। यह मेरा परम सौभाग्य है कि आज उनकी 101 जयन्ती पर मैं महान् समग्र के दोनों खण्डों को अपने हाथों से सहेज रही हूं और स्व. कन्हैयालाल सेठिया जी जैसे परम् चिन्तक और साधक के बारे में लिख रही हूं। उस महान् जनकवि को शत् शत् नमन है।

–रचना सरन,
सदस्य –पश्चिम बंग हिंदी अकादमी, कोलकाता

राशिफल शुक्रवार 12 सितम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

आश्विन मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2082, भरणी नक्षत्र दिन 11:59 तक, व्याघात योग दिन 1:43 तक, तैतिल करण प्रात: 9:59 तक, चन्द्रमा आज सायं 5:31 से वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–सिंह, चन्द्रमा–मेष, मंगल–कन्या, बुध–सिंह, गुरू–मिथुन, शुक्र–कर्क, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में।

ज्वालामुखी योग दिन 9:59 तक है। रवियोग 1:59 से आरम्भ होगा। आज छठ और कृत्तिका का श्राद्ध है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:47 तक, लाभ–अमृत 7:47 से 10:51 तक, शुभ 12:23 से 1:55 तक, चर 5:00 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:15, सूर्यास्त 6:32

मेष
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

सिंह
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखें। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी।

कन्या
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में दुर्घटना का भय बना रहेगा।

तुला
परिवार में प्रसन्नता–हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिजनों के सहयोग से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

वृश्चिक
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त–व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में महत्वपूर्ण सफलता मिल सकती है। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

धनु
परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मकर
घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में वाद–विवाद हो सकते हैं। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कुंभ
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

मीन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। अटके कार्य बनने लगेंगे। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेंगी।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 50 संख्याः 329 प्रभात कोटा, शुक्रवार 12 सितम्बर, 2025 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

ट्रम्प के प्रबल समर्थक, राजनीति में हिंसा के प्रवर्तक की गोली मारकर हत्या

मृत चार्ली कर्क का फेमस व्यंगात्मक कथन हुआ करता था, ''बंदूक से हुई कुछ हत्याएं जायज़ हैं''

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 सितम्बर। अमेरिका में एक प्रमुख युवा अतिवादी दक्षिणपंथी कार्यकर्ता की हत्या ने पूरे देश को हिला दिया है। यह घटना दिखाती है कि डॉनल्ड ट्रंप के दौर में अमेरिकी राजनीति कितनी विभाजित हो गई है और किस तरह गहरी कटुता और वैमनस्य की काली परत समाज में फैल चुकी है।

- कर्क की मृत्यु के बाद, ट्रंप ने उन्हें, अमेरिका का सर्वोच्च सम्मान प्रदान किया
- विश्व इस हत्या से व सम्मान से स्तब्ध है। यह सच है कि, अमेरिका की राजनीति प्रारंभ से हिंसा से रक्त रंजित रही है, तथा वहां के कई राष्ट्रपति गोली से मारे गये हैं। पर, समाज में इतनी कटुता कभी नहीं थी। जितनी अब ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद पैदा हुई।

अमेरिका में हिंसा का बेकाबू फैलाव और पूरे तंत्र में इसका संक्रमण भारत के लिए भी सबक है। मतभेदों को इस हद तक नहीं बढ़ने देना चाहिए कि आपसी संबंध ही खतरे में पड़ जाएं।

चार्ली कर्क, जो ''मेक अमेरिका ग्रेट अगेन'' (मागा) विचारधारा के सबसे मुखर समर्थकों में से एक थे, ने स्वयं अक्सर हिंसा की प्रशंसा की थी। उन्होंने तो यहां तक कहा था कि ''बंदूक से हुई कुछ हत्याएं जायज़ हैं'' कर्क डॉनल्ड ट्रंप और अप्रवासियों को प्रताड़ित करने वाले उनके सख्त कार्यक्रमों के सबसे बड़े समर्थक थे।

उनकी मौत के तुरंत बाद, डॉनल्ड ट्रंप ने स्वयं उन्हें अमेरिका का एक सर्वोच्च नागरिक सम्मान भी प्रदान किया।

अमेरिका और उसकी राजनीति शुरू से ही हिंसा से भरी रही है। कई

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एसआई भर्ती पेपरलीक प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर

जयपुर, 11 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ द्वारा एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में भर्ती रद्द करने के संबंध में एकलपीठ की ओर से दिए आदेश पर रोक लगाने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर की गई है। एसएलपी पर सुप्रीम कोर्ट अगले सप्ताह सुनवाई करेगा।

एसएलपी में अधिवक्ता ऋषभ संचेती ने कहा कि हाईकोर्ट की खंडपीठ

- खंडपीठ के अपीलार्थी अमर सिंह व विक्रम पंवार की ओर से इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में केविएट पेश किया गया।

ने एकलपीठ के आदेश पर रोक लगाते हुए, चयनित अभ्यर्थियों को फील्ड ट्रेनिंग कराने की छूट दी है, जबकि फील्ड ट्रेनिंग में कुछ हद तक ट्रेनी

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राजस्थान में पहली बार 55 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट्स ऑपरेशनल मोड में - वैष्णव

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लघु उद्योग भारती के ''आइडियोथॉन-2025'' में पुरस्कार प्रदान किये

- अश्विनी वैष्णव ने कहा कि अमेरिका की तर्ज पर राजस्थान में विश्वस्तरीय इन्क्यूबेशन, मेंटरशिप एवं फंडिंग प्लेटफार्म स्थापित करने के लिये भारत सरकार व राज्य सरकार समन्वय से काम करेंगे।
- आइडियोथॉन में जयपुर के तन्मय व्यास और चारु वैष्णव के स्टार्टअप को प्रथम पुरस्कार मिला। रेल मंत्री ने इनके ट्रेन स्पीड कंट्रोल प्रोटोटाइप के रेलवे में परीक्षण के निर्देश दिये।

जयपुर, 11 सितम्बर। रेल, सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि जयपुर में लघु उद्योग भारती के कौशल केंद्र में जल्द ही इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में 5 हजार युवाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के ज़रिए युवाओं को आधुनिक तकनीकों में दक्ष कर बेहतर प्लेसमेंट के अवसर भी उपलब्ध कराए जाएंगे। वे लघु उद्योग भारती के सोहन सिंह स्मृति कौशल केंद्र पर आयोजित ''आइडियोथॉन-2025'' के पुरस्कार समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अमेरिका की तर्ज पर राजस्थान में विश्व स्तरीय इनक्यूबेशन, मेंटरशिप और फंडिंग प्लेटफॉर्म स्थापित करने की दिशा में भारत सरकार और राज्य सरकार परस्पर समन्वय से कार्य करेंगी।

वैष्णव ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग अब देश में ही हो रही है, जिससे यह सेक्टर 11.5 लाख करोड़ का बन चुका है और 25 लाख लोगों को रोजगार दे रहा है। उन्होंने बताया कि राजस्थान में पहली बार 55 हजार करोड़ के इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स एक साथ ऑपरेशनल मोड में हैं। लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री प्रकाशचंद्र ने कहा कि उद्यमशीलता और गुणवत्ता को बढ़ावा देने के लिए संगठन स्किल्ड वर्क फोर्स तैयार कर रहा है। राज्य के उद्योग मंत्री

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

महिला एईएन सहित पांच कर्मचारी 3 लाख की रिश्वत लेते गिरफ्तार

भरतपुर एसीबी टीम ने गुरुवार को धौलपुर नगर परिषद कार्यालय में छापा मारकर रंगे हाथ पकड़ा

- एसीबी एडी-एसपी के अनुसार, धौलपुर नगर परिषद के आयुक्त अशोक शर्मा की भूमिका संदिग्ध दिखाई दे रही है। आयुक्त से पूछताछ की जा रही है।

भरतपुर, 11 सितम्बर (निसं)। धौलपुर जिले में भरतपुर एसीबी की टीम ने धौलपुर नगर परिषद कार्यालय में बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। महिला एईएन समेत पांच कर्मचारियों को तीन लाख दस हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। ठेकेदार से बिल पास कराने के एवज में रिश्वत की मांग की जा रही थी।

भरतपुर एसीबी के एडिशनल एसपी अमित सिंह ने बताया कि राजकीय संवेदक ने एसीबी कार्यालय भरतपुर में एक शिकायत दर्ज कराई थी। परिवादी ने आरोप लगाया था कि धौलपुर नगर परिषद कार्यालय में कार्यरत एईएन प्रिया, वरिष्ठ सहायक भरत कुमार, वरिष्ठ सहायक नीरज, संविदाकर्मी हरेन्द्र और चालक देवेन्द्र बरसात के पानी निकासी का बिल पास

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ब्लूटूथ से नकल के द्वारा चयनित दो कनिष्ठ लिपिक गिरफ्तार

जयपुर, 11 सितम्बर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए दो कनिष्ठ लिपिकों को गिरफ्तार किया है, जो कनिष्ठ न्यायिक, सहायक लिपिक ग्रेड-द्वितीय एवं लिपिक ग्रेड-द्वितीय के पदों पर सीधी

- दोनों ही गत 6-7 माह से गिरफ्तारी के डर से फरार चल रहे थे।

भर्ती की संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा 2022 में ब्लूटूथ डिवाइस के माध्यम

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुख्यमंत्री ने सेवा पखवाड़े को बताया ''विकसित भारत 2047'' का आधार

भाजपा कार्यशाला में प्रदेश प्रभारी अग्रवाल की नाराज़गी ने बदला माहौल, वे बिना मंच साझा किए लौटे

- मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि सेवा पखवाड़े के दौरान हर बूथ पर वृक्षारोपण किया जायेगा तथा शहरी व ग्रामीण प्रशासन शिविर व सहकारिता सदस्यता अभियान के माध्यम से जनता के साथ जुड़ाव और गहरा किया जायेगा।

जयपुर, 11 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से शुरू होने वाले सेवा पखवाड़े को लेकर जयपुर के दुर्गापुरा स्थित कृषि अनुसंधान केन्द्र में भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सेवा पखवाड़ा प्रधानमंत्री मोदी के 'विकसित भारत 2047' विजन को जमीन पर उतारने का अभियान है। राज्य सरकार ने इस वर्ष 11 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य रखा है और सेवा पखवाड़े के दौरान हर बूथ पर वृक्षारोपण किया जाएगा। धर्मांतरण बिल पर कांग्रेस की आलोचना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ''कांग्रेसी नेता सदन में बोलने की बजाय सोशल मीडिया पर बयानबाजी करते हैं। जाति और तुष्टिकरण की राजनीति अब नहीं चलेगी।'

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कार्यकर्ताओं का आ ान किया कि वे सेवा पखवाड़े को केवल एक कार्यक्रम न मानें, बल्कि इसे जनसेवा और संगठन विस्तार का अवसर समझें।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सोनिया गांधी पर मुकदमा दर्ज करने की याचिका खारिज

नयी दिल्ली, 11 सितंबर। दिल्ली की एक अदालत ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग वाली एक याचिका गुरुवार खारिज कर दी।

यह याचिका गांधी के कथित तौर पर भारत की नागरिकता लेने से करीब तीन साल पहले यहां की मतदाता सूची में नाम शामिल होने के आरोप से

- याचिका में कथित तौर पर भारत की नागरिकता लेने से तीन साल पहले मतदाता सूची में नाम शामिल होने का आरोप था।

संबंधित है। इसमें उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का निर्देश देने की गुहार लगाई गई थी।

राउज एवेन्यू स्थित अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट वैभव चौरसिया ने आदेश पारित करते हुए याचिकाकर्ता के अधिवक्ता से कहा, ''हमने शिकायत खारिज कर दी है।''

अदालत ने विकास त्रिपाठी की याचिका पर सुनवाई के बाद बुधवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। अदालत ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता पवन नारंग की दलीलें सुनने के बाद यह फैसला सुरक्षित रख लिया था।

कांग्रेस ने भाजपा व प्र.मंत्री मोदी पर व्यंगों की बौछार की

'मोदी कार कंपनियों पर दबाव डाल रहे हैं ''थैंक यू मोदी'' के पोस्टर लगाने के लिए'

केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने प्र.मंत्री और केन्द्र सरकार पर आरोप लगाया

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 11 सितंबर। भारी उद्योग मंत्रालय द्वारा सभी कार और दोपहिया वाहन निर्माताओं को निर्देश दिया गया है कि वे अपने सभी डीलरशिप्स पर जीएसटी दरों में हुए बदलाव और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तस्वीर वाले पोस्टर लगाएं। मंत्रालय के इस आदेश की आज केरल कांग्रेस समिति (के पी सी सी) ने तीखी आलोचना की।

- कांग्रेस के सूत्रों ने कहा कि वाहन निर्माता कंपनियों के एग्ज़ीक्युटिव्स ने पुष्टि की है कि हैवी इण्डस्ट्री मिनिस्ट्री ने, सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के मार्फत यह आदेश भिजवाया और कहा, पोस्टर में मोदी का फोटो लगाना अनिवार्य है।
- एग्ज़ीक्युटिव ने कहा, पहले कभी ऐसा नहीं हुआ इसलिए हम पोस्टर का डिज़ाइन मंत्रालय को भिजवा रहे हैं।
- सूत्रों के अनुसार, इस कवायद पर ऑटोमोबाइल सैक्टर का 20 से 30 करोड़ रुपया खर्च होगा।

बिजनेस स्टैंडर्ड की एक रिपोर्ट के जवाब में केपीसीसी ने एक्स पर पोस्ट किया, जिसमें बताया गया कि भारी उद्योग मंत्रालय ने ऑटोमोबाइल कंपनियों को ऐसे पोस्टर लगाने के निर्देश दिए हैं।

के पी सी सी ने तंज कसते हुए लिखा, ''मोदी ने कार कंपनियों के लिए यह अनिवार्य कर दिया है कि वे पुरानी और नई कीमतों की सूची के साथ उनकी फोटो लगाएं। हम सभी कंपनियों से अनुरोध करते हैं कि वे मोदीजी की फोटो बाईं ओर लगाएं, जो पहले के उच्च जीएसटी दरों को लागू करने के लिए ज़िम्मेदार थे। जूते और अंडरगारमेंट्स बनाने वाली कंपनियां भी आदेश का इंतजार किए बिना अपने उत्पादों पर मोदी की फोटो लगाने की योजना बना रही हैं।''

भारी उद्योग मंत्रालय ने यह निर्देश भारतीय ऑटोमोबाइल निर्माताओं के संगठन के माध्यम से जारी किया है, जिसमें यह भी कहा गया है कि पोस्टर में प्रधानमंत्री की तस्वीर अवश्य हो।

बिजनेस स्टैंडर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, कई वाहन कंपनियों के अधिकारियों ने पुष्टि की है कि वे अब पोस्टरों को डिजाइन कर रहे हैं और इन्हें मंत्रालय को मंजूरी के लिए भेज रहे हैं।

एक उद्योग एक्जीक्युटिव ने कहा, ''इस तरह की गतिविधि का कोई पूर्व उदाहरण नहीं है, इसलिए हमें यह देखना होगा कि क्या केवल मुख्य पोस्टर, जो अंग्रेज़ी में होगा, की मंजूरी लेनी है या हर क्षेत्रीय भाषा के पोस्टर की भी।''

इस कवायद पर ऑटोमोबाइल सैक्टर को लगभग 20-30 करोड़ रुपये खर्च करने पड़ सकते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, पोस्टरों को सप्ताह के अंत तक सभी डीलरशिप्स पर लगा दिया जाएगा, लेकिन लग्जरी कार कंपनियों को इस निर्देश से छूट दी गई है। मारुति सुजुकी, हुंडई, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स, टोयोटा और किया जैसी कंपनियों ने पहले ही पुष्टि की है कि वे जीएसटी दर में हुई कटौती का पूरा लाभ ग्राहकों को देंगे।

जीएसटी परिषद ने छोटी कारों (4 मीटर से कम, 1200 सीसी पेट्रोल या

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी के लेख पर कांग्रेस का कटाक्ष

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गुरुवार को देश के कई अखबारों में प्रकाशित लेख, जिसमें उन्होंने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के 75वें जन्मदिन पर

- कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि भागवत के 75वें जन्मदिन पर मोदी ने उनका जो प्रशस्ति गान किया है वह संघ नेतृत्व का समर्थन पाने की हताशा भरी कोशिश है।

उनकी प्रशंसा की, को कांग्रेस ने संघ नेतृत्व की कृपा पाने की मोदी द्वारा की गई कोशिश के रूप में देखा है।

कांग्रेस ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि आरएसएस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केदारनाथ, 2500 रुपये में वीआईपी दर्शन का लंबा इंतजार

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 सितम्बर। ''वीआईपी लाइन के लिए 2,500 रुपये दो, या छह घंटे और इंतजार करो।'' केदारनाथ धाम में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर

- भारत के सभी बड़े हिंदू मंदिरों की यही स्थिति है, चाहे वह बैद्यनाथ हो, द्वारका हो या हरिद्वार। एक टैंपल चार्टर की मांग की जा रही है।

निकिता गुप्ता को यह दो टूक विकल्प दिया गया।

अपनी तीर्थ यात्रा के अंत तक, उनकी इस तथाकथित ''आध्यात्मिक यात्रा'' पर लगभग

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रधानमंत्री मोदी ने भागवत को जन्मदिन की बधाई दी

नयी दिल्ली, 11 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉक्टर मोहन भागवत को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी।

- उन्होंने कहा, भागवत ने समता-समरता की भावना को सशक्त करने में पूरा जीवन समर्पित किया।

मोदी ने देश और समाज के प्रति भागवत के सेवा कार्य का उल्लेख करते हुए उनके स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर बधाई संदेश में कहा, ''भागवत ने वसुधैव कुटुंबकम के मंत्र से प्रेरित होकर समता-समरसता और बंधुत्व की भावना को सशक्त करने में अपना पूरा जीवन समर्पित किया है।''

उन्होंने कहा, ''मां भारती की सेवा में सदैव तत्पर मोहन जी के 75वें जन्मदिन के विशेष अवसर पर मैंने उनके प्रेरक व्यक्तित्व को लेकर अपनी भावनाएं रखी हैं। मैं उनके दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं।''

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया में डॉ. भागवत को लेकर एक लेख लिख कर संघ प्रमुख से अपने गहरे संबंधों का उल्लेख किया है।

'टैरिफ का सॉल्यूशन नहीं निकला तो एक साल में 70 फीसदी तक यार्न इंडस्ट्री खत्म हो जायेगी'

वूलन और यार्न फैक्ट्रियां बंद होने की कगार पर, एक से सवा लाख मजदूर और भेड़पालकों के सामने भी संकट खड़ा हुआ

- **कारोबारियों का कहना है कि टैरिफ के कारण प्रदेश में 1200 करोड़ की इंडस्ट्री का आकार घटना शुरू हो गया है**
- **बीकानेर सहित राजस्थान में करीब 350 यूनिट्स में भेड़ के बालों से धागा बनाने का काम होता है, इसी धागे से कालीन तैयार होता है, 50 फीसदी टैरिफ के बाद अमेरिका से कालीन के ऑर्डर लगभग बंद हो गए हैं**

बीकानेर, (निसं)। अमेरिका के 50 फीसदी टैरिफ से बीकानेर सहित राजस्थान की वूलन और यार्न (सूत) इंडस्ट्री कमजोर पड़ गई है। फैक्ट्रियां बंद होने की कगार पर हैं। एक से सवा लाख मजदूर और भेड़पालकों के सामने भी रोजगार का संकट खड़ा हो गया है।

कारोबारियों का कहना है कि टैरिफ के कारण प्रदेश में 1200 करोड़ की इंडस्ट्री का आकार घटना शुरू हो गया है। 150 से 200 करोड़ के ऑर्डर होल्ड पर चले गए हैं। अगर सॉल्यूशन नहीं निकला तो एक साल के भीतर इंडस्ट्री 70 फीसदी तक खत्म हो जाएगी। वूलन इंडस्ट्री एसोसिएशन के अनुसार टैरिफ के बाद राजस्थान में अगर वित्तीय सहायता नहीं मिली तो करीब एक लाख लोग बेरोजगार हो जाएंगे। राजस्थान की वूलन और यार्न इंडस्ट्री की 70 फीसदी खपत अमेरिका में होती है। जिस तरह से भारतीय घरों में टीवी, रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन जरूरी है, उसी तरह अमेरिका में कालीन जरूरी सामान है। वहां लोग इसे फर्श और दीवारों पर लगाते हैं।

राजस्थान वूलन इंडस्ट्री एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष कमल कल्ला ने बताया कि बीकानेर, ब्यावर और भीलवाड़ा सहित प्रदेशभर में सवा लाख लोग है, जो वूलन और यार्न इंडस्ट्री से जुड़े हैं। इनमें सर्वाधिक संख्या मजदूरों की है। भेड़ मालिकों की भी बड़ी तादाद है। अमेरिकी टैरिफ का असर सिर्फ फैक्ट्री मालिक पर नहीं पड़ रहा है। लेबर के लिए रोजी-रोटी का संकट आ जाएगा। अगर ऑर्डर 30 प्रतिशत रहेगा, तो 70 प्रतिशत लेबर भी कम हो जाएगी। बीकानेर में हर रोज 2 से ढाई लाख किलो यार्न बनती है। अब ये आधा हो गया है। इसे भी स्टॉक किया जा रहा है। फिलहाल लेबर एक्सेस है, इसलिए उसे रोक कर काम करवा रहे हैं।

बीकानेर सहित राजस्थान में करीब 350 यूनिट्स में भेड़ के बालों से धागा बनाने का काम होता है। इसी धागे से कालीन तैयार होता है। 50 फीसदी टैरिफ के बाद अमेरिका से कालीन के ऑर्डर लगभग बंद हो गए हैं। इससे उत्तर प्रदेश के भदोही सहित देशभर में कालीन उद्योग संकट में आ गया है। इसी का सीधा असर बीकानेर और ब्यावर में भी दिखाई दे रहा है। भारतीय सामानों पर 27 अगस्त को अमेरिका ने 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया। इसका असर अब उन भारतीय कारोबार पर दिखने लगा है, जिनका माल अमेरिका एक्सपोर्ट होता था। टैरिफ लगने से भारत के प्रोडक्ट महंगे हो गए। लिहाजा अमेरिकी बाजार में उनकी डिमांड कम होना तय है। एक्सपोर्ट रुकने से प्रोडक्शन घटेगा, इससे रोजगार पर संकट आ रहा है।

बीकानेर में धागा बनाने की फैक्ट्री के संचालक संजय राठी का कहना है कि पिछले एक महीने से हम सिर्फ धागा बना रहे हैं। इसका एक्सपोर्ट नहीं कर रहे। पहले बना धागा अगर एक्सपोर्ट नहीं होगा तो हम किसके लिए बनाएंगे। बीकानेर की अधिकांश धागा बनाने वाली फैक्ट्रियां जैसे-तैसे काम तो कर रही हैं, लेकिन आगे माल नहीं जा रहा। ऐसे में कब तक इसका स्टॉक किया जा सकता है। हालात देखते हुए आने वाले दिनों में धागा बनाने का काम बंद करना पड़ सकता है। केंद्र सरकार अगर वित्तीय सहायता नहीं देगी, तो ये उद्योग बंद हो सकता है। वूलन और यार्न फैक्ट्रियों में काम करने वाले मजदूर बिहार व अन्य प्रदेशों से आते हैं। फैक्टरी मालिक ऑर्डर नहीं होते हुए भी काम करवा रहे हैं, ताकि मजदूर यहीं रहें। उन्हें डर है कि अगर ये मजदूर चले गए तो वापस नहीं आएंगे। अगर टैरिफ वार खत्म होने के बाद कालीन उद्योग के अच्छे दिन आ भी गए तो उन्हें मजदूर नहीं मिलेगा। इस डर से फिलहाल स्टॉक तो बढ़ाया जा रहा है, लेकिन एक्सपोर्ट नहीं होने से स्टॉक जस का तस पड़ा है।

वूलन इंडस्ट्री से जुड़े जय सेठिया का कहना है कि कालीन बनाने वाले अधिकांश ऑर्डर होल्ड पर आ गए हैं। ऐसे में कालीन नहीं बन रहे हैं। इसके कारण धागे के ऑर्डर भी होल्ड पर आ गए हैं। बीकानेर की 300 से ज्यादा फैक्ट्रियों में 150 से 200 करोड़ के ऑर्डर होल्ड पर हैं। धीरे-धीरे यूनिट्स बंद हो रही हैं। टैरिफ लगने से पहले दो-तीन महीने के ऑर्डर एडवांस चल रहे थे, लेकिन अब धीरे-धीरे रुक गए हैं। सिर्फ लेबर को बनाए रखने के लिए काम करवा रहे हैं। ये भी कब तक चलेगा।

एसोसिएशन अध्यक्ष कमल कल्ला का कहना है कि व्यापारी और फैक्टरी मालिक एक महीने से लेबर से काम करवा रहे हैं, लेकिन ऑर्डर नहीं है। अब कुछ दिन और बिना काम लेबर को रखा जा सकता है। ये लेबर एक बार चली गई तो वापस नहीं आएगी। फिर ऑर्डर होंगे तो भी काम मुश्किल होगा।

वूलन इंडस्ट्री से जुड़े कारोबारी बृजमोहन चांडक का कहना है कि अमेरिका में घर बड़ा होता है, जिससे कालीन भी बड़ा लगता है। भारत की रेट अमेरिका के हिसाब से किफायती है, लेकिन टैरिफ के बाद कीमतें बढ़ गई हैं, इससे माल का रुकना तय है। इसका सीधा असर फैक्ट्रियों पर पड़ रहा है और हमारी रफ्तार धीमी पड़ कर जल्द ही यार्न इंडस्ट्री खत्म हो जाएगी।

पॉक्सो के दोषी को उम्रकैद की सजा सुनाई

भीलवाड़ा, (निसं)। सात साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म मामले में पॉक्सो कोर्ट ने दोषी को आजीवन उम्रकैद की सजा सुनाई है। जानकारी के अनुसार अक्टूबर 2024 में दोषी सुखपाल जाट सात साल की बच्ची को बहला फुसला कर ले गया था। वहां पहले उसकी अश्लील फोटो लिए फिर उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। बच्ची घर आई तो गुमसुम रहने लगी। मां ने प्यार से पूछा तो बच्ची ने हेवानीयत के बारे में खुलासा कर दिया। पुलिस में मामला दर्ज कराया गया। दोषी सुखपाल जाट को गिरफ्तार कर लिया।

कार्यालय जिला परिषद, कोटा
(महात्मा गांधी नरेगा)
सी.ए.डी. सर्किल, कोटा (राजस्थान), फोन. नं. 0744-2503588, ई-मेल : pd-kot-rj@nic.in

क्रमांक :- एफ/स्टोर/2025-26/117 दिनांक :- 09/09/2025

बोली आमंत्रण सूचना

कार्यालय जिला परिषद कोटा (महात्मा गांधी नरेगा प्रकोष्ठ) में लेखन सामग्री (स्टेशनरी) क्रय करने हेतु निविदा दिनांक 15.09.2025 को दोपहर 03:00 PM तक आमन्त्रित की जाती है। जो इसी दिनांक को सांय 05:00 PM पर खोली जावेगी।

बोली के क्रम में अन्य विवरण लोक उपापन पोर्टल **https://sppp.rajasthan.gov.in** पर देखी जा सकती है। **NIB कोड -ZKT2526A0085**

UBN कोड - ZKT2526GSOE00474

अति० जिला कार्यक्रम समन्वयक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद् कोटा

राज.संवाद/सी/25/9767

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
कॉर्पोरेट आइडेन्टीफिकेशन नम्बर (सीन)-यू40109आरजे2000एसजीसी016483 पंजीकृत कार्यालय : न्यू पॉवर हाउस, जोधपुर-342003, कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता (सी.एस.एस.) फोन न. :0291-2742336 फैक्स न. : 0291-2745259
ईमेल : secssjodhpur@gmail.com, वेबसाईट : http://energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl

No. : Jd.VVNL/SE(CSS)/JU/XEN(RDSS-I)/D. Dated :

ई-निविदा सूचना

टी.एन.टी.डब्लू.-782 (UBN-JVV2526SLOB00502) के माध्यम से विद्युत वितरण क्षेत्र की पुर्नोत्थान संशोधित सुधार- बद्ध परिणाम-आधारित योजना के तहत जोधपुर विद्युत वितरण निगम लि. को परियोजना प्रबंधन में सहायता और समर्थन के लिए एवं परामर्श सेवाएं प्रदान करने के लिए परियोजना प्रबंधन एजेंसी (पीएमए) की नियुक्ति के लिए पात्र बोलीदाताओं से दो भाग (तकनीकी-वाणिज्यिक एवं मूल्य बोली) में ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं। कार्य की अनुमानित लागत 34.88 करोड़ रुपये है।

निविदा संख्या निविदा लागत, बोली सुरक्षा राशि, निविदा खोलने की तिथि आदि के बारे में विवरण वेबसाइट **http://energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl, http://sppp.rajasthan.gov** पर उपलब्ध हैं। बोलीदाताओं से, उनके अपने हित में, वेबसाइट **www.eproc.rajasthan.gov.in** पर ऑनलाइन बोली जमा करने से पहले निविदा दस्तावेजों को बहुत ध्यान से पढ़ने का अनुरोध किया जाता है।

नोट : इच्छुक बोलीदाता कृपया ध्यान दें कि भविष्य में उपरोक्त निविदाओं के लिए संशोधन/शुद्धिपत्र/परिशिष्ट/तिथि विस्तार आदि के संबंध में कोई अन्य सूचना केवल उपरोक्त वेबसाइटों पर उपलब्ध होगी।

राज.संवाद/सी/25/9734 अधीक्षण अभियन्ता (सी.एस.एस.)

बिजली संबंधी शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6045

80 लाख का डोडा-चूरा पकड़ा

भीलवाड़ा, (निसं)। आईपीएस माधव उपाध्याय सीओ सदर के नेतृत्व ने मंगरोप थाना पुलिस ने 80 लाख रूपये का डोडा-चूरा पकड़ा। वहीं एक लग्जरी कार जब्त करने में सफलता हासिल की है। आईपीएस उपाध्याय ने बताया कि भीलवाड़ा-चित्तौड़ राजमार्ग पर कार्रवाई को अंजाम दिया गया है। एक स्कॉर्पियो वाहन को भी किया जब्त किया है। स्कॉर्पियो वाहन से 24 कट्टे में भरा 4 क्विंटल 46 किलो डोडा-चूरा जब्त किया गया। तस्कर वाहन छोड़कर फरार हो गए थे।

डीडवाना कलेक्टर, एसडीएम और तहसीलदार के वाहनों को कुर्क करने का आदेश

- **आठ साल से अदालत की आदेशों की पालना नहीं करने पर कोर्ट ने फैसला सुनाया**
- **वक्फ ट्रिब्यूनल के फैसले की आठ साल से पालना नहीं की जा रही थी, कोर्ट ने इसे न्यायालय की अवमानना माना**

डीडवाना, (निसं)। डीडवाना के अपर जिला न्यायाधीश ने बड़ा फैसला सुनाते हुए डीडवाना जिला कलेक्टर, उपखंड अधिकारी और तहसीलदार के वाहनों को कुर्क करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने वक्फ से जुड़े एक मामले में प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा 8 सालों से बार बार जारी कोर्ट के आदेशों की पालना नहीं करने पर फैसला दिया है। न्यायालय ने प्रशासनिक अधिकारियों को कोर्ट की अवमानना का दोषी मानते हुए तीनों अधिकारियों की गाड़ियों को कुर्क करने के आदेश दिए हैं।

कोर्ट ने अपने फैसले में जिला कलेक्टर, उपखंड अधिकारी और तहसीलदार तीनों को ही लापरवाह अधिकारी बताया है। कोर्ट ने कहा कि न्यायालय में 8 सालों से लंबित प्रकरण में बार-बार आदेश जारी होने के पश्चात भी प्रशासनिक अधिकारी केवल खानापूर्ति कर अगली तारीख प्राप्त कर मामले को टरकाने का प्रयास कर रहे हैं और अपने कर्तव्य से विमुख हो रहे हैं। यह अधिकारी जान बुझकर इजराय की पालना नहीं कर रहे हैं। ऐसे में प्रशासन के इन लापरवाह अधिकारियों को न्यायालय के आदेश न मानने की खुली छूट नहीं दी जा सकती।

अपर सेशन न्यायाधीश ने वक्फ कमेटी डीडवाना बनाम राज्य सरकार के मामले में दायर इजराय याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया है। कोर्ट ने अपने आदेश में लिखा है कि राजस्थान वक्फ न्यायाधिकरण जयपुर ने सिविल वाद संख्या 43/2003 में 21 दिसंबर 2015 को फैसला सुनाते हुए यह आदेश दिया था कि गजट नोटिफिकेशन में डीडवाना में वर्णित भूमि कब्रिस्तान की वक्फ जायदाद है तथा गजट नोटिफिकेशन के अनुसार जिला कलेक्टर, उपखंड अधिकारी व तहसीलदार इस कब्रिस्तान की भूमि को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करें तथा कब्रिस्तान की भूमि में किसी प्रकार की तब्दील करने व उसको किसी को अंतरण करने के लिए वह शाश्वत कल तक विरत रहेंगे।

उक्त निर्णय की पालना के लिए अपर जिला न्यायाधीश की अदालत में वर्ष 2016 में इजराय याचिका दायर की गई थी। इस याचिका के बाद न्यायालय ने राजस्थान वक्फ न्यायाधिकरण के निर्णय की पालना के लिए उपखंड अधिकारी, जिला कलेक्टर व तहसीलदार को बार-बार पत्र लिखे, वहीं 4 जून 2025 को जिला कलक्टर डीडवाना- कुचामन को उक्त आदेश की क्रियान्विति के लिए तहरीर भी जारी की थी, वहीं 7 जुलाई 2025 को उक्त आदेश की पालना हेतु हुकमनामा भी जारी किया गया था। इसके बावजूद डीडवाना-कुचामन प्रशासन की ओर से इजराय की पालना में कोई कार्य नहीं किया गया, जबकि इस न्यायालय के आदेश समीचीन है। कोर्ट ने माना कि ऐसा प्रतीत होता है कि इस प्रकरण में पारित निर्णय की प्रशासनिक अधिकारी क्रियान्वित करना ही नहीं चाहते, जबकि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इजराय प्रकरणों को 6 माह में निस्तारित करने का आदेश है। साथ ही हस्तगत प्रकरणों में सर्वोच्च न्यायालय के लक्षित प्रकरणों के संबंध में राष्ट्रीय कार्य योजना (चतुर्थ) में भी यह प्रकरण अपना स्थान रखता है।

यह प्रकरण भी 8 सालों से लंबित है और बार-बार आदेश जारी होने के पश्चात भी प्रशासन कोई कार्रवाई नहीं कर रहा। इस पर कोर्ट ने इस मामले में जारी हुकुम नामों की पालना न करने को अवमानना की श्रेणी में मानते हुए कहा कि प्रशासन के लापरवाह अधिकारियों को न्यायालय के आदेश न मानने की खुली छूट नहीं दी जा सकती, लिहाजा न्यायालय ने इजरायल की पुष्टि के लिए धारा 51 सीपीसी सपठित आदेश 21 नियम 32 के तहत डिक्री की पालना के लिए जिला कलेक्टर डीडवाना-कुचामन, उपखंड अधिकारी डीडवाना और तहसीलदार डीडवाना के वाहनों को कुर्क करने का आदेश दिया।

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, नगर खण्ड उदयपुर

क्रमांक-1292 दिनांक-28.08.2025

NIT NO. 10/2025-26
Notice Inviting Bid No. PWD2526A3003

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से नगर खण्ड उदयपुर के अधीन उपखण्ड प्रथम, द्वितीय, चतुर्थ एवं पंचम के अन्तर्गत भवन निर्माण/भवन सुदृढीकरण एवं नवीनीकरण कार्य के लिये उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग, राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूरसंचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त पात्र श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष से पांच वर्ष की गारण्टी अवधि सहित निम्न कार्यो की निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

कार्य का नाम	भवन कार्य-कुल सात (07) कार्य
निविदा की कुल लागत	राशि रू. 344.54 लाख
ऑनलाईन निविदा आवेदन डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख	04.09.2025 प्रात 9.30 बजे से 14.09.2025 सायं 6.00 बजे तक
ऑन लाईन निविदा खोलने की तारीख	15.09.2025 सायं 4.00 बजे से

निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाईट "http://dipr.rajasthan.gov.in", "http://eproc.rajasthan.gov.in" तथा "sppp.rajasthan.gov.in" पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया "http://eproc.rajasthan.gov.in" पर ऑनलाइन सम्पादित की जावेगी।

UBN NO. 1. PWD2526WSOB11275, 2. PWD2526WSOB11276, 3. PWD2526WSOB11277, 4. PWD2526WSOB11278, 5. PWD2526WSOB11283, 6. PWD2526WSOB11285, 7. PWD2526WSOB11286

(आर.के.मुंदडा)
अधिशाषी अभियंता
सार्वजनिक निर्माण विभाग
नगर खण्ड उदयपुर

DIPR/C/12897/2025

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
PWD DIVISION DHOLPUR

File No. 1742-1747 **Notice Inviting Bid** Date: 01.09.2025

NIB CODE PWD2526A3041 and UBN is: PWD2526WSOB11420
NIB CODE PWD2526A3041 and UBN is: PWD2526WSOB11423

Bids For NIT No. 07/2025-26 Mise. Work of PWD Division Dholpur of subject matter(s) of Procurement are Invited from interested bidders date 07.09.2025 11.00 AM to Date 14.09.2025 upto 6.00 Noon. Other particulars of the id may be visited on the procurement portel (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppps.raj.nic.in) of the state; and PWD departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 50.05 Lacs.

(Naresh chand Meena)
Executive Engineer
PWD Division Dholpur

DIPR/C/13149/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सानिवि नगर खण्ड बीकानेर

क्रमांक-1560 दिनांक-03.09.2025

Short Term Notice Inviting Bid: 17/2025-26

Bid for "Construction of RUB at 231/9-10 Lalgarh Bikaner (Risk and Cost)" are invited from interested bidders from 03.09.2025 (09.30 AM) to 13.09.2025 (06.00 PM) & Open date 15.09.2025 (11.00 AM), other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://www.pwd.rajasthan.gov.in & eproc.rajasthan.gov.in & http://sppp.rajasthan.gov.in of the state and departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 155.92 Lakh.

UBN NO. PWD2526WSOB11519

Executive Engineer
PWD City Division, Bikaner

DIPR/C/13126/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग विद्युत खण्ड उदयपुर

क्रमांक-टीएस/डी-10 दिनांक-29.08.2025

निविदा सूचना संख्या-10/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से विद्युत कार्य (4) अनुमानित राशि 205.75 लाख में दोष निवारण एवं उनके सुधार (मय डीएलपी अवधि) शर्त सहित सार्वजनिक निर्माण विभाग में उपर्युक्त श्रेणी एवं उप श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया में ऑनलाईन निर्धारित प्रपत्र में निविदा दिनांक 16.09.2025 को सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाइट http://dipr.rajasthan.gov.in/tender.asp व www.eproc.rajasthan.gov.in तथा http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। शुद्धि पत्र केवल http://sppp.raj.nic.in व www.eproc.rajasthan.gov.in वेबसाईट पर अपलोड किये जायेंगे।

NIB CODE: PWD2526A3023, UBN NO. PWD2526WSOB11368, 70, 73, 76

अधिशाषी अभियंता
सा.नि.वि. विद्युत खण्ड उदयपुर

DIPR/C/12949/2025

कार्यालय अधीक्षण अभियंता जल संसाधन वृत्त जयपुर

क्रमांक-1933 दिनांक-29.08.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 04/2025-26

UBN NO. WRD2526WSOB00920, NIB CODE NO. WRD2526A0378

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से कार्य Rehabilitation of New Tank Maheshwa Irrigation Project District: Karauli जिसकी अनुमानित लागत 166.01 लाख हे। वित्त विभाग के नवीन नियमों के तहत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई-निविदा के माध्यम से ई-प्रोक्यूमेंट प्रक्रिया हेतु आनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा दिनांक 29.08.2025 से दिनांक 15.09.2025 को 6.00 बजे तक डाउनलोड एवं अपलोड की जा सकती है। निविदा की तकनिकी बिड दिनांक 16.09.2025 को दोपहर 3.00 बजे खोली जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण संबंधित वेबसाईट www.waterresources.rajasthan.gov.in, http://www.eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in से देख जा सकती है।

अधीक्षण अभियंता
जल संसाधन वृत्त जयपुर

DIPR/C/12943/2025

सरपंच पर हमला करने वालों की गिरफ्तारी की मांग

भीलवाड़ा, (निसं)। सांगवा सरपंच उदयराम गाडरी और उनके परिजनों पर हुए हमले के विरोध में ग्रामीण गुरुवार को कलेक्ट्रेट स्थित पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ कठोर सजा दिलाने की मांग की है। सरपंच उदयराम गाडरी से जबरदस्ती पट्टा बनवाने के मामले में उन पर हुए जानलेवा हमला कर दिया। यहां तक कि जिस तरह से उन पर गैंग बनाकर हमला किया गया उससे लगता है कि आरोपियों को कानून व्यवस्था का किसी तरह खौफ नहीं है। अगर ग्रामीण बीच में नहीं आते तो हमलावर सरपंच उदयराम गाडरी की हत्या तक कर सकते थे। सरपंच गाडरी के परिवार की महिलाओं के साथ भी बदसलूकी की गई है।

एएनएम भंवरी देवी हत्याकांड मामला : बेटे और बेटियों को पेंशन नहीं दी

- **भंवरी देवी के बेटे साहिल पेमावत ने 3 सितंबर को हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दायर की थी**

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के एएनएम भंवरी देवी हत्याकांड मामले में हाईकोर्ट आदेश के पौने दो साल बाद भी उसके बेटे और बेटियों को पेंशन नहीं दी गई है। इस पर भंवरी देवी के बेटे साहिल पेमावत ने 3 सितंबर को हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दायर की थी। उनके वकील का कहना है कि वर्तमान जोधपुर सीएमएचओ ऑफिस भंवरी देवी को मृत मानने को तैयार नहीं है। याचिका पर 9 सितंबर को जस्टिस रेखा बोराणा की कोर्ट ने सुनवाई करते हुए जोधपुर सीएमएचओ सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। कोर्ट ने 7 दिन के अंदर आवश्यक कागजात दाखिल करने के निर्देश दिए है। इसके बाद सुनवाई की अगली तारीख तय की जाएगी।

सरकार ने भंवरी देवी के बेटे साहिल को अनुकंपा पर नौकरी दी थी, लेकिन मृत्यु प्रमाण पत्र न होने के कारण पेंशन चालू नहीं की गई थी। याचिकाकर्ता भंवरी देवी के बेटे साहिल पेमावत की ओर से वकील यशपाल खिलेरी ने याचिका लगाई थी। शिकायत अनुसार जोधपुर सीएमएचओ ऑफिस ने भंवरी देवी का मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं होने का बहाना बनाकर मामले को अटका रखा है। तत्कालीन जोधपुर सीएमएचओ ने ही 16 जनवरी 2012 को आदेश जारी कर भंवरी देवी को मृत मानकर उसे सेवा से पृथक करने का आदेश जारी किया था। इसके अलावा चिकित्सा विभाग ने 28 फरवरी 2012 को अनुकंपा नियुक्ति आदेश जारी कर भंवरी देवी के बेटे साहिल को अनुकंपा नियुक्ति भी दी थी।

एडवोकेट खिलेरी के अनुसार वर्तमान जोधपुर सीएमएचओ ऑफिस भंवरी देवी को मृत मानने को तैयार नहीं है और न ही अधीनस्थ कोर्ट से भंवरी देवी की मूल सेवा पुस्तिका लेने के लिए कोई कार्रवाई की है। याचिकाकर्ताओं के अनुसार एक तरफ भंवरी देवी की हत्या का केस ट्रायल कोर्ट में साल 2011 से चल रहा है। दूसरी तरफ मृत्यु नहीं मानकर पेंशन और सेवानिवृत्ति परिलाभ नहीं देना चिकित्सा विभाग की गंभीर असंवेदनशीलता है।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड-बस्सी (जयपुर)

क्रमांक-952 **ई-निविदा सूचना संख्या 06/2025-26** दिनांक-03.09.2025

निविदा के कार्य का नाम	-	1. Rate Contract for Flood Restoration Work on Various Roads in Sub Dn-Bassi-I under PWD Dn-Bassi (Package No. RJ-16-01/SDRF Bassi/2025-26) 2. Rate Contract for Flood Restoration Work on Various Roads in Sub Dn-Bassi-II under PWD Dn-Bassi (Package No. RJ-16-02/SDRF Bassi/2025-26) 3. Rate Contract for Flood Restoration Work on Various Roads in Sub Dn-Bassi-I under PWD Dn-Bassi (Package No. RJ-16-03/SDRF Bassi/2025-26) 4. Rate Contract for Flood Restoration Work on Various Roads in Sub Dn-Bassi-II under PWD Dn-Bassi (Package No. RJ-16-04/SDRF Bassi/2025-26)
निविदा राशि	-	180.12 लाख रूपये।
धरोहर राशि	-	अनुमानित लागत की दो प्रतिशत (360240.00) एवं 1/2 प्रतिशत (90060.00)
प्रोसेसिंग शुल्क एवं निविदा	-	वित्त विभाग द्वारा जारी परिपत्र प.6(5)/वित्त/साविलेनि/2018 दिनांक
शुल्क जमा कराने की प्रक्रिया	-	27.04.2020 के अनुसार ई ग्रास पर आन लाईन के माध्यम से चालान द्वारा (परिपत्र संलग्न) 1. प्रोसेसिंग शुल्क-8658-00-102-16-02 निर्माण विभाग 2. निविदा शुल्क- 0075-00-800-52-01 3. धरोहर राशि- 8443-00-108-00-00 ऑफिस आई.डी. 4533
निविदा आवेदन/डाउनलोड करने की तारीख	-	गुरूवार, 04 सितम्बर, 2025 प्रात 9.30 बजे से सोमवार 15 सितम्बर 2025 दोपहर 12.00 बजे तक
निविदा शुल्क जमा कराने की तारीख	-	गुरूवार, 04 सितम्बर, 2025 प्रात 9.30 बजे से सोमवार 15 सितम्बर 2025 दोपहर 12.00 बजे तक
निविदा जमा कराने की तारीख	-	गुरूवार, 04 सितम्बर, 2025 प्रात 9.30 बजे से सोमवार 15 सितम्बर 2025 दोपहर 12.00 बजे तक
निविदा खोलने की तारीख	-	सोमवार 15 सितम्बर, 2025 को सायं 04.00 बजे।

UBN NO. PWD2526WSOB11616, PWD2526WSOB11617, PWD2526WSOB11618, PWD2526WSOB11619

(दिनेश कुमार मीणा)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड-बस्सी (जयपुर)

DIPR/C/13299/2025

कार्यालय नगर परिषद्, झुन्झुनू (राज.)

क्रमांक :-एफ(5)( )विकास/2025-26/10247 दिनांक :- 04.09.2025

ई-निविदा संख्या 10/2025-26
(NIB Code- DLB2526A5467)
कुल राशि - 25.49 लाख

निविदा की कुल लागत (लाखो में)	2549000/-
कुल धरोहर राशि 2 प्रतिशत (रूपये में)	50980/-
कुल धरोहर राशि 1/2 प्रतिशत (रूपये में)	12745/-
निविदा डाउनलोड करने की तिथि	05.09.2025 को प्रातः 11.00 बजे से 15.09.2025 प्रातः 11.00 बजे तक
निविदा अपलोड करने की तिथि	05.08.2025 को प्रातः 11.00 बजे से 15.09.2025 प्रातः 11.00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि	15.09.2025 दोपहर 2.00 बजे

निविदा सूचना इंटरनेट साईट **http://www.eproc.rajasthan.gov.in** एवं **http://sppp.raj.nic.in** वेबसाईट पर भी देखी जा सकती है।

आयुक्त
नगर परिषद झुन्झुनू

राज.संवाद/सी/25/9687

कुत्ते ने एक किमी की दूरी में तीन साल के बच्चे सहित चार जनों को काटा

कुत्ते (श्वान) ने बच्चे के होंठ को बुरी तरह नोच डाला, जिससे बच्चे की हालत गंभीर बनी हुई है

- **घायल हुए सभी लोगों को पहाड़ा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने एंटी रेबीज इंजेक्शन लगाए**

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर जिले के नयागांव उपखंड क्षेत्र के पहाड़ा और करावाडा ग्राम पंचायत में कुत्ते (श्वान) ने एक किलोमीटर के दायरे में चार लोगों पर हमला कर उन्हें काट लिया, जिनमें एक 3 साल का बच्चा भी शामिल है। बच्चे के होंठ को कुत्ते ने बुरी तरह नोच डाला जिससे उसकी हालत गंभीर है। 11 वीं कक्षा के एक छात्र पर भी कुत्ते ने हमला कर दिया। कुत्ते ने छात्र के हाथ और पैर पर काट लिया। कुत्ते के हमले में घायल हुए सभी लोगों को पहाड़ा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया,जहां डॉक्टरों ने उनका इलाज किया और उन्हें एंटी रेबीज इंजेक्शन लगाए गए। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द आवारा कुत्ते को पकड़ने की मांग की है।

पहाड़ा पीएचसी के चिकित्साधिकारी रवि कुमार ने बताया कि दोपहर में कुत्ते ने सबसे पहले रितिका (18) को काटा, जिसके शोर मचाने पर आसपास के लोगों ने उसे बचाया। इसके बाद कुत्ते ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के मुख्य गेट के पास कक्षा 11वीं के छात्र आनंद डामोर पर हमला कर दिया, जिसे अध्यापकों और विद्यार्थियों ने मिलकर बचाया। दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए पहाड़ा अस्पताल ले जाया गया। पहाड़ा से करीब एक किलोमीटर दूर करावाड़ा पंचायत में भी कुत्ते ने दो लोगों को काटा। करावाड़ा माताजी मंदिर के पास कुत्ते ने देवी (85) को काट लिया जबकि कुछ ही देर बाद उसी गांव में कुत्ते ने बृज (3) के पैर में काट लिया, उसके होंठ को भी नुकसान पहुंचाया। इन दोनों का भी उपचार पहाड़ा में ही किया गया।

पहाड़ा पीएचसी के चिकित्सा अधिकारी रवि कुमार ने बताया कि पीएचसी पर कुत्ते के काटने से घायल हुए सभी चार लोगों का उपचार किया गया और उन्हें एंटी रेबीज इंजेक्शन लगाए गए। घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है और ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द आवारा कुत्ते को पकड़ने की मांग की है।

कक्षा 11 वीं के छात्र आनंद डामोर ने बताया कि जब वह पहाड़ा स्कूल पहुंचा तो गेट पर एक कुत्ते ने उस पर हमला कर दिया और उसे काट लिया। आनंद ने शोर मचाया जिसके बाद स्कूल का स्टाफ और अन्य छात्र उसकी मदद के लिए आए और उसे कुत्ते से बचाया। आनंद ने बताया कि उसने तुरंत अपने चाचा को फोन करके घटना की जानकारी दी जिसके बाद उसे पहले पहाड़ा स्कूल में उपचार कराया गया और फिर बेहतर इलाज के लिए गुजरात ले जाया गया।

पहाड़ा सरपंच बिंदू गरासिया ने बताया कि कुत्ते ने स्कूली बच्चों पर हमला किया और इसके बाद उसने करावाड़ा में भी लोगों को काटा। सरपंच ने बताया कि उनकी पंचायत में कुत्ता पकड़ने के लिए कोई संसाधन उपलब्ध नहीं है। उन्होंने बताया कि इस समस्या के बारे में 181 राजस्थान सम्पर्क पर शिकायत दर्ज कराई गई है।

राजस्थान सरकार
कार्यालय राजस्थान राज्य अन्य पिछडा वर्ग (राजनैतिक प्रतिनिधित्व) आयोग, जयपुर
सार्वजनिक विज्ञप्ति

माननीय उच्चतम न्यायालय में योजित रिट पिटीशिन (सिविल) संख्या 278/2022 सुरेश महाजन बनाम मध्य प्रदेश राज्य एवं अन्य में पारित आदेश दिनांक 10.05.2022 की अनुपालना में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग जयपुर के आदेश क्रमांक एफ11()/रा.रा.पि.वर्ग (राजनैतिक)/बीसी/सान्याअवि/2025/33822 राजकाज रेफरेंस नं. 13616326 दिनांक 09.05.2025 द्वारा राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग की पिछड़ेपन की प्रकृति एवं उसके निहितार्थो की अनुभवजन्य तरीके से गहन जाच/अध्ययन के आधार पर पंचायती राज संस्थाओं एवं नगरीय निकाय संस्थाओं के निर्वाचनों में अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण के संबंधि में अनुशंषाएं प्रस्तुत किये जाने हेतु श्री मदन लाल भाटी सेवानिवृत न्यायाधीश की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय आयोग का गठन किया गया है। गठनोपरांत आयोग द्वारा इंदिरा गांधी पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास संस्थान द्वितीय तल, जेएल एन मार्ग जयपुर में स्थित कार्यालय में अपना कार्य शुरू कर दिया गया है।

राज्य के जन साधारण/अन्य पिछड़ा वर्ग के कल्याण हेतु कार्यरत संस्थाओं/हितबद्ध व्यक्तियों से आयोग की अपील है कि राज्य के अन्य पिछड़ा वर्ग के पिछड़ेपन के अध्ययन के संबंध में अपना प्रत्यावेदन/सुझाव आयोग की E-MAIL ID obccommission25gmail.com पर अथवा जरिये डाक या किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में प्रस्तुत कर सकते है।

(अशोक कुमार जैन)
सचिव (सलाहकार)
राजस्थान राज्य अन्य पिछडा वर्ग
(राजनैतिक प्रतिनिधित्व) आयोग जयपुर (राजस्थान)

DIPR/C/13223/2025

क्षेत्रीय कार्यालय
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
प्लॉट संख्या 14-15, मीणा कॉलोनी, जेल के पीछे, सवाई माधोपुर (राज.) 322001

क्रमांक :- रा.प्र.नि.मं./क्षे.का./स.मा./स.मा.-64/ दिनांक :-

आम सूचना

एकल उपयोग प्लास्टिक निर्माण इकाइयों की जानकारी देने पर 15000/- का पुरस्कार

राज्य सरकार द्वारा सम्पूर्ण राज्य में प्लास्टिक कैरी बैंग के उत्पादन, भण्डारण, वितरण, परिवहन एवं आयात पर प्रतिबन्ध लगाया हुआ है। साथ ही केन्द्र सरकार द्वारा चिन्हित सिंगल यूज प्लास्टिक यथा प्लास्टिक स्टिक वाले इयर बड्स, गुब्बारे वाली प्लास्टिक स्टिक, प्लास्टिक झंडे कैंडी एवं आइस क्रीम की प्लास्टिक स्टिक, सजावट हेतु थर्मोकोल (polystyrenc), प्लास्टिक प्लेट्स, प्लास्टिक कप, प्लास्टिक ग्लासेज, प्लास्टिक कटलरी जैसे कि चम्मच, कांटे, चाकू, स्ट्रॉ, मिठाई बॉक्स हेतु रैपिंग और पैकिंग फिल्म तथा 120 माइक्रोन से कम मोटाई के प्लास्टिक कैरी बैग एवं 100 माइक्रोन से कम पीवीसी बैनर्स पर भारत सरकार द्वारा जारी अधिसूचना दिनांक 12.08.2021 की पालना में 01 जुलाई 2022 से पूर्णतः प्रतिबन्ध लगाया गया है।

राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल (RSPCB) ने एकल उपयोग प्लास्टिक (Single Use Plastic) के उत्पादन को रोकने के उद्देश्य से एक नई पुरस्कार योजना की घोषणा 13.08.2025 को की है। इस योजना के तहत, सवाई माधोपुर एवं करौली जिलों में एकल उपयोग प्लास्टिक/प्रतिबन्धित प्लास्टिक वस्तुओं के निर्माण इकाइयों की जानकारी देने वाले व्यक्तियों को 15000/- का नगद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

इस योजना के अन्तर्गत, यदि किसी व्यक्ति को सवाई माधोपुर एवं करौली जिलो में एकल उपयोग प्लास्टिक/प्रतिबंधित प्लास्टिक एकल उपयोग प्लास्टिक के बारे में जानकारी मिलती है, तो वह इस कार्यालय को सूचित कर सकता है। सूचना देने वाले की पहचान को गोपनीय रखा जाएगा और जांच के बार सही जानकारी पाए जाने पर उस व्यक्ति को 15000/- का नगद पुरस्कार दिया जाएगा। सूचना देने वालों को पुरस्कार पहले आओ पहले पाओ की तर्ज पर दिया जाएगा। एक इकाई के विरूद्ध सिर्फ एक बार ही पुरस्कार प्रदान किया जायेगा।

सूचना देने के लिए निम्नलिखित सम्पर्क विवरणों को उपयोग किया जा सकता है:-

1. फोन नम्बर : 9461239662,
2. ईमेल : **rorpcb.swm@gmail.com**
3. पता : राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, प्लॉट नम्बर 14-15, मीणा कॉलौनी, जेल के पीछे सवाई माधोपुर (राज.) 322001

सभी नागरिकों से अपील करते है कि वे इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और पर्यावरण को सुरक्षित बनाने में अपना योगदान दें। इस पुरस्कार योजना के माध्यम से हम एकल उपयोग प्लास्टिक/प्रतिबन्धित प्लास्टिक वस्तुओं के उत्पादन पर कड़ी नजर रखेंगें और इसे समाप्त करते के लिए कठोर कदम उठाएंगे।

हम आषा करते है कि इस योजना से हमें एकल उपयोग प्लास्टिक/प्रतिबंधित प्लास्टिक वस्तुओं की एकल उपयोग प्लास्टिक निर्माण इकाइयों की जानकारी मिल सकेंगी और हम पर्यावरण संरक्षण में एक कदम और आगे बढ़ सकेंगे।

नोटः- उक्त पारितोषिक योजना मण्डल मुख्यालय आदेश F16(Gen-475)RPCB/Plastic/181-210 दिनांक 24.06.2023 एवं F16(Gen-475)RPCB/Plastic/72-78 दिनांक 13.08.2025 में निहित शर्तों के अधीन रहेगी।

धन्यवाद
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, सवाई माधोपुर।

राज.संवाद/सी/25/9748

शहर के वकील आज नहीं करेंगे न्यायिक कामकाज

जयपुर (कासं)। सोशल मीडिया पर केन्द्रीय विधि मंत्री का एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें वे सीजेआई बीआर गवई की प्रस्तावित बीकानेर यात्रा की जानकारी दे रहे हैं। शहर का वकील समुदाय वायरल वीडियो में केन्द्रीय मंत्री की ओर से कही बात को बीकानेर में बेंच स्थापना की कवायद से जोड रहा है। वहीं इसी आधार पर शहर के वकीलों ने शुक्रवार को न्यायिक कामकाज से दूर रहने का निर्णय लिया है।

50 करोड़ की एम.डी. ड्रग फैक्ट्री का भंडाफोड़, 25 हजार का इनामी तस्कर गिरफ्तार

-कार्यालय संवाददाता-

■ फैक्ट्री से भारी मात्रा में एमडी पाउडर, केमिकल बरामद

जयपुर । एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की टीम ने प्रतापगढ़ जिले की थाना पीपलखूंट और डीएसटी के सहयोग से एम.डी. ड्रग बनाने की अवैध फैक्ट्री का खुलासा किया है। मौके से 25 हजार रुपये इनामी मोस्ट वांटेड आरोपी जमशेद उर्फ जम्मु लाला निवासी देवल्दी को गिरफ्तार कर फैक्ट्री से भारी मात्रा में एमडी पाउडर, केमिकल पदार्थ, एमडी ड्रग बनाने में प्रयुक्त उपकरण बरामद किये है। जब्त मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 50 करोड रुपए आंकी गई है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अपराध दिनेश एमएन ने बताया कि टीम को आरोपी के बारे में इनपुट मिले थे। इस सूचना पर इन्होंने कई दिनों तक रैकी कर पुष्टि की। जिसमे टाण्डा बड़ा, सरहद बोरी मोजल के ईश्वर मीणा के झोंपड़े में इनामी तस्कर जमशेद उर्फ जम्मू लाला द्वारा एमडी ड्रग बनाने की जानकारी मिली। जिसके बाद जिसके बाद स्थानीय थाना पीपलखूंट और डीएसटी को सूचना देकर छापा मारा गया।

अवैध फैक्ट्री से पुलिस ने आरोपी जमशेद उर्फ जम्मु लाला को गिरफ्तार कर करीब 50 करोड़ रुपये कीमत की 17.4 किलोग्राम एमडी पाउडर, 70 किलो ग्राम से अधिक केमिकल पदार्थ, एमडी ड्रग बनाने में प्रयुक्त उपकरण बरामद कर एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया।

यह मामला 16 दिसंबर 2024 का है, जब एजीटीएफ और थाना अरनोद पुलिस ने देवल्दी गाँव में छापा मारा था। छापेमारी के दौरान पुलिस ने 40 करोड़ रुपये कीमत के 11.450 किलोग्राम लिक्विड एमडीएमए, 14.770 किलोग्राम अन्य लिक्विड केमिकल, 4.900 किलोग्राम केमिकल और 2.500 किलोग्राम सफेद पाउडर सहित एमडी बनाने में इस्तेमाल होने वाले कई उपकरण जब्त किए थे। इस मामले में आरोपी याकुब पुत्र फकीरगुल, जमशेद उर्फ जम्मू लाला और साहिल पुत्र सलीम निवासी देवल्दी थाना अरनोद प्रतापगढ़ फरार हो गए थे। जिनकी गिरफ्तारी के लिए एसपी प्रतापगढ़ द्वारा 25-25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया।

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि मुख्य आरोपी याकूब खां मादक पदार्थों की तस्करी से अवैध संपत्ति अर्जित कर रहा था। वित्तीय जांच में यह सामने आया कि उसने वर्ष 2024 में अपनी पत्नी बखमीना बी के नाम पर मध्य प्रदेश के जावरा स्थित हुसैन टेकरी क्षेत्र में एक होटल/लॉज खरीदा था। जिसकी बाजार कीमत लगभग 1 करोड़ रुपये है। इसके बाद प्रतापगढ़ पुलिस ने सक्षम प्राधिकारी भारत सरकार के निर्देश पर एनडीपीएस अधिनियम की धारा 68एफ(1) के तहत उक्त सम्पत्ति को 28 अगस्त को फ्रीज कर दिया। इस संयुक्त कार्रवाई में एजीटीएफ के हेड कांस्टेबल महावीर सिंह कांस्टेबल नरेंद्र पाटीदार की विशेष भूमिका रही। वहीं प्रतापगढ़ डीएसटी के प्रभारी उप निरीक्षक रविंद्र पाटीदार सहित टीम के सदस्यों उप निरीक्षक पन्नालाल, एएसआई प्रताप सिंह, कांस्टेबल विनोद, नरेंद्र सिंह, पंकज, रमेश चंद, हेमेन्द्र सिंह, संदीप, रमेश चंद व अरविंद सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। एसएचओ पीपलखूंट नरेश पाटीदार और उनकी टीम भी इस कार्रवाई का हिस्सा रही।

पूरा खाता फ्रीज किया

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने साइबर ठगी को लेकर विवादित राशि के बजाए कचौड़ी बेचने वाले का पूरा बैंक खाता फ्रीज करने के मामले में राहत दी है। अदालत ने याचिकाकर्ता का खाता डी-फ्रीज करने के आदेश देते हुए इस बिंदु पर समान प्रकृति के मामलों से जुड़े वकीलों को अक्टूबर माह के पहले सप्ताह में अदालत का सहयोग करने को कहा है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने यह आदेश पदम कुमार जैन की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता जांच एजेंसी की अनुमति के बिना खाता बंद नहीं करेगा।

प्रारूप-10 (नियम 6 (7) देखिए)

प्राधिकृत अधिकारी का कार्यालय नगर परिषद बून्दी (राज.)

क्र.सं. लोक सूचना दिनांक-11.9.25

आवेदक श्री उदालाल पुत्र श्री रामपाल निवासी बूंदी ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषि आधारित औद्योगिक प्रयोजनार्थ के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात:-

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा सं.	क्षेत्र
तहसील बून्दी जिला बून्दी	ग्राम दोलाडा	1077/973, 1120/770, 1078/97 3 कुल किता 3	कुल रकबा 0.9135 है. या 9135 वर्गमीटर कृषि आधारित औद्योगिक प्रयोजनार्थ

इसलिये, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिये भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृत अधिकारों के निर्वाचन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपयुर्क्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधिन आज दिनांक 11.9.25 को जारी की गयी।

प्राधिकारी अधिकारी का नाम और मुहर

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक:-एफ-15/कृ.भू.रू./2025/1043 विज्ञप्ति दिनांक:-10.09.2025

सर्व साधारण को जर्ये विज्ञप्ति सूचित किया जाता है कि ग्राम सोगरिया में स्थित कृषि भूमि योजना प्रताप टाउनशिप ब्लॉक-ए खसरा नं. 353 में स्थित भूखण्ड संख्या ए-52 आवेदक/आवेदिका श्री पुष्पेन्द्र गोयल पुत्र श्री श्याम सुन्दर गुप्ता निवासी धिंडोरा, तहसील हिण्डौन सिटी जिला करौली राज. द्वारा ऑनलाईन नाम हस्तान्तरण हेतु प्राधिकरण कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त भूखण्ड का पट्टा क्रमांक 69 दिनांक 20.07.2015 को श्री अनुज शर्मा पुत्र श्री गौरी शंकर शर्मा के पक्ष में जारी किया गया था। पट्टाधारी द्वारा उक्त भूखण्ड का बैचान जर्ये रजि. विक्रय पत्र दिनांक 24.08.2023 को जर्ये मुख्तारआम श्री गौरी शंकर शर्मा पुत्र श्री देवदत्त शर्मा द्वारा आवेदक के पक्ष में किया गया है।

अत: श्री पुष्पेन्द्र गोयल पुत्र श्री श्याम सुन्दर गुप्ता के पक्ष में नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर 7 योम कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा लिखित में अद्योहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करें। मियाद गुजर जाने के बाद आपत्ति मान्य नही होगी।

उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 1599 जाहिर आम सूचना दिनांक - 11.9.25

आवास संख्या 3/295 स्वामी विवेकानन्द नगर, कोटा का आवंटन मण्डल द्वारा श्री ई.वी. केलव पुत्र श्री सोलोमन केलव को किया गया। इस आवास का नियमितिकरण श्री गणेश कुमार कुसेजा पुत्र श्री ठारूमल के नाम दिनांक 07.08.2006 को किया गया। इस आवास का पंजीयन श्री गणेश कुमार कुसेजा पुत्र स्व. श्री ठारूमल द्वारा दिनांक 07.04.2007 को अपने पक्ष में करवाया जा चुका है। मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर श्री गणेश कुमार कुसेजा पुत्र स्व. श्री ठारूमल की मृत्यु दिनांक 20.07.2018 को हो चुकी है इनकी मृत्यु उपरांत इनके वारिसानों में श्रीमती सोनिया कुमारी पत्नी स्व. श्री गणेश कुमार द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर आवास संख्या 3/295 स्वामी विवेकानन्द नगर, कोटा को उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन आवेदन पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र एवं मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर करने हेतु आवेदन किया गया।

अत: उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन आवेदन पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र एवं मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर श्रीमती सोनिया कुमारी पत्नी स्व. श्री गणेश कुमार के नाम करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुए कि उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन श्रीमती सोनिया कुमारी पत्नी स्व. श्री गणेश कुमार के नाम किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति, नहीं है। उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन श्रीमती सोनिया कुमारी पत्नी स्व. श्री गणेश कुमार के नाम कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

कार्यालय नगर पालिका रावतभाटा, जिला -चित्तौड़गढ़ (राज.)

क्रमांक/नपारा/भूमि/2025-26/1871 सार्वजनिक आपत्ति सूचना दिनांक:-11.09.25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदनकर्ता श्रीमती मेघा विज पत्नी श्री नवीन कुमार विज निवासी सी-36, श्रीनाथपुरम, कोटा (राज॰) द्वारा इस कार्यालय में ऑनलाईन आवेदन पत्र मय वांछित दस्तावेज प्रस्तुत कर निजी खातेदारी की सम्परिवर्तित पर्यटन ईकाई (रिसोर्ट) प्रयोजनार्थ भूमि राजस्व ग्राम-जावराखुर्द पटवार हल्का बाडौलिया तहसील रावतभाटा जिला चितौड़गढ़ के खसरा संख्या 591/86 रकबा 0.1881 हैक्टेयर व 587/85 रकबा 0.73 हैक्टेयर इस प्रकार कुल 0.9181 हैक्टेयर अर्थात् 9181 वर्गमीटर का नगर पालिका रावतभाटा द्वारा जारी लीज डीड (पट्टा) क्रमांक 2025-26/282 दिनांक 09.07.2025 जारी कर दिनांक 01.08.2025 को पंजीबद्ध किया गया है। उक्त पर्यटन ईकाई रिसोर्ट प्रयोजनार्थ सम्परिवर्तित एवं अनुमोदित ले-आउट/साईट प्लान अनुसार भूमि का क्षेत्रफल 9181 वर्गमीटर पर प्रभावी मॉडल राजस्थान भवन विनियम 2020 के प्रावधानों के तहत पर्यटन ईकाई रिसोर्ट के उपयोगार्थ प्रस्तावित भवन निर्माण के मानचित्र का अनुमोदन एवं निर्माण स्वीकृति चाही गयी है।

अत: उपरोक्त प्राप्त आवेदन से सम्बन्धित प्रस्तावित कार्यवाही को पालिका द्वारा आवेदक के पक्ष में निष्पादित किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति/फर्म/विभाग/संस्था को उक्त कार्यवाही पर कोई उजर या आपत्ति हो, तो इस सूचना के प्रकाशन से 07 दिवस के अन्दर इस कार्यालय में मय साक्ष्य/सबूत के प्रस्तुत कर सकते है, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात् प्राप्त कोई भी उजरदारी या आपत्ति मान्य नही होगी। सूचित रहे।

अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका रावतभाटा

कार्यालय नगर पालिका भवानीमण्डी जिला झालावाड़ (राज.)

क्रमांक:-न.पा.भ./भूमि/2025/1697-1698 दिनांक:-11.09.2025

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्न आवेदकों ने नगरपालिका भवानीमण्डी में सीमान्तर्गत पट्टा/पट्टा नवीनीकरण/लीज हस्तांतरण/निर्माण स्वीकृति/अनापत्ति प्रमाण पत्र स्वीकृति हेतु प्रस्तुत की गई है। उक्त संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो अन्दर मियाद 7 योम कार्यालय नगरपालिका में उपस्थित होकर दो प्रतियों में प्रस्तुत करें। बाद गुजरने मियाद कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।

क्र.सं.	नाम/पिता, पति का नाम	स्थान	विवरण
1	श्रीमती दीपिका विश्वकर्मा पत्नी श्री कुशाल विश्वकर्मा	बजरंग नगर-2 प्लाट नं. 99 गंगपुरा भवानीमण्डी	निर्माण स्वीकृति
2	सुश्री कंचन पुत्री श्री नाथूलाल	बजरंग नगर-2 प्लाट नं. 98 गंगपुरा भवानीमण्डी	निर्माण स्वीकृति
3	श्रीमती रुचि जैन पत्नी श्री कुलदीप कुमार	शिवधाम आवासीय कालोनी, प्लाट नं. 28 का उत्तरी भाग एवं 29 का दक्षिणी भाग भवानीमण्डी	निर्माण स्वीकृति
4	श्री राजेश मीणा आ. श्री चम्पालाल मीणा	अनन्त विहार आवासीय कालोनी प्लाट नं. ए-179 रेल्वे क्रासिंग के पास दुधाखेडी जाने वाले रास्ते पर नई विकसित कालोनी भवानीमण्डी	निर्माण स्वीकृति
5	श्रीमती याकुता पत्नी श्री हाशिम अली	प्रेमलता आवासीय कालोनी प्लाट नं. 39 भवानीमण्डी	निर्माण स्वीकृति
6	श्री गिरिराज राठौर आ. श्री लालचन्द राठौर	दीनदयाल उपाध्याय कालोनी में शशान पार्क के सामने प्लाट नं. 03 भवानीमण्डी	निर्माण स्वीकृति
7	श्री सतीश गोयल आ. श्री सुरेश गोयर	सरकारी कुएं के पास, माण्डवी रोड पर, प्लाट नं. 01 भवानीमण्डी	निर्माण स्वीकृति
8	श्रीमती कंचन बाई पत्नी श्री कैलाश चंद मेहर	बजरंग नगर आवासीय कालोनी प्लाट नं. 32 गंगपुरा भवानीमण्डी	निर्माण स्वीकृति
9	श्रीमती रानी बाला जैन पत्नी श्री मनोहर लाल जैन	वार्ड नं. 21 पुरानी पंचायत समिति के सामने विद्युत कार्यालय रोड भवानीमण्डी	निर्माण स्वीकृति
10	श्री प्रेमशंकर आ. श्री पुरुषोत्तम आवाल	वार्ड नं. 01 रेल्वे स्टेशन तिराहा भवानीमण्डी	निर्माण स्वीकृति
11	श्रीमती तारकेश्वर दलवानी पुत्री श्री मायाराम जी सिन्धी	वार्ड नं. 01 रेल्वे स्टेशन तिराहा भवानीमण्डी	निर्माण स्वीकृति
12	श्री आशीष दलवानी आ. श्री मायाराम जी सिन्धी	वार्ड नं. 01 रेल्वे स्टेशन तिराहा भवानीमण्डी	निर्माण स्वीकृति
13	श्रीमती विमला मन्त्री पत्नी श्री गोपाल मन्त्री	वार्ड नं. 01 रेल्वे स्टेशन तिराहा भवानीमण्डी	निर्माण स्वीकृति
14	श्री हेमन्त सोनी आ. श्री राधेश्याम सोनी	राधेश्याम मन्दिर की गली वार्ड नं. 40 भवानीमण्डी	निर्माण स्वीकृति
15	श्री सत्यनारायण सेठिया आ. श्री चौथमल सेठिया	कांग्रेस कार्यालय के पास गली में वार्ड नं. 38 भवानीमण्डी	निर्माण स्वीकृति
16	श्री राजेन्द्र प्रसाद कचोलिया आ. श्री गोपी किशन कचोलिया	मगनभाई मार्केट आवासीय कालोनी प्लाट नं. 39 पुराना गाडी अड्डा भवानीमण्डी	आवासीय कालोनी पट्टा
17	श्री राजेन्द्र प्रसाद कचोलिया आ. श्री गोपी किशन कचोलिया	मगनभाई मार्केट आवासीय कालोनी प्लाट नं. 31 पुराना गाडी अड्डा भवानीमण्डी	आवासीय कालोनी पट्टा
18	श्री लोकेन्द्र सेन आ. श्री सत्यनारायण सेन	प्लाट नं. 89 इन्द्र विहार आवासीय कालोनी भवानीमण्डी	आवासीय कालोनी पट्टा
19	श्री विशाल सेन आ. श्री सत्यनारायण सेन	प्लाट नं. 88 इन्द्र विहार आवासीय कालोनी भवानीमण्डी	आवासीय कालोनी पट्टा
20	श्री भगवान सिंह आ. श्री कान सिंह	रामदेव नगर आवासीय कालोनी प्लाट नं. 10 मुगलाना पचपहाड	आवासीय कालोनी पट्टा
21	श्री राजेन्द्र कुमार नाहर आ. श्री इन्द्रमल नाहर	एदकल आवासीय योजना प्लाट नं. 1 भूमि खसरा नं. 1466/189 भवानीमण्डी	एकल आवासीय
22	श्री आफताब आलम आ. श्री मोहम्मद हारुन	एकल आवासीय प्लाट भूमि खसरा नं. 135/3 का भाग डग-झालावाड सडक बाय पास पर लक्ष्य रेजिडेन्सी कालोनी के पास भवानीमण्डी	एकल आवासीय
23	श्रीमती याकुता पत्नी श्री हाशिम अली	प्रेमलता आवासीय कालोनी प्लाट नं. 39 भवानीमण्डी	लीज हस्तान्तरण
24	श्री सत्यनारायण आ. श्री पुरालाल	प्लाट नं. 18 श्री साई विहार आवासीय कालोनी भवानीमण्डी	लीज हस्तान्तरण
25	श्री घनश्याम आ. श्री लक्ष्मीनारायण एवं श्री कमलेश सोनी आ. श्री लक्ष्मीनारायण	प्लाट नं. बी-126 का दक्षिणी भाग, अनन्त विहार आवासीय कालोनी रेल्वे क्रासिंग के पास दुधाखेडी जाने वाले रास्ते पर नई विकसित कालोनी भवानीमण्डी	लीज हस्तान्तरण
26	श्री दशरथ सिंह आ. श्री कृपाल सिंह	प्लाट नं. 41 का उत्तरी भाग दस खोली कालोनी भवानीमण्डी	लीज हस्तान्तरण
27	श्री राजेश मीणा आ. श्री चम्पालाल मीणा	प्लाट नं. ए-179 अनन्त विहार आवासीय कालोनी भवानीमण्डी	लीज हस्तान्तरण
28	श्री अनमोल सिंह आ. श्री हरविंदर सिंह	प्लाट नं. 23 गरीब नवाज कालोनी भवानीमण्डी	लीज हस्तान्तरण
29	श्रीमती सुन्दर बाई चौहान पत्नी श्री धीरज सिंह चौहान एवं श्रीमती दुर्गा बाई पत्नी श्री नरेन्द्र सिंह	प्लाट नं. 43 गुण रंजना विहार आवासीय कालोनी माण्डवी	लीज हस्तान्तरण
30	श्री घनश्याम आ. श्री लक्ष्मीनारायण एवं श्री कमलेश सोनी आ. श्री लक्ष्मीनारायण	प्लाट नं. बी-126 का दक्षिणी भाग, अनन्त विहार आवासीय कालोनी रेल्वे क्रासिंग के पास दुधाखेडी जाने वाले रास्ते पर नई विकसित कालोनी भवानीमण्डी	प्लाट का उपविभाजन
31	श्री मदनलाल आ. श्री कन्हैयालाल	वार्ड नं. 05 नरसिंहपुरा रोड पचपहाड	अनापत्ति प्रमाण पत्र

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका भवानीमण्डी

'योग के माध्यम से समाज में स्वास्थ्य-संस्कार और समृद्धि का बीजारोपण करें'

■ पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के मुख्य केन्द्रीय प्रभारी स्वामी परमार्थदेव ने किया राजस्थान दौरा

जयपुर (कासं)। पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के मुख्य केन्द्रीय प्रभारी स्वामी परमार्थदेव ने 2 से 10 सितंबर तक पश्चिमी राजस्थान के 6 जिलों में 2500 किलोमीटर की निरंतर सड़क मार्ग यात्रा करते हुए 8 दिवसीय नि:शुल्क इंटिग्रेटेड योग शिविर और 7 जिला स्तरीय कार्यकर्ता बैठकें व अनेकों स्कूलों में संगोष्ठी की। उन्होंने करीब 20 हजार से अधिक योग साधकों व जनमानस को योगऋषि स्वामी रामदेव तथा आचार्य बालकृष्ण के संकल्पों को पूरा करने के लिए मार्गदर्शन किया।

उन्होंने कहा कि भारतीय योग परंपरा विश्व की सबसे अर्वाचीन और प्राचीन योग परम्परा है, यह महर्षि पतंजलि के तप से वरदान स्वरूप हमें प्राप्त हुई है। जिसे विश्वयोग गुरू स्वामी रामदेव और आयुर्वेद आचार्य बालकृष्ण महाराज ने पुनर्स्थापित करने का प्राण प्रण संकल्प लिया है।

उन्होंने कहा कि योग के माध्यम से समाज में स्वास्थ्य-संस्कार और समृद्धि का बीजारोपण करें। प्रतिदिन के योग से जब स्वस्थ शरीर और विचारों से परिपूर्ण मनुष्य होगा, तभी यह देश विकसित भारत बनकर संसार को नेतृत्व प्रदान कर सकेगा। स्वामी परमार्थदेव ने जोधपुर, जैसलमेर, तनोट, चौहटन, बाड़मेर, सांचौर, सुमेरपुर और पाली में विशेष इंटिग्रेटेड योग शिविर में लोगों को संबोधित किया और योगाभ्यास कराया। जैसलेर के तनोट माता मंदिर में बीएसएफ के जवानों के साथ भी योगाभ्यास किया गया।

कार्यक्रम के दौरान भारत स्वाभिमान न्यास के राज्य प्रभारी करनाराम चौधरी, पतंजलि योग समिति के राज्य प्रभारी समदर सिंह, पतंजलि किसान सेवा समिति के राज्य प्रभारी हुकमाराम राव, पतंजलि युवा भारत के राज्य प्रभारी नरेन्द्र परिहार, पतंजलि सोशल मीडिया के राज्य प्रभारी दिलीप कुमार तिवाड़ी तथा मदन मोहन मौजूद थे।

20 किलो से अधिक गांजे सहित एक गिरफ्तार

छबड़ा। पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ कार्यवाही करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 20.309 किलो गांजा जब्त किया। सीआई राजेश खटाना ने बताया कि गश्त के दौरान गुगोर

हनुवतखेडा बाईपास रोड पर पहुंचे तो हनुवतखेडाफाटक रोड की तरफ से सामने से एक व्यक्ति अपने दोनो हाथो मे दो प्लास्टिक के कट्टे लेकर आता हुआ दिखाई दिया जो पुलिस जीप को देखकर एकदम से रोड से नीचे उतरकर पटरियों की तरफ जाने लगा। जिस पर शक होने पर पीछा कर डिटेन कर नाम पता पूछा तो उसने उसका नाम विशालसिंह सांसी (19) पुत्र बलवीरसिंह निवासी लक्ष्मीपुरा हाल गणपति नगर का होना बताया। जिससे भागने का कारण पूछा तो कोई संतोषप्रद जवाब नही दिया। जिसकी तलाशी ली गई तो डिटेनशुदा विशालसिंह के पास मौजूद दोनो प्लास्टिक के कट्टों मे से 20.309 किलो गांजा जब्त किया गया। आरोपी के विरूध्द छबड़ा थाने में एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज कर जांच बापचा थानाधिकारी बुद्धराम जाट को सौंपी है।

पुलिस अधीक्षक को सौपा परिवाद

बूंदी। परिवादी बाबुलाल पुत्र रामकुंवार ने परिवारजनों के साथ जिला पुलिस अधीक्षक बूंदी को अपनी पुत्री मुकेशी बाई की दहेज हत्या के मामले में, हत्या के आरोपी पति रामरेश मीणा, ससुर रामस्वरूप मीणा, देवर धोलुराम, देवरानी, राजेन्द्र आदि के खिलाफ इद्रगढ़ थाना में दर्ज प्रकरण में तुरंत मुलजिमान की गिरफ्तारी करने तथा जांच अधिकारी बदला जाकर उच्चाधिकारीयों से जांच करवाने की मांग की,

परिवादी ने बताया कि दिनांक 05.09.2025 को रात्रि समय करीब 1 से 2 बजे सुचना मिली कि तुम्हारी पुत्री मुकेशी बाई पत्नी रामनरेश मीणा निवासी चमनगंज थाना इद्रगढ़ जिला बूंदी को मृत्यु हो गई इसको सम्हाल लो तभी परिवादी अपने परिवारजनों के साथ पुत्री के ससुराल में जाकर देखा और जानकारी की परिवादी की पुत्री के सिर व शरीर पर ताजा मारपीट के निशान थे जो किसी धारदार हथियार के लग रहें थे तथा सिर व शरीर खुन से लथपथ हो रहा था मृतका के चमनगंज निवासी पति रामनरेश मीणा, ससुर रामस्वरूप मीणा, देवर धोलुराम, देवरानी पत्नी धोलुराम , राजेन्द्र आदि ने एक राय, एक ईरादे से की है उक्त घटना पर इद्रगढ़ थाने में एफआईआर संख्या 155/25 अंतर्गत धारा 85, 108, 115(2), 189 (2) बी.एन.एस. के दर्ज है जिसमें जांच अधिकारी के रवैये से संतुष्ट नहीं है इसलिए जिला पुलिस अधीक्षक से को परिवाद पेश कर उचित न्याय की मांग की है।

नवागंतुक विद्यार्थियों के लिए फ्रेशर पार्टी आयोजित

कोटा, (निसं)। मोदी ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशन द्वारा संचालित मोदी लॉ कॉलेज में नवागंतुक विद्यार्थियों के लिए विशेष फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया। फ्रेशर पार्टी में मुख्य अतिथि के रूप में संस्था के चेयरमैन सुशील मोदी व ग्रुप निदेशक राघव मोदी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन व गणेश वंदना से किया गया।

चेयरमैन सुशील मोदी ने बताया की फ्रेशर पार्टी सभी नए विद्यार्थियों के एक-दूसरे से जुड़ाव का बहुत बेहतरीन माध्यम हैं। राघव मोदी ने ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पूरी मेहनत और समर्पण के साथ आगे बढ़ाने की प्रेरणा दीं। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ.क्षिप्रा गुप्ता ने बताया कि फ्रेशर पार्टी में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया। व्याख्याता डॉ.शिल्पा खंडेलवाल ने नवागंतुक विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वह महाविद्यालय से संबंधित सभी गतिविधियों में निरंतर भाग ले।

सीनियर विद्यार्थियों ने नवागंतुक विद्यार्थियों का परंपरागत तरीके से तिलक लगाकर और कॉलेज का बेज पहनाकर सत्कार किया। सीनियर विद्यार्थियों ने अपनी महाविद्यालय की यादों को उनके साथ साझा किया एवं महाविद्यालय की वर्षपर्यंत की जाने वाली शैक्षणिक गतिविधियो के बारे मे बताया। विद्यार्थियों ने नृत्य व गायन के माध्यम से मनमोहक प्रस्तुति दी तो कुछ विद्यार्थियों ने अभिनय के माध्यम से कॉलेज लाईफ के बारे में बताया। साथ ही प्रेशर पार्टी में सभी ने संगीत, नृत्य व भोजन का आनंद लिया। कार्यक्रम का संचालन आरजे अभिलाष ठाकुर द्वारा किया गया। डॉ.सबरीना अंसारी द्वारा सभी विद्यार्थियों को धन्यवाद प्रेषित किया गया।

एयू स्मॉल फाईनेन्स बैंक लिमिटेड (ए शेड्यूल्ड कमर्शियल बैंक)

रजिस्टर्ड ऑफिस: 19-A, धुलेश्वर गार्डन, अजमेर रोड़, जयपुर-302001 (CIN:L36911RJ1996PLC011381)

सिक्युरिटाईजेशन अधिनियम 2002 की धारा 13 (2) के अन्तर्गत मांग सूचना पत्र

अधोहस्ताक्षरकर्ता एयू स्मॉल फाईनेंस बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी है।''वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम 2002 की''धारा 13(2) के अन्तर्गत प्राधिकृत अधिकारी ने ऋण खातों के गैर निष्पादनीय आस्तियों (एन.पी.ए.) होने पर नीचे दी गई तालिका के अनुसार ऋणीयों/सह-ऋणीयों/ गारण्टर बंधककर्ताओं (जिन्हें आगे ऋणी/ऋणीयों के नाम से सम्बोधित किया जायेगा) को 60 दिनों के नोटिस प्रेषित किये थे, नोटिस के अनुसार यदि ऋणी 60 दिनों के भीतर सम्पूर्ण ऋण राशि जमा नही करवाते है तो प्राधिकृत अधिकारी प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में अधिनियम की धारा 13 उपधारा 4 व 14 के अन्तर्गत कदम उठाने हेतु स्वतंत्र होगा। जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ उसे प्रतिभूत आस्तियों का कब्जा लेने की शक्ति तथा उनका विक्रय करना सम्मिलित है। अत: आप ऋणीयों को यह सूचित किया जाता है कि निम्न सूची में दी गई सम्पूर्ण बकाया ऋण राशि भविष्य के ब्याज तथा खर्चो एवं लागतों इत्यादि के साथ 60 दिवस के भीतर जमा करवा दें। इसके अतिरिक्त आप ऋणीयों को यह सूचित किया जाता है कि उपरोक्त 13(13) में निर्दिष्ट सूचना की प्राप्ति के पश्चात प्रतिभूत लेनदार की पूर्व लिखित सहमति के बिना सूचना में निर्दिष्ट अपनी किन्ही प्रतिभूत आस्तियों को विक्रय द्वारा या पट्टे द्वारा अथवा किसी माध्यम से अन्तरित नहीं करेंगे। ऋणीयों का ध्यान इस ओर आकर्षित किया जाता है कि उक्त अधिनियम की धारा 13(8) सपठित नियम 3 (5) प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के अनुसार ऋणी अपनी बंधक सम्पत्ति को उसके द्वारा उपगत सभी खर्चो प्रभारों और व्ययों के सहित प्रतिभूत लेनदार द्वारा विक्रय या अन्तरण के लिये नीलामी सूचना के प्रकाशन से पूर्व किसी भी समय भुगतान करके मुक्त करवा सकते है।

ऋण खाता संख्या / ऋणी/सहऋणी/ बन्धकर्ता/गारन्टर का नाम	धारा 13(2) के अन्तर्गत नोटिस की दिनांक व राशि	बंधक सम्पत्ति का विवरण
(खाता सं.) L9001060115522303 **राजेन्द्र कुमार जैन (ऋणी)**, श्रीमती रीता जैन (सह-ऋणी)	17 जुलाई 2025 ₹ 956535/- रु. नो लाख छप्पन हजार पांच सौ पैंतीस मात्र दिनांक 11 जुलाई 2025	संपत्ति स्थित- पीरावा, जिला झालावाड़, राजस्थान **क्षेत्रफल 2350 वर्ग फीट**
(खाता सं.) L9001060117024021 **राजेन्द्र कुमार जैन (ऋणी)**, श्रीमती मुन्नी बाई जैन (सह-ऋणी), सुरेश चन्द जैन (सह-ऋणी)	17 जुलाई 2025 ₹ 993349/- रु. नो लाख तिरानबे हजार तीन सौ उनचास मात्र दिनांक 11 जुलाई 2025	संपत्ति स्थित- केएच नं. 204 205, मुन्नी बाई का प्लॉट, पीरावा, जिला - झालवाड़, राजस्थान **क्षेत्रफल 704.4 वर्ग फीट**
(खाता सं.) L9001060114882659 **कुल्दीप शर्मा (ऋणी)**	08 अगस्त 2025 ₹ 437787/- रु. चार लाख सैंतीस हजार सात सौ सत्यासी मात्र दिनांक 07 अगस्त 2025	संपत्ति स्थित- प्लॉट नं. 265-ए, अजय आहुजा नागर, जिला - कोटा, राजस्थान **क्षेत्रफल 57.37 वर्ग मीटर**
(खाता सं.) L9001060823995402 **सुरेश चन्द राजेन्द्र कुमार जैन (ऋणी)**, राजेन्द्र कुमार जैन (सह-ऋणी), सुरेश चन्द जैन (सह-ऋणी)	17 जुलाई 2025 ₹ 1317489/- रु. तेरह लाख सत्रह हजार चार सौ नवासी मात्र दिनांक 11 जुलाई 2025	संपत्ति स्थित- नगर पालिका खाता नं. 446, खसरा नं. 1753, पिडावा, झालावाड़, राजस्थान **क्षेत्रफल 261.11 वर्ग गज**
(खाता सं.) L9001060119527400 **रामसहाय गुर्जर (ऋणी)**, धनराज गुर्जर (सह-ऋणी)	15 जुलाई 2025 ₹ 2400148/- रु. चौबीस लाख एक सौ अड़तालीस मात्र दिनांक 11 जुलाई 2025	संपत्ति स्थित- प्लॉट नं. 54, केएच नं. 149, संग्राम विहार, ग्राम - नयाखेड़ा, तह. - लाडपुरा, जिला - कोटा, राजस्थान **क्षेत्रफल 1125 वर्ग फीट**
(खाता सं.) L9001060120800678 **ओकेश गोचर (ऋणी)**, लातुर लाल गोचर (सह-ऋणी)	15 जुलाई 2025 ₹ 357056/- रु. तीन लाख सतावन हजार छप्पन मात्र दिनांक 11 जुलाई 2025	संपत्ति स्थित- पट्टा नं. 5617, खसरा नं. 289, मिसल नं. 04, गांव - झोटूली, जिला - कोटा, राजस्थान **क्षेत्रफल 1968 वर्ग फीट**
(खाता सं.) L9001060123775861 **गोर्धन सिंह (ऋणी)**, श्रीमती काली बाई (सह-ऋणी)	17 जुलाई 2025 ₹ 266973/- रु. दो लाख छियासठ हजार नो सौ तिहत्तर मात्र दिनांक 11 जुलाई 2025	संपत्ति स्थित- ग्राम पंचायत पट्टा नं. जेडब्ल्यूआर 56515 ग्राम पंचायत डोबरा छान, झालावाड़ डग, राजस्थान **क्षेत्रफल 36.67 वर्ग गज**
(खाता सं.) L9001071027463908 **शेर अली (ऋणी)**, श्रीमती शकीला बी (सह-ऋणी), असलम (सह-ऋणी)	17 जुलाई 2025 ₹ 487863/- रु. चार लाख सत्यासी हजार आठ सौ तरेसठ मात्र दिनांक 16 जुलाई 2025	संपत्ति स्थित- पट्टा नं. 7183, खसरा नं. 166, पंचायत समिति खैराबाद, मोरक स्टेशन, चेचत, जिला - कोटा, राजस्थान **क्षेत्रफल 712.5 वर्ग फीट**
(खाता सं.) L9001060128159281 **श्रीमती दुर्गा बाई (ऋणी)**, सोनू कुमार (सह-ऋणी)	17 जुलाई 2025 ₹ 393333/- रु. तीन लाख तिरानबे हजार तीन सौ तैंतीस मात्र दिनांक 11 जुलाई 2025	संपत्ति स्थित- पट्टा एसआर नं. 7638, गोर्धनपुरा, रामगंज मंडी, जिला - कोटा, राजस्थान **क्षेत्रफल 138.97 वर्ग गज**
(खाता सं.) L9001070228521650 **लालचन्द (ऋणी)**, श्रीमती वसुंधरा बाई (सह-ऋणी)	17 जुलाई 2025 ₹ 575986/- रु. पांच लाख पचहत्तर हजार नो सौ छियासी मात्र दिनांक 11 जुलाई 2025	संपत्ति स्थित- केएच नं. 547, पट्टा नं. 65162, ग्राम बदिया सरलोक हुर्द, तह. खानपुर, जिला - झालावाड़, राजस्थान **क्षेत्रफल 1750 वर्ग फीट**
(खाता सं.) L9001070228589660 **शंकर लाल गुर्जर (ऋणी)**, श्रीमती गिरजा गुर्जर (सह-ऋणी)	17 जुलाई 2025 ₹ 462410/- रु. चार लाख बांसठ हजार चार सौ दस मात्र दिनांक 11 जुलाई 2025	संपत्ति स्थित- केएच नं. 591, पट्टा नं. 15250, हीरामनजी के मंदिर के पास, मैन रोड, बोरखंडी, तहसील - हिंडौली, जिला - बूंदी, राजस्थान **क्षेत्रफल 440 वर्ग फीट**
(खाता सं.) L9001060836639812 व L9001060129003791 **जय गोपाल शर्मा (ऋणी)**, मुकेश शर्मा (सह-ऋणी), श्रीमती कोशल्या शर्मा (सह-ऋणी)	17 जुलाई 2025 ₹ 498877/- रु. चार लाख अंठानबे हजार आठ सौ सतहत्तर मात्र व ₹ 1364463/- रु. तेरह लाख चौंसठ हजार चार सौ तरेसठ मात्र दिनांक 11 जुलाई 2025	संपत्ति स्थित- खसरा नं. 1787, इन्द्रा मार्केट, जिला - बारां, राजस्थान **क्षेत्रफल 49.22 वर्ग मीटर**
(खाता सं.) L9001070231627970 **गोपाल सेन (ऋणी)**, श्रीमती संगीता बाई (सह-ऋणी)	17 जुलाई 2025 ₹ 331929/- रु. तीन लाख इकतीस हजार नो सौ उनतीस मात्र दिनांक 11 जुलाई 2025	संपत्ति स्थित- केएच नं. 371, पट्टा नं. जेडब्ल्यू आर 76737, भीमनी, पचपाड़, पागरिया, जिला - झालावाड़, राजस्थान **क्षेत्रफल 900 वर्ग फीट**
(खाता सं.) L9001060131168842 **बगदी राम सेन (ऋणी)**, प्रदीप कुमार सेन (सह-ऋणी), श्रीमती बादाम बाई (सह-ऋणी)	17 जुलाई 2025 ₹ 155841/- रु. एक लाख पचपन हजार आठ सौ इकतालीस मात्र दिनांक 11 जुलाई 2025	संपत्ति स्थित- पट्टा डीड नं. 136, गांव पिरावा, तह. पीरावा, जिला झालावाड़, राजस्थान **क्षेत्रफल 378 वर्ग फीट**
(खाता सं.) L9001060134609521 **सांवलिया (ऋणी)**, श्रीमती सोहन बाई (सह-ऋणी), भंवर लाल (सह-ऋणी)	15 जुलाई 2025 ₹ 341710/- रु. तीन लाख इकतालीस हजार सात सौ दस मात्र दिनांक 11 जुलाई 2025	संपत्ति स्थित- पट्टा नं. जेडब्ल्यूआर 10248 केएच नं. 953, भंवरलाल का प्लॉट, मिसरौली, पचपाड़, जिला - झालावाड़, राजस्थान **क्षेत्रफल 487.5 वर्ग फीट**
(खाता सं.) L9001060135757910 **तंवर सिंह हाडा (ऋणी)**, स्वरूप कुंवर (सह-ऋणी), विष्णु प्रताप सिंह हाडा (सह-ऋणी)	17 जुलाई 2025 ₹ 1223713/- रु. बारह लाख तेइस हजार सात सौ तेरह मात्र दिनांक 16 जुलाई 2025	संपत्ति स्थित- पट्टा नं. 58188 व खसरा नं. 1851, तराज खानपुर, हवेली के पास, झालावाड़, जिला - झालावाड़, राजस्थान **क्षेत्रफल 1632 वर्ग फीट**
(खाता सं.) L9001060142183219 **रामचन्द्र (ऋणी)**, श्रीमती मनोहर बाई (सह-ऋणी)	17 जुलाई 2025 ₹ 205045/- रु. दो लाख पांच हजार पैंतालीस मात्र दिनांक 11 जुलाई 2025	संपत्ति स्थित- पट्टा डीड नं. 7345, खसरा नं. 36, मेन रोड, गांव खेरिया, तह. बाकनी, जिला - झालावाड़, राजस्थान **क्षेत्रफल 1250 वर्ग फीट**

स्थान : कोटा दिनांक: 11-09-2025 प्राधिकृत अधिकारी एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड

गंभीर मरीज के लिए राहुल ने उपलब्ध कराई एसडीपी

- नए सेवा भावी एसडीपी डोनर्स से टीम जीवनदाता का बढ़ रहा संबल, मरीज को समय रहते मिल रही है मदद

कोटा, (निसं)। टीम जीवनदाता द्वारा निरंतर एसडीपी डोनेशन के तहत सेवा का कार्य किया जा रहा है और इसी सेवा में नए एसडीपी डोनर्स जहां टीम को संबल प्रदान कर रहे हैं वहीं जरूरतमंद की समय रहते मदद भी हो रही हैं।

लायंस क्लब कोटवटेक्नोमके निदेशक व टीम जीवनदाता के संरक्षक संयोजक भुवनेश गुप्ता ने बताया कि निजी अस्पताल में भर्ती मरीज अर्जुन लाल मटई को सेफ्टीसीमिया हो रहा था, ऐसे में चिकित्सकों ने बी पॉजिटिव एसडीपी डोनेशन के लिए परिजनों से कहा। उनके पुत्र ने मेडिकल स्टोर पर सामान्य चर्चा की तो उन्होंने टीम जीवनदाता से संपर्क के लिए कहा गया, उसके बाद भुवनेश गुप्ता ने उन्हें बी पॉजीटिव एसडीपी के लिए आश्वस्त किया और कई लोगों से संपर्क किया। सेवा के लिए तत्पर रहने वाले राहुल जैन को कॉल किया तो वे जॉब पर थे, किंतु शीघ्र ही तैयार हुए और उन्होंने अपना ब्लड सेंटर तलवंडी पहुंचकर छठी बार एसडीपी डोनेट की है। वह इससे पूर्व 7 बार ब्लड डोनेशन कर चुके हैं। भुवनेश गुप्ता का कहना है कि यदि नए एसडीपी डोनर्स सामने आते हैं तो उनकी टीम को नई उर्जा मिलती है। साथ ही मरीजों को भी समय रहते एसडीपी एवं ब्लड मिलता है, जो लोगों की जान बचाने में सहायक होता हैं।

अतिवृष्टि के कारण आमजन के नुकसान पर उचित मुआवजा दे सरकार

- मुआवजा दिलवाने एवं अन्य मुद्दों को लेकर रविन्द्र त्यागी की अगुवाई में कांग्रेसजनों ने जिला कलेक्टर पीयूष सामरिया को सौंपा ज्ञापन

कोटा, (निसं)। अतिवृष्टि भारी वर्षा के चलते आमजन को नुकसान की भरपाई एवं उचित मुआवजा राशि दिलवाने एवं अन्य मुद्दे जैसे स्मार्ट मीटर, नगर निगम/पालिका के विकास कार्यों में भेदभाव, को लेकर गुरुवार को शहर और देहात जिला कांग्रेस कमेटी कोटा के पदाधिकारियों की ओर से शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष रविन्द्र त्यागी की अगुवाई में कांग्रेसजनों ने जिला कलेक्टर पीयूष समारिया को विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन पत्र में शहर जिला अध्यक्ष रविन्द्र त्यागी सहित वरिष्ठ नेताओं ने मांग की भारी वर्षा के चलते अतिवृष्टि के कारण कोटा जिले में 3 लाख लोगों को भारी नुकसान हुआ है त्यागी ने कहा कि निमोदा हरिजी जैसे गांव में भारी वर्षा से लोगो के घर बिगड़ गए खेतों की फसले नष्ट हो गयी सरकार जो मुआवजा देने जा रही वह ऊंट के मुँह में जीरा जैसी बात है उन्होंने कहा कि इस भारी तबाही का सर्वे किया जाकर स्पेशल पैकेज राशी दी जाऐं, साथ ही पशुओं को हुई क्षति के लिए नियमानुसार पशुपालकों को सहायता राशि उपलब्ध कराई जाये और उन्होंने ज्ञापन पत्र में कहा कि नगर निगम/पालिका में विकास कार्यो में भेदभाव किया जा रहा है जहाँ जहाँ वार्डो में बीजेपी के पार्षद है उन वार्डो में करोड़ो के ठेके दिए जा रहे है जहाँ कांग्रेस का वार्ड है उनको विकास से वंचित रखा जा रहा है इसको बंद किया जाना चाहिऐं। त्यागी ने कहा कि स्मार्ट मीटर सरकार लगाने जा रही है इसको बंद करें गरीबी रेखा से नीचे जीने वाले लोगो एवं मध्यम वर्गों को स्मार्टमिटर से अत्यधिक बिल आ जाता है आमजन को इस भारी बिलों को जमा कराने में असमर्थ है सरकार बिजली कंपनी से साठगांठ कर जनता को लूटना चाहती हैं हम ऐसा होने नही देंगे स्मार्ट मीटर लगेगा तो इसके विरोध का सामना करना पड़ेंगा कांग्रेस स्मार्ट मीटर को लगने नही देंगी। ज्ञापन देने वालो में प्रमुख रूप से रामगंजमंडी विधानसभा प्रत्याशी रहे महेंद्र सिंह राजौरिया, पीसीसी सचिव शिवराज गुंजल, जिला देहात सं महामंत्री मनीष शर्मा, जिला उपाध्यक्ष रामेश्वर सुवालका, जिला महासचिव डॉ विजय सोनी, रफीक, सुलेमान बादशाह, धर्मा गौचर, राजकुमार बोयत, आसिफ मिर्जा आदि मौजूद थे।

गुंजल के प्रदर्शन के बाद भाजपा के लोग भी सकते में

कोटा, (निसं)। पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल ने कांग्रेस में शामिल होने के बाद पहली बार जिला कांग्रेस कमेटी के बैनर तले बड़ा प्रदर्शन किया है। इस प्रदर्शन में हजारों की तादाद में लोग शामिल हुए। शहर की सड़कों पर प्रदर्शनकारियों का हुजूम उमड़ना नजर आया। देखने वालों ने यही कहा कि बहुत दिनों बाद इतना बड़ा प्रदर्शन देखने को मिला है। इतना बड़ा प्रदर्शन करके प्रहलाद गुंजल ने एक बार फिर अपनी ताकत दिखा दी है। प्रहलाद गुंजल को भीड़ जुटाऊ नेता माना जाता है। पूर्व में भी भाजपा के बैनर तले ऐसे कई बड़े प्रदर्शन कर चुके हैं। यह प्रदर्शन प्रहलाद गुंजल ने भले ही जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में किया हो लेकिन हकीकत यह है कि यह पूरी भीड़ प्रहलाद गुंजल ने अपने दम पर जुटाई है। इस प्रदर्शन से गुंजन ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि वह केवल भाजपा के बैनर से ही नहीं भीड़ जुटा पाते। उनकी अपने क्षेत्र में खुद की पकड़ है और वह अभी भी भीड़ जुटाने वाले नेताओं में अव्वल हैं। कोटा-बूंदी लोकसभा क्षेत्र के अलावा हिंडोली, देवली और सवाईमाधोपुर तक के लोगों ने इस प्रदर्शन में शामिल होकर प्रहलाद गुंजल के प्रति अपना विश्वास व्यक्त किया है। बड़ी तादाद में कोटा शहर से भी लोगों ने भाग लिया। इस प्रदर्शन के बाद यह संशय खत्म हो गया है कि प्रहलाद गुंजल केवल भाजपा के बैनर तले ही भारी भीड़ जुटा सकते हैं। ये बात अलग है कि पूर्व मंत्री शांति धारीवाल की गैर मौजूदगी कोटा के कांग्रेस कार्यकर्ताओं में चर्चा का विषय रही। बताया जा रहा है कि विधानसभा सत्र होने के चलते पूर्व मंत्री और कोटा उत्तर विधायक शांति धारीवाल इस प्रदर्शन में शामिल नहीं हो पाए हैं। कार्यकर्ताओं ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की नीतियों और कार्यशैली को लेकर कड़ा विरोध जताया। डोटासरा ने कहा कि प्रदेश में सरकार नाम की कोई चीज नहीं है और पहली बार इतना आक्रोश देखने को मिल रहा है।

डोटासरा ने आरोप लगाया कि हाल की भीषण बाढ़ से हजारों लोग बेघर हो गए हैं और किसान पूरी तरह बर्बाद हो चुका है। ''किसान से राम रुठ गया, राज से उम्मीद थी, लेकिन राजस्थान की सरकार भी निकम्मी साबित हुई है. किसी मंत्री में हिम्मत नहीं कि वह कलेक्टर से फोन पर बात कर मदद की मांग करें। कई दिनों तक लोग अपने जलमग्न आशियानों में परेशान रहे लेकिन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा दौरा करने भी नहीं गए। डोटासरा ने राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह बीजेपी की भाषा बोलते हैं। डोटासरा ने कहा ''भारती भवन की पर्ची पर चर्चा कराते हैं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भी दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह के इशारे पर काम कर रहे हैं। प्रतिपक्ष के नेताओं को बोलने नहीं दिया जाता।

प्रतियोगी भावना को जीवित रखें : रामेश्वर मीणा

- उत्साह पूर्वक भाग लिया बूंदी जिले की कला प्रतिभाओं ने

बूंदी। राज्य सरकार के मंशा अनुरूप युवाओं को आगे लाने व उनकी प्रतिभाओं को निकालने के लिए जिला स्तर पर जिला स्तरीय कला उत्सव प्रतियोगिताओं का आयोजन शगुन रिजॉर्ट में किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि भाजपा के जिला अध्यक्ष रामेश्वर मीणा ने मां सरस्वती पर दीप प्रज्ज्वलन कर प्रारंभ की । इस अवसर पर सहायक परियोजना अधिकारी श्रीमती सुनीता कटारा ,राजेश मीणा ,राजेश चतुर्वेदी ,सुनील कुमावत व जेपी त्रिपाठी ने उनका माल्यार्पण कर स्वागत किया। युवा प्रतिभाओं को संबोधित करते हुए भाजपा के जिला अध्यक्ष रामेश्वर मीणा ने बच्चों से कहा कि युवाओं के अंदर या अपने जीवन में प्रतियोगी भावनाएं हमेशा जीवित रहे । इसमें ईर्ष्या व द्वेष का कोई स्थान नहीं है ।उन्होंने कहा यहां पर जो पुरस्कार प्राप्त नहीं कर पाए वह यह ना समझे कि हमने हम असफल हो गए बल्कि उनको और मेहनत की आवश्यकता है। जिला स्तरीय कला उत्सव में गायन वादन ,मूर्ति कला ,समुह नृत्य, समूह गायन कहानी व नाटक आदि विधाओं में बूंदी जिले के लगभग 150 प्रतिभाओं ने भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं के जज मांड गायिका उषा शर्मा , राउमावि रडी की प्रधानाचार्य डॉ विधि बागमार तथा कॉलेज के व्याख्याता कमल त्रिवेदी रहे। साथ ही चित्रकला, मूर्ति कला के निर्णायक व्याख्याता सुनील कुमार शर्मा, वेणी शंकर साहू व राउमावि भीया की प्रधानाचार्य चित्रा शर्मा रही।

अंत में सभी विजेता कलाकारों को मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी कुंज बिहारी भारद्वाज, सहायक मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी धनराज मीणा ,सहायक परियोजना निदेशक समसा दिलीप गुर्जर ने पुरस्कार द्वारा किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी कुंज बिहारी भारद्वाज ने बच्चों से कहा यह अंतिम प्रतियोगिता नहीं है जीवन ही एक प्रतियोगिता है जब आप राज्य स्तर पर जाएंगे तो वहां पर भी अपने से श्रेष्ठ कलाकारों को देखने का मौका मिलेगा। उनसे भी सीखें और अपने को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने का प्रयास करें ।

शहरी सेवा शिविर 15 सितम्बर से

- अभियान के अन्तर्गत निम्न कार्य किये जाने हैं

कोटा, (निसं)। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश भर में 15-09-2025 से दिनांक 02-10-2025 तक शुरू होने वाले "शहर चलो अभियान-2025" के क्रम मे स्वायत्त शासन विभाग राजस्थान जयपुर आदेश की पालना में शहरी नागरिकों की कठिनाईयों के निवारण तथा नागरिको को विभिन्न सेवाएं प्रदत्त करने व जनससमया समाधान हेतु शहरी सेवा शिविर 2025 के तहत 15.09.2025 से 02.10.2025 तक मुख्यालय स्तर पर दिनांक एवं वार्ड अनुसार प्रात: 10:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक शिविर का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के अन्तर्गत निम्न कार्य किये जाने हैं।

साफ-सफाई, स्ट्रीट लाइट रिपेयर व नई लाईट लगाना, टूटे फेरोकवर व क्रॉस सही कराना, आवारा पशुओं को पकड़ना, सार्वजनिक शौचालयों की साफ-सफाई व रिपेयर, पत्रावलियों का निस्तारण, विभिन्न राजकीय जनहित योजनाओं के तहत आवेदन प्राप्त कर स्वीकृती जारी करना।

मंदिर धतुरिया में चोरी

अंता । अंता थानांतर्गत गत कई दिनों से होरही चोरी की घटनाओं में बीती रात बालाखेडा पंचायत के धतूरिया गांव में एक ही रात में दो मंदिरों में हुई चोरी की घटना से ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। तथा घटना स्थल पर अंता पुलिस ने पहुंच कर मामला दर्ज कर जांच का आश्वासन देकर मामले को ठंडा किया।

हादसे में महिला की मौत

बूंदी। जिले में सडक हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। बुधवार को बूंदी रेलवे ब्रिज के पास हुए एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया। तेल से भरे टैंकर ने एक मोटरसाइकिल को इतनी जोरदार टक्कर मारी कि उस पर सवार मां, बेटा और पौत्र सड़क पर जा गिरे। हादसे में मां घिसी बाई तालेडा गुमानपुरा निवासी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पौत्र गंभीर रूप से घायल हो गया। महिला का पुत्र, जो मोटरसाइकिल चला रहा था, वह बाल-बाल बच गया।

सदर थाना प्रभारी रमेश आर्य ने बताया कि बुधवार रात गुमानपुरा निवासी बैरागी परिवार की घिसी बाई अपने बेटे और पोते के साथ बूंदी से गांव लौट रही थी। जैसे ही उनकी मोटरसाइकिल बूंदी रेलवे ब्रिज के पास पहुंची, पीछे से आ रहे तेज रफ्तार तेल टैंकर ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक से तीनों उछल कर सडक पर गिर पडे। लोगों ने जब तक उन्हें संभाला, तब तक घिसी बाई गंभीर रूप से घायल हो चुकी थीं। सदर थाना अधिकारी रमेश आर्य तुरंत मौके पर पहुंचे और पुलिसकर्मियों के साथ घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने घिसी बाई को मृत घोषित कर दिया। उनका पौत्र गंभीर स्थिति में भर्ती है और इलाज जारी है। बाइक चला रहे पुत्र को हल्की चोटें आई हैं। थाना प्रभारी रमेश आर्य ने बताया कि घटना के बाद तेल से भरे टैंकर को जब्त कर लिया गया है। मृतका का शव पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया गया है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है और टैंकर चालक की लापरवाही की पुष्टि होने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी । घटना के बाद मृतका घिसी बाई के घर में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। रिश्तेदार और ग्रामीण बडी संख्या में जिला अस्पताल पहुंचे और प्रशासन से कठोर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने महिला के शव को पोस्टमार्टम रुम में रखवाया है। गुरुवार सुबह शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

आत्महत्या रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान

कोटा, (निसं)। वर्ल्ड सुसाईड प्रिवेंशन डे के अवसर पर एमपावर फाउंडेशन ने कोटा में छात्रों के लिए मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता अभियान चलाया।

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए देशभर के युवाओं के केंद्र कोटा मे बढ़ते शैक्षणिक दबाव और 2024 में दर्जनों आत्महत्या की घटनाओं ने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देने की जरूरत उजागर की है।एमपावर फाउंडेशन ने ओम कोठारी कॉलेज में डिज़ाईन जेंगा गेम, द होप हंट ट्रेज़र हंट और ओपन माईक सत्र जैसे कार्यक्रम आयोजित किए, जिसमें छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इन आयोजनों के माध्यम से युवाओं को संवाद एवं रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से अपनी भावनाओं को साझा करने और तनाव से राहत पाने का अवसर मिला। एमपॉवर ने मेबलीन इंडिया के साथ मिलकर कोटा सिटी पार्क में "ब्रेवबॉक्स" फ्री काउंसलिंग कैंप लगाया गया, जहाँ मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा निशुल्क परामर्श दिया गया। एमपावर की प्रेसिडेंट परवीन शेख ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए ताकि युवाओं को सुरक्षित भविष्य मिल सके। एमपावर की 24 घंटे सक्रिय हेल्पलाईन अब कोटा सहित देशभर में युवाओं के लिए उपलब्ध है। जो गोपनीय और निशुल्क सहायता प्रदान करती है। जागरूकता अभियान से युवा पीढ़ी को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील बनाकर एक सकारात्मक बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

कोटा रेलकर्मी को मिला सम्मान

कोटा, (निसं)। रेलवे कर्मचारी केवल प्रशासनिक कार्यों में ही नहीं, बल्कि साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं।

इसी कड़ी में कोटा रेलवे स्टेशन पर उप मुख्य टिकट निरीक्षक के पद पर कार्यरत दीपक शर्मा को नगर की प्रमुख संस्था भारतेन्दु समिति ने सम्मानित किया है। संस्था ने उन्हें देश के पंद्रह चयनित साहित्यकारों में शामिल कर भारतेन्दु हरिश्चंद्र जी की 175वीं जयंती पर शॉल, मुक्ताहार, स्मृतिचिन्ह एवं प्रशस्तिपत्र भेंट कर सम्मानित किया। शर्मा का काव्य संग्रह "निर्झर" पूर्व में मंडल रेल प्रबंधक द्वारा विमोचित हो चुका है, जिसमें उनकी 64 मौलिक कविताओं का संकलन है। उनकी रचनाएं "चंबल वाणी" स्मारिका में लगातार प्रकाशित होती रही हैं और उन्हें राजभाषा विभाग से भी पुरस्कृत किया जा चुका है।

मेरा मानना है कि ये कांबिनेशनल आगे चलकर मजबूत टीम के खिलाफ कारगर साबित नहीं होगा। साथ ही सवाल है कि क्या डेथ ओवर्स में हार्दिक पंड्या कारगर साबित हो सकते हैं?

- इरफान पठान

पूर्व भारतीय खिलाड़ी, हार्दिक पांड्या के चयन को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

नीरज चोपड़ा

जापान की राजधानी टोक्यो में 13 सितंबर से 21 सितंबर के बीच वर्ल्ड चैंपियनशिप का आयोजन होना है। इसमें भारत के स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा और पाकिस्तान के मौजूदा ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम प्रतिस्पर्धा करेंगे। वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में फिर से पेरिस ओलंपिक भाला फेंक फाइनल की तरह मुकाबले के लिए तैयार है। वहीं इस टूर्नामेंट में भारत की तरफ से 19 सदस्यीय भारतीय टीम हिस्सा लेगी जबकि पाकिस्तान की तरफ से नदीम एकमात्र एथलीट हैं। नीरज चोपड़ा और नदीम के बीच प्रतिद्वंद्विता पड़ोसी मुल्कों के बीच प्रतिस्पर्धा का नया अध्याय होगा।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय टीम पूर्ण सदस्य देश के रूप में टी-20 फॉर्मेट वाले एशिया कप में सबसे ज्यादा गेंद शेष रहते जीत दर्ज करने वाली टीम बन गई है।

सचिन ने बीसीसीआई अध्यक्ष पद की दौड़ की अफवाहों को किया खारिज

मुम्बई, 11 सितंबर। दिग्गज क्रिकेट सचिन तेंदुलकर ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल होने अफवाहों को सिरे से खारिज किया है। तेंदुलकर के बीसीसीआई के अगले अध्यक्ष बनने की अटकलों के बीच, एसआरटी स्पोर्ट्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा जारी आधिकारिक बयान में कहा है, "हमारे संज्ञान में आया है कि सचिन तेंदुलकर के भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष पद के लिए विचार किए जाने या उन्हें नामित किए जाने की अफवाहें फैल रही हैं। हम स्पष्ट रूप से कहना चाहते हैं कि ऐसा कुछ भी नहीं हुआ है।"

तेंदुलकर स्वयं टिप्पणी के लिए उपलब्ध नहीं थे, लेकिन उनकी टीम ने मीडिया से इस तरह की अटकल बाजी से बचने का अनुरोध किया। बयान में कहा गया, "हम सभी संबंधित पक्षों से अनुरोध करते हैं कि वे निराधार अटकलों पर ध्यान न दें।"

बीसीसीआई अध्यक्ष के चुनाव 28 सितंबर को होने हैं, जिसमें अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव और कोषाध्यक्ष के पदों के लिए मतदान होगा। बोर्ड के भीतर आम धारणा के अनुसार मौजूदा सचिव देवजीत सैकिया, संयुक्त सचिव रोहन गौस देसाई और कोषाध्यक्ष प्रभतेज सिंह भाटी अपने पदों पर बने रहेंगे।

अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के पदों के साथ-साथ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अध्यक्ष की भूमिका को लेकर भी बड़े सवाल उठ रहे हैं। राजीव शुक्ला वर्तमान उपाध्यक्ष हैं, और हो सकते है कि वे किसी न किसी रूप में बीसीसीआई का हिस्सा बने रहें। शुक्रवार को राज्य संघों के लिए वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के लिए अपने प्रतिनिधियों के नाम दाखिल करने की अंतिम तिथि है। इस सूची से यह संकेत मिल सकता है कि बड़े पदों के लिए कौन-कौन दावेदार हैं।

बांग्लादेश ने एशिया कप 2025 में पहला मैच जीता, हांगकांग को 7 विकेट से हराया

अबु धाबी, 11 सितम्बर। बांग्लादेश ने एशिया कप 2025 में जीत से शुरुआत की है। टीम ने गुरुवार को हॉन्ग कॉन्ग को 7 विकेट से हराया। टीम ने 144 रन का टारगेट 17.4 ओवर में 3 विकेट पर चेज किया। अबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। हॉन्ग कॉन्ग ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 143 रन बनाए थे। बांग्लादेश के कप्तान लिटन दास ने 59 और तौहीद हृदॉय नाबाद 35 रन बनाकर नाबाद लौटे। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 95 रन की साझेदारी की।

परवेज हुसैन इमोन 19 और तंजीद हसन 14 रन बनाकर आउट हुए। अतीक इकबाल और आयुष शुक्ला को एक-एक विकेट मिला। आयुष ने हॉन्ग कॉन्ग की ओर से 50 विकेट भी पूरे कर लिए। हॉन्ग कॉन्ग के निजाकत खान 42 रन, जीशान अली 30 रन और कप्तान यासिम मुर्तजा 28 रन बनाकर आउट हुए। बांग्लादेश से तस्कीन अहमद, तंजीम हसन साकिब और रिशाद हुसैन ने 2-2 विकेट झटके। रिशाद ने टी-20 इंटरनेशनल में 50 विकेट पूरे किए। अबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। हॉन्ग कॉन्ग ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 143 रन बनाए। निजाकत खान 42 रन, जीशान अली 30 रन और कप्तान यासिम मुर्तजा 28 रन बनाकर आउट हुए।

बांग्लादेश से तस्कीन अहमद, तंजीम हसन साकिब और रिशाद हुसैन ने 2-2 विकेट झटके। रिशाद ने टी-20 इंटरनेशनल में 50 विकेट पूरे किए। हॉन्गकॉन्ग की ओर से सबसे बड़ी पारी निजाकत खान ने खेली। उन्होंने 40 गेंदों पर 42 रन बनाए।

कार्यालय नगरपालिका पोकरण जिला जैसलमेर राजस्थान (345021)

क्रमांक/नपापो/25/3019 दिनांक :– 04.09.2025

-:: ई-निविदा सूचना ::-

नगरपालिका पोकरण की ओर से नगरपालिका पोकरण सक्षम श्रेणी एवं अन्य विभागों के संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल कार्य हेतु ऑनलाईन द्वि-पक्रमी बोली अनुसार निविदाएं आमत्रित की जाती है जो निम्नलिखित दिनांक अनुसार डाउनलोड तथा खोली जायेगी । समस्त कार्यो के लिए धरोहर राशि कार्य की अनुमानित लागत पर नगरपालिका पोकरण में सक्षम संवेदकों द्वारा 2 प्रतिशत का बैंक ड्राफ्ट/ बैंकर चैक अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका पोकरण एवं टेण्डर प्रोसेसिंग शुल्क नियमानुसार/– रू0 M.D. RISL JAIPUR के नाम से देना होगा। निविदा शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.in व http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

NIB NO- DLB 2526A5497
UBN NO- DLB2526WSOB16768 TO 16771

अध्यक्ष नगरपालिका पोकरण | अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका पोकरण

राज.संवाद/सी/25/9724

कार्यालय (वि0) नगर निगम कोटा दक्षिण (राज0)

क्रमांकः– ननिको द./वि0/2025/550–558 दिनांक 08.09.2025

–:: संशोधित ई-निविदा सूचना ::–

तकनीकी कारण से इस कार्यालय द्वारा जारी निविदा क्रमांक ननिको द./वि0/2025/499–507 दिनांक 21.08.2025 को जारी की गई निविदा में निम्न प्रकार संशोधन किया जाता है–

1. निविदा अपलोड करने की तिथि : 15.09.2025 (दोपहर 12 बजे तक)
2. धरोहर राशि/निविदा शुल्क/प्रोसेसिंग फीस
3. प्राप्त के साक्ष्य प्राप्ती तिथि : 15.09.2025 (दोपहर 12 बजे तक)
4. निविदा तकनीकी बिड खोलने की तिथि : 15.09.2025 (दोपहर 3 बजे तक)
5. वित्तिय बिड खोलने की तिथि : तकनीकी बिड परिक्षण पश्चात्

उक्तानुसार निविदा की तिथि बढाई जाती है एवं निविदा की कार्य संख्या 2 (स्वागत द्वारों पर LED VIDEO WALL) की शेड्यूल के आइटम डिस्क्रिप्शन में विडियो वॉल, आउटडोर P-3.9 की जगह P-4.8 पढ़ा जावे।

शेष शर्तें यथावत् रहेगी।

अधिशाषी अभियंता (वि0) नगर निगम कोटा दक्षिण

राज.संवाद/सी/25/9779

नहीं बिक रहे भारत-पाक मैच की टिकट, 14 को महामुकाबला

दुबई, 11 सितंबर। भारत और पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर, रविवार को एशिया कप 2025 का महामुकाबला खेला जाएगा। अक्सर भारत-पाकिस्तान मैच की टिकट चंद घंटों में ही बिक जाती हैं, लेकिन इस बार लगता है कि इस मैच के लिए फैंस के अंदर बिल्कुल भी क्रेज नहीं है। इस मैच के अभी तक सारे टिकट नहीं बिके हैं ऐसा होने का मुख्य कारण टिकटों की कीमत है। लोगों को 2 टिकट खरीदने के लिए 2.5 लाख तक खर्च करने पड़ रहे हैं।

वहीं रिपोर्ट्स की मानें तो महंगे टिकट प्राइज के कारण बिक्री पर फर्क पड़ा है। ईस्ट स्टैंड में दो वीआईपी टिकटों की कीमत 2.5 लाख रुपये है। इस टिकट को खरीदने पर बढ़िया व्यू वाली सीट मिलेगी, जिसके साथ खाने-पीने की व्यवस्था होगी। इस टिकट को खरीदने पर पार्किंग पास, वीआईपी लाउंज और रेस्टरूम भी मिलेगा।

खबरों की मानें तो रॉयल बॉक्स में टिकट की कीमत 2.3 लाख, स्काई बॉक्स के लिए 1.6 लाख रुपये देने होंगे। यहां तक कि प्लैटिनम टिकट की कीमत भी आसमान छू रही है, जो 75,659 रुपये में मिल रही है। सबसे सस्ती टिकट की बात करें तो दो सीट बुक करने के लिए आपको लगभग 10,000 रुपये खर्च करने होंगे।

अमीरात क्रिकेट बोर्ड के एक अधिकारी ने बताया कि भारत-पाकिस्तान मैच के टिकों की कम ब्रिकी से सभी अधिकारी चौंक गए हैं। उन्होंने बताया कि चैंपियंस ट्रॉफी के टिकट मात्र4 मिनट के भीतर बिक गए थे, लेकि इस बार स्थिति बहुत खराब है। अधिकारी ने आशंका जताते हुए कहा कि टिकटों की ब्रिकी कम होगा।

भारत-पाक क्रिकेट मैच रद्द करने की याचिका पर तत्काल सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इंकार

नई दिल्ली, 11 सितंबर। उच्चतम न्यायालय ने एशिया कप के तहत 14 सितंबर को दुबई में होने वाले भारत-पाकिस्तान टी-20 क्रिकेट मैच को लोगों की भावना के खिलाफ बताते हुए इसे रद्द करने की मांग वाली एक याचिका पर शीघ्र सुनवाई के अनुरोध को गुरुवार को ठुकरा दिया। न्यायमूर्ति जे के माहेश्वरी और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई की पीठ ने याचिकाकर्ता उर्वशी जैन और अन्य का अनुरोध ठुकराते हुए कहा, "मैच जारी रहना चाहिए। यह एक मैच है। इसे होने दीजिए।" याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता ने इस मामले को महत्वपूर्ण बताते हुए शीघ्र सुनवाई करने का अनुरोध किया था। याचिका में कहा गया है, "पाकिस्तान के साथ खेलने से यह संदेश गया है कि जहाँ हमारे सैनिक अपने प्राणों की आहुति दे रहे हैं, वहीं हम उसी देश के साथ खेल का जश्न मना रहे हैं जो आतंकवादियों को पनाह दे रहा है। इससे उन पीड़ितों के परिवारों की भावनाएं भी आहत हो सकती हैं जिन्होंने पाकिस्तानी आतंकवादियों के हाथों अपनी जान गंवाई। राष्ट्र की गरिमा और नागरिकों की सुरक्षा मनोरंजन से पहले आती है।"

भारत से मुकाबले से पहले ओमान के खिलाफ बड़ी जीत हासिल करना चाहेगा पाकिस्तान

दुबई, 11 सितंबर। पाकिस्तान एशिया कप 2025 में अपने अभियान की शुरुआत शुक्रवार को दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले टूर्नामेंट के चौथे मैच में ओमान के खिलाफ बड़ी जीत हासिल करने उतरेगा।

संयुक्त अरब अमीरात टी-20 त्रिकोणीय श्रृंखला 2025 में शानदार प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान शुक्रवार को टूर्नामेंट में प्रबल दावेदार के रूप में उतर रहा है।सलमान आगा की अगुवाई में टीम पिछले छह टी-20 मैचों में केवल एक बार हारी है और उसने बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में शानदार प्रदर्शन किया है। ओमान के साथ मुकाबला पाकिस्तानियों के लिए भारत के साथ होने वाले अहम मुकाबले से पहले आत्मविश्वास बढ़ाने और लय बनाए रखने का एक अच्छा अवसर है।

टीम की बल्लेबाजी लाइनअप में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का मिश्रण है। सलामी बल्लेबाज सैम अयूब और साहिबजादा फरहान से आक्रामक शुरुआत की उम्मीद है, जबकि मध्यक्रम के दिग्गज फखर जमान और सलमान आगा पारी को आगे बढ़ाने की कोशिश करेंगे। वहीं निचले क्रम की बात की जाये तो हसन नवाज, मोहम्मद हैरिस, मोहम्मद नवाज और फहीम अशरफ का कौशल टीम को अंतिम ओवरों में तेजी से रन बनाने की सुविधा देता है।

पाकिस्तान का गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई शाहीन अफरीदी करेंगे। अफरीदी की तेज गति, अबरार अहमद, फहीम अशरफ, मोहम्मद नवाज और सूफियान मुकीम के सहयोग के साथ पाकिस्तान दुबई की परिस्थितियों का फायदा उठाना चाहेंगा। पिच की अगर बात की जाये तो पारंपरिक रूप से सपाट और तेज आउटफील्ड वाली यह पिच बल्लेबाजों के लिए मददगार है, हालाकि स्पिनर बीच के ओवरों में अहम भूमिका निभाने सकते है। इस पिच को लक्ष्य का पीछा करने वालों के लिए मददगार माना जाता है। पिछले दस टी-20 मैचों में से आठ में दूसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाली टीम ने जीत हासिल की है। पहली पारी का स्कोर आमतौर पर लगभग 170 होता है।

वहीं अगर ओमान की बात की जाये तो पाकिस्तान उसके सामने कड़ी चुनौती है। कप्तान जतिंदर सिंह अपने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों, आमिर कलीम और हम्माद मिर्जा से स्थिरता की उम्मीद करेंगे।

कार्यालय नगरपालिका आकोला जिला चित्तौडगढ (राज.)

क्रमांक/न.पा.आ./निर्माण/2025–26/1475–1476 दिनांक : 08.09.2025

निविदा सूचना नं. 05/2025-26

नगरपालिका आकोला द्वारा निम्नांकित कार्यो के लिये नगरीय निकायों में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत एवं अन्य विभागो में 'ए' एवं 'एए' श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेन्ट प्रक्रिया से वेबसाईड eproc.rajasthan.gov.in पर ऑन लाईन निविदाएं आमन्त्रित की जाती है। निविदा शर्ते एवं निविदा प्रपत्र संवेदक sppp.rajasthan.gov.in, & eproc.rajasthan.gov.in से प्राप्त कर सकेगें। उक्त निविदा वेबसाईट sppp.rajasthan.gov.in के NIB Code DLB2526A5643 पर देखे तथा निविदा का विवरण निम्न प्रकार है:–

कार्य निविदा के कार्य	कुल 01 कार्य
निविदा की अनुमानित लागत	राशि 49.90 लाख रूपये
ऑनलाईन निविदा फार्म मिलने की दिनांक व समय	दिनांक 15/09/2025 प्रातः 10.00 बजे से
ऑनलाईन निविदा फार्म जमा कराने की अन्तिम दिनांक व समय	दिनांक 24/09/2025 सायं 06:00 बजे तक
निविदा खोलने की दिनांक व समय	दिनांक 25/09/2025 दोपहर 3.00 बजे
	Unique Bid Number
1	DLB2526SLOB17279

राज.संवाद/सी/25/9662 प्रशासक अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय नगरपालिका मण्डल, सुमेरपुर, जिला-पाली

क्रमांक : न.पा.सु/विकास/ई-निविदा/2025–26/5368 दिनांक : 09.09.2025

-: अल्पकालीन ई-निविदा 10/2025-26 सूचना :-

नगरपालिका मण्डल, सुमेरपुर की ओर से मान्यता प्राप्त पंजीकृत ठेकेदारों से निविदा द्वारा 13 विकास कार्यो की कुल लागत 195.00 लाख रूपये की निविदा आमंत्रित की जाती है। आंशिक अथवा पूर्णतः निविदा स्वीकृत/ अस्वीकृत करने का अधिकार ई-निविदा स्वीकृत अधिकारी को होगा। ई-निविदा की विस्तृत जानकारी व शर्ते कार्यालय में एवं विभाग की वेब साईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी व पढी जा सकती है।

जिनके UBN No. निम्नलिखित है:–

1. DLB2526WSOB17175
2. DLB2526WSOB17179
3. DLB2526WSOB17181
4. DLB2526WSOB17185
5. DLB2526WSOB17186
6. DLB2526WSOB17188
7. DLB2526WSOB17189
8. DLB2526WSOB17191
9. DLB2526WSOB17192
10. DLB2526WSOB17193
11. DLB2526WSOB17194
12. DLB2526WSOB17196
13. DLB2526WSOB17197

Bid Selling Last Date 16-09-2025/10.00 AM

राज.संवाद/सी/25/9679 प्रशासक अधिशाषी अधिकारी

राज्य स्तरीय अंडर-19 ट्रॉफी
कुशाग्र ओझा, असद उमर का शतक

जयपुर, 11 सितम्बर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 - 26 की अंडर 19 प्रतियोगिता में में भाग लेने वाली राजस्थान टीमों के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय अंडर 19 प्रतियोगिता के आज जयपुर में खेल गए मैचों का परिणाम व स्कोर :- जयपुर, बीकानेर, सवाईमाधोपुर, कोटा, राजसमंद, धौलपुर, चित्तोड़, करौली, बांसवाड़ा, जालोर, श्रीगंगानगर, झुंझनू, सीकर, भरतपुर जीती। सचिन लखेसर, वरदान शर्मा शतक से चुके, आर्यमान शर्मा, सुमित सालवी, अंशु, पृथ्वी सिंह, शौर्य शाह, आदित्य भाम्भू चिराग व अभिषेक मूँद की शानदार गेंदबाजी। हर्षित शर्मा व रक्षित श्रीमाल का आल राउंडर प्रदर्शन।

महिला एशिया कप 2025 के सुपर 4 मैच में भारतीय टीम मेजबान चीन से 1-4 से हारी

हांगझोऊ (चीन), 11 सितंबर। भारतीय महिला हॉकी टीम गुरुवार को महिला एशिया कप 2025 के अपने दूसरे सुपर4 पूल मैच में मेजबान चीन से 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। इस जीत के साथ ही चीन ने टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है। वहीं भारतीय टीम आगामी मुकाबले में जापान को हराकर फाइनल में पहुंच सकती है। आज यहां खेले गये मुकाबल में भारत की ओर से मुमताज खान (38वें मिनट) में एकमात्र गोल करने वाली खिलाड़ी रहीं, जबकि ज़ू मीरोंग (4वें मिनट, 56वें मिनट), चेन यांग (31वें मिनट) और टैन जिनझुआंग (47वें मिनट) ने चीन के लिए गोल किए। पहला क्वार्टर बेहद रोमांचक रहा, इस दौरान दोनों टीमों ने सर्कल में आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया और अच्छे मौके बनाए, हालांकि, शुरुआत में ही चीन ने चौथे मिनट में पहला गोल कर दिया। इस दौरान भारत ने एक अच्छा बचाव किया, लेकिन रिबाउंड पर गेंद ज़ू मीरोंग के पास पहुंची और उन्होंने उसे खाली पड़े गोलपोस्ट में डाल दिया। भारत ने बराबरी के लिए लगातार प्रयास किए। भारत ने 10वें मिनट में अपना पहला पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन वे गोल करने में विफल रहे। दूसरे क्वार्टर में कोई भी टीम गोल नहीं कर पाई। पहले हाफ के आखिरी पांच मिनटों में भारत ने खेल की गति बढ़ा दी और चीनी रक्षापंक्ति पर लगातार दबाव बनाया और गेंद पर कब्जा जमाकर अपना पहला गोल करने की कोशिश की। 27वें मिनट में भारत ने एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन वह भी गोल नहीं कर पाये। तीसरे क्वार्टर के पहले ही मिनट में चीन ने एक और गोल करके अपनी बढ़त दोगुनी कर दी। यह गोल चेन यांग (31वें मिनट) में किया। मुमताज खान (38वें मिनट) ने भारत के लिए एक शानदार मैदानी गोल करके स्कोर 1-2 से बराबर कर दिया। लालरेम्सियामी ने सर्कल के किनारे गेंद उन्हें पास की, जहाँ से उन्होंने दूर से एक शक्तिशाली बैक-हैंड शॉट लगाकर भारत के लिए पहला गोल दागा।

अरावली क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 11 सितंबर। अंडर-13 पिंकसिटी कप में रामेश्वर क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 96 रन 6 विकेट के नुकसान पर बनाएं विराट शर्मा ने 29 और दीपेश ने 20 रनों का योगदान दिया! अरावली क्रिकेट अकादमी की ओर से लखन ने तीन विकेट लिए लक्ष्य का पीछा करने उतरी अरावली क्रिकेट अकादमी ने 34 ओवर में 97 रन 6 विकेट के नुकसान पर बनाकर जीत हासिल कर ली रीना ने सर्वाधिक 22 रनों का योगदान दियारामेश्वर क्रिकेट अकादमी की ओर से विराट शर्मा ने दो विकेट लिए! मैन ऑफ द मैच लखन को चुना गया।

पूजा रानी, जैस्मीन लाम्बोरिया सेमीफाइनल में, भारत के लिए दो पदक पक्के किए

लिवरपूल, 11 सितंबर। दो बार की एशियाई चैंपियन पूजा रानी और जैस्मीन लाम्बोरिया ने विपरीत जीत दर्ज करते हुए विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली है। इसी के साथ इन दोनों मुक्केबाजों ने भारत के लिए दो और पदक पक्के कर दिये है। पूजा रानी ने महिलाओं के 80 किग्रा क्वार्टर फाइनल में पोलैंड की एमिलिया कोटर्सका को 3:2 से हराया।

नगर निगम जोधपुर-दक्षिण

क्रमांकः– एफ.10/2025–26/5132 दिनांकः– 09.09.2025

:: अल्पकालिन ई-निविदा सूचना ::

(UB NO. DLB2526WSOB17120)

नगर निगम जोधपुर–दक्षिण की ओर से विभिन्न सिविल कार्यो हेतु ऑनलाईन ई–निविदाएं आमंत्रित की जाती है। ई–निविदा से संबंधित कार्यो की विस्तृत जानकारी, निविदा की शर्ते आदि http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in एवं https://lsg.rajasthan.gov.in/mcjs पर देखी जा सकती है।

महापौर नगर निगम जोधपुर–दक्षिण | आयुक्त नगर निगम जोधपुर–दक्षिण

राज.संवाद/सी/25/9797

कार्यालय नगर निगम कोटा दक्षिण, राजस्थान

राजीव गांधी भवन, दशहरा मैदान, सी0ए0डी0 सर्किल, कोटा

Website : www.kotamc.org, Email : nnksouth@gmail.com , Tel. pho. 0744-2502142

क्रमांकः– ननि (दक्षिण) को/उपा.रा./2025/7667–79 दिनांकः– 08.09.2025

–:: ई-निविदा सूचना ::–

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम कोटा दक्षिण द्वारा कार्यादेश से एक वर्ष (2025–26) तक के लिये 2 Bid 2 Stage (पद्धति) के अनुसार ई–प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया द्वारा ऑनलाईन निविदा आमन्त्रित की जाती है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	निविदा शुल्क	प्रोसेसिंग फीस	धरोहर राशि 2%	ठेका आरक्षित राशि
1	डिवाईडर पोल एवं साईड विद्युत पोल पर लघु विज्ञापन पट्ट कियोस्क पार्ट "ए" (साईज 30" X 40") वर्ग इंच दो तरफा सूची संलग्न	1500/–	500/–	27390/–	13,69,500/–

इस हेतु इच्छुक व्यक्ति/फर्म/ऐजेन्सी निविदा प्रपत्र एवं शर्ते नगर निगम की वेब साईट https://urban.rajasthan.gov.in/content/raj/udh/nagar-nigam-kota-south/en/home-html एवं http://sppp.rajasthan.gov.in तथा https://eproc.rajasthan.gov.in/ से देख एवं डाउनलोड कर सकते है तथा किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में निगम कार्यालय में देखी जा सकती है।

ऑनलाईन निविदा अपलोड करने की दिनांक	11.09.2025 से 01.10.2025 तक सांय 06.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा जमा कराने की दिनांक	11.09.2025 से 01.10.2025 तक सांय 06.00 बजे तक
अपेक्षित डी0डी0 एवं दस्तावेज जमा कराने की दिनांक	03.10.2025 सांय 04.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा की तकनीकी बिड खोलने की दिनांक	06.10.2025 सांय 03.00 बजे तक
वित्तीय बिड खोलने की दिनांक	तकनीकी बिड की प्रशासनिक स्वीकृति के उपरांत

उपरोक्त कार्य के लिये निर्धारित निविदा शुल्क एवं धरोहर राषि का डी.डी. आयुक्त नगर निगम कोटा दक्षिण के नाम तथा प्रोसेसिंग फीस का डी0डी0 "मैनेजिंग डायरेक्टर" आर0आई0एसएल0 जयपुर के नाम निर्धारित दिनांक 03.10.2025 को सांय 4.00 बजे तक अनुसार राजीव गांधी भवन नगर निगम कोटा दक्षिण के "ए" ब्लॉक में प्रथमतल पर कमरा नं0 238 में पहुंच जाना चाहिये। उक्त निविदा नियत तिथि को ऑनलाईन खोली जावेगी। स्वीकृत ठेका राशि पर 18% GST एंव किसी भी प्रकार का प्रचलित कर संवेदक स्वंय को वहन करना होगा।

नोटः–

1. उक्त राशि एक वर्ष हेतु निर्धारित है जिसके लिये संवेदक को सम्बन्धित कार्य की एक मुश्त राशि जमा करानी होगी। तत्पश्चात् ही कार्य की अनुमति प्रदान की जावेगी, अन्यथा ठेका निरस्त करते हुए पुनः निविदा जारी कर दी जावेगी जिसके लिए किसी तरह का कोई अभ्यावेदन/आपत्ति स्वीकार नही होगी।
2. केन्द्रीय/राज्य सरकार/स्वायत्तशासी निकायों/निगम/बोर्ड/सार्वजनिक उपक्रम का बकायादार एवं ब्लैक लिस्टेड फर्म/संवेदक निविदा में भाग नही ले सकेगा।

उपायुक्त राजस्व नगर निगम कोटा (दक्षिण)

राज.संवाद/सी/25/9776

RIICO GROW WITH RAJASTHAN

RISING RAJASTHAN REPLETE • RESPONSIBLE • READY

प्रत्यक्ष आवंटन योजना - 2025

राइज़िंग राजस्थान में MoU करने वाले निवेशकों के लिए भूखण्ड के आरक्षित मूल्य पर

औद्योगिक भूखण्डों का डायरेक्ट अलॉटमेंट

पाँचवाँ चरण

ऑनलाइन पोर्टल पर दिनांक 12.09.2025 (प्रात: 10:00 बजे) से 26.09.2025 (सायं 6 बजे) तक आवेदन आमंत्रित किये जा रहे हैं।

नियोजित लॉजिस्टिक भूखण्डों का आवंटन आरक्षित मूल्य पर | ई-लॉटरी 03 अक्टूबर, 2025

103	6,350	5,522	40
औद्योगिक क्षेत्र	कुल औद्योगिक भूखण्ड	अनारक्षित भूखण्ड	लॉजिस्टिक भूखण्ड

विभिन्न श्रेणियों / वर्गों के लिए आरक्षित भूखंड

247	236	123	153	69
अनुसूचित जाति/जनजाति	महिला वर्ग	भूतपूर्व सैनिक	बेंचमार्क दिव्यांगता	सशस्त्र बलों/अर्ध सैनिक बलों के मृतक के आश्रित

आवंटन की प्रक्रिया

एक भूखण्ड पर एक ही आवेदक होने पर सीधा आवंटन तथा एक से अधिक आवेदक होने पर ई-लॉटरी के माध्यम से आवंटन

आवेदन हेतु स्कैन करें

EMD - भूखण्ड की कुल देय प्रीमियम राशि की 5 प्रतिशत राशि आवेदन के साथ ही ऑनलाइन जमा।

पात्रता - निवेशक जिन्होंने 27/08/2025 तक राइजिंग राजस्थान में राज्य सरकार के साथ एमओयू किये हैं वे सभी इस योजना में भूखण्ड के लिए पात्र हैं।

भूखण्ड की राशि का भुगतान

*25% भुगतान के बाद, शेष 75% भुगतान 11 किश्तों में 8.5% ब्याज के साथ या 120 दिनों के भीतर ब्याज रहित भुगतान
या
RIICO की टर्म लोन स्कीम के तहत भूमि की लागत का 75% तक का ऋण 5 साल की पुनर्भुगतान अवधि एवं 8.5% ब्याज के साथ

औद्योगिक क्षेत्रों में नियोजित लॉजिस्टिक भूखण्डों के आवंटन से संबंधित पॉलिसी riico.rajasthan.gov.in पर देखें।

इस योजना के तहत भूखण्ड देखने या आवेदन करने के लिए https://riico.rajasthan.gov.in पर दिए गए Direct Land Allotment लिंक पर क्लिक करें अथवा SSO Portal पर login के बाद RIICO के आइकन पर क्लिक करके Land Allotment पर जाएं और Direct Land Allotment Policy - 2025 (for RR MoU Holders) पर क्लिक करें।

*केवल औद्योगिक भूखण्डों के लिए

राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डवलपमेंट एण्ड इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड

उद्योग भवन, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर 302005

हैल्पलाइन नंबर : 0141 4593250, 4593237 | वाट्सएप : +91 90013 06515 | ई-मेल : riico@riico.co.in

riico.rajasthan.gov.in · ricogis.rajasthan.gov.in/riicogiscitizen

राज.संवाद/सी/25/9787

धमाकेदार एक्शन वाले मुकाबलों के लिए जयपुर लौटा प्रो कबड्डी लीग सीजन-12

जयपुर, 11 सितंबर। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 12 गुलाबी नगरी जयपुर में अपनी बहुप्रतीक्षित वापसी के लिए पूरी तरह तैयार है, क्योंकि मौजूदा सीजन का एक्शन विशाखापट्टनम से एसएमएस इंडोर स्टेडियम में शिफ्ट हो रहा है। शुक्रवार से जयपुर इस सीजन के दूसरे चरण की मेजबानी करेगा।

आखिरी बार पीकेएल का आयोजन जनवरी 2024 में जयपुर में हुआ था, और शहर के उत्साही कबड्डी प्रशंसक अपने प्रिय जयपुर पिंक पैंथर्स को एक बार फिर घरेलू मैदान पर खेलते देखने के लिए उत्सुक हैं। 2014 में पहला पीकेएल खिताब और सीजन 9 में अपनी दूसरी चैंपियनशिप जीतने वाली यह टीम घरेलू मैदान पर अपने फायदे और अपने वफादार प्रशंसकों के अटूट समर्थन का फायदा उठाने का प्रयास करेगी।

पीकेएल सीजन 12 का जयपुर चरण 12 सितंबर से 27 सितंबर तक चलेगा, जिसमें 12 टीमों के बीच कई मैच खेले जाएंगे। यह चरण 11 सितंबर को विशाखापत्तनम चरण के समापन के बाद आया है, जिसमें पुनेरी पलटन, दबंग दिल्ली के.सी., तेलुगु टाइटन्स और यू मुंबा ने सीजन 12 में अपने दबदबे के शुरुआती संकेत दिए हैं।

जयपुर लेग के शुभारंभ पर मशाल स्पोर्ट्स के बिज़नेस हेड और पीकेएल के लीग चेयरमैन अनुपम गोस्वामी ने कहा, भारत खेल जगत में विकसित हो रहा है, विभिन्न खेलों में नई लीग उभर रही हैं। प्रासंगिक बने रहने के लिए, हमें इनोवेशन करना होगा। यही वजह है कि पीकेएल ने अपने फॉर्मेट में बदलाव किया है ताकि इसे प्रशंसकों के लिए और अधिक रोमांचक और खिलाड़ियों के लिए प्रतिस्पर्धी बनाया जा सके। अब हम इस गति को जयपुर में भी जारी रखने के लिए उत्सुक हैं। घरेलू टीम जयपुर पिंक पैंथर्स के कप्तान नितिन रावल ने कहा, हमने सीजन की शानदार शुरुआत की है - दो जीत पहले ही हासिल कर ली हैं और दो बेहद करीबी मैच जो हमारे पक्ष में जा सकते थे। टीम संतुलित और आत्मविश्वास से भरी दिख रही है।

मुख्यमंत्री भजन लाल ने शहरी सेवा शिविर के लिए निर्देश दिये

उन्होंने कहा कि इन शिविरों में नागरिकों से जुड़े प्रकरणों का मौके पर समाधान किया जायेगा

जयपुर, 11 सितम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सभी शहरी क्षेत्रों में आमजन तक योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए शहरी सेवा शिविर का आयोजन करने जा रही है। 15 सितम्बर से 15 अक्टूबर तक चलने वाले इस अभियान के अंतर्गत शहरों को स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाने के साथ ही शिविर में जन समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता से किया जाएगा।

शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर शहरी सेवा शिविर के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हर शहर-कस्बे में इसका व्यापक असर दिखाई दे, इसके लिए अभियान में सभी अधिकारी गंभीरता एवं सेवाभाव के साथ कार्य करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नगरीय क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को सभी आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराना और उनसे जुड़े प्रकरणों का मौके पर ही समाधान करना है। इसके लिए सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा एक विशेष पोर्टल भी तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिविर के संबंध में विभाग द्वारा समग्र जानकारी की मार्गदर्शिका भी तैयार की जाए।

उल्लेखनीय है कि अभियान के दौरान शहरों में व्यापक स्तर पर सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को शहरी सेवा शिविर के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा 15 सितम्बर से 15 अक्टूबर चलने वाले इस अभियान में सभी अधिकारी गंभीरता एवं सेवाभाव के साथ कार्य करें।

- **शिविर से जुड़े अधिकारियों को निर्देश दिये गये हैं कि अभियान के दौरान शहरों में व्यापक स्तर पर सफाई व्यवस्था, सुनिश्चित करें तथा नालियों, सीवर लाइन, फेरो कवर व मैन होल की मरम्मत करायें।**

नालियों, सीवर लाइन, फेरो कवर और मैनहोल की मरम्मत की जाएगी एवं प्रमुख चौराहों, पार्कों, सामुदायिक केन्द्रों और सार्वजनिक स्थलों का सौन्दर्यीकरण होगा।

शिविर के दौरान विभिन्न विभागों की फ्लैगशिप योजनाओं के आवेदन प्राप्त कर स्वीकृति दी जाएगी।

'खुले बाजार में पदों की नीलामी हो रही है'

हैदराबाद, 11 सितंबर। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव (केटीआर) ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस सरकार ग्रुप-एक के पदों को बेचकर तेलंगाना के बेरोजगार युवाओं को धोखा दे रही है।

राव ने गुरुवार के अपने बयान में कथित घोटाले के लिए एक न्यायिक जांच और पारदर्शी तरीके से दोबारा परीक्षा कराने की मांग की। राव ने रिपोर्टों

- **बीआरएस के अध्यक्ष, के.टी. रामाराव ने तेलंगाना सरकार पर नौकरियां बेचने का आरोप लगाया।**

और छात्रों के आरोपों को लेकर चिंता व्यक्ति की, जिनमें कहा गया है कि नौकरियों के लिए भारी मात्रा में धन की मांग की गई थी और दावा किया कि सरकार ने "खुले बाजार में पदों की नीलामी की।"

उन्होंने कहा कि लाखों अभ्यर्थी, जिन्होंने अपने सालों की मेहनत और संसाधन लगाये हैं, को अपनी उम्मीदें कुचली नजर आ रही हैं। उच्च न्यायालय के निर्देशों का हवाला देते हुए राव ने मांग की कि ग्रुप-एक प्रारंभिक परीक्षा बिना अनियमितता के दोबारा करायी जाये।

सीआरपीएफ का आरोप, सुरक्षा प्रोटोकॉल को नहीं मान रहे राहुल

कांग्रेस ने सीआरपीएफ की रिपोर्ट को राहुल का आंदोलन रोकने की कोशिश करार दिया

- **सीआरपीएफ ने कहा, राहुल विदेश यात्रा की जानकारी भी नहीं देते हैं और भीड़ से मिलते हैं।**
- **कांग्रेस के प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा यह राहुल को डराने की कोशिश है असल में सरकार राहुल की वोट चोरी विरोधी मुहिम से डर गई है।**

नयी दिल्ली, 11 सितंबर। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन नहीं करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि गांधी विदेश यात्रा पर जाते हैं लेकिन इसकी सूचना नहीं दी जाती है जो सरासर सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को इस संबंध में सीआरपीएफ की तरफ से पत्र लिखकर कहा गया है कि गांधी सुरक्षा प्रोटोकॉल को नहीं मान रहे हैं और बिना सूचना दिये विदेश यात्रा कर रहे हैं। सुरक्षा बल ने इसे सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन बताते हुए स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त की है और कहा है कि इससे परेशान होकर यह पत्र लिखना पड़ रहा है।

सीआरपीएफ के वीवीआईपी सुरक्षा प्रमुख सुनील जून ने खड़गे को बुधवार को लिखे पत्र में लिखा है कि गांधी अपनी सुरक्षा को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं।

गांधी की इस साल की विदेश यात्राओं का विस्तारपूर्वक जिक्र करते हुए जून ने कहा है कि पिछले नौ माह में गांधी छह बार विदेश यात्रा कर चुके हैं। पत्र में बताया गया है कि गांधी 30 दिसंबर 2024 से नौ जनवरी 2025 तक इटली की यात्रा पर गये थे। फिर 12 से 17 मार्च तक वियतनाम, 17 से 23 अप्रैल तक दुबई, 11 से 18 जून तक कतर, 25 जून से छह जुलाई तक लंदन और हाल ही में चार दिन के लिए मलेशिया की यात्रा पर गये थे।

सीआरपीएफ द्वारा पत्र को सार्वजनिक करने और इसकी टाइमिंग को लेकर कांग्रेस ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे गांधी को डराने की कोशिश करार दिया है।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने गुरुवार को पत्र का जिक्र करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सीआरपीएफ के पत्र भेजने का समय और उसे तुरंत सार्वजनिक करने की मंशा परेशान करने वाली है। उनका कहना है कि गांधी के सुरक्षा प्रोटोकॉल को लेकर लिखे पत्र और उसे सार्वजनिक करने का समय सवाल खड़े करता है।

उन्होंने कहा, ""यह पत्र ऐसे समय में आया है जब गांधी चुनाव आयोग की मिलीभगत से भाजपा द्वारा की जा रही वोट चोरी के खिलाफ मोर्चा खोल रहे हैं। क्या यह विपक्ष के नेता को डराने की एक छिपी हुई कोशिश है, जिन्होंने पहले ही एक और खुलासे की घोषणा कर दी है। क्या सरकार उनके द्वारा उजागर किये जाने वाले सच से घबरा गयी है।""

गौरतलब है कि गांधी को ज़ैड श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त है जो गंभीर खतरे की आशंका वाले व्यक्तियों को प्रदान की जाती है।

मुख्यमंत्री ने सेवा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकिन कार्यक्रम के दौरान उस समय अचानक माहौल गर्मा गया, जब प्रदेश प्रभारी डॉ. राधामोहन दास अग्रवाल कार्यशाला के पहले सत्र के बाद नाराज़गी के भाव में बिना मंच साझा किए ही निकल गए।

सूत्रों के अनुसार, कार्यशाला में कम उपस्थिति को लेकर प्रभारी नाखुश थे। उन्होंने मंच से ही कहा कि "जो पार्टी का काम नहीं करना चाहता, उसे पार्टी में भी स्थान नहीं मिलना चाहिए।" उन्होंने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष से बिना बताए अनुपस्थित रहे सांसदों, विधायकों और पदाधिकारियों से लिखित जवाब मांगने की बात कही। कार्यशाला में केवल 5 सांसद, 72 विधायक, 42 प्रत्याशी और 13 जिलाध्यक्ष ही पहुंचे थे, जिस पर अग्रवाल ने नाराज़गी जताते हुए अनुपस्थितों को कारण बताओ नोटिस जारी करने की चेतावनी दी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ दूसरे सत्र में मंच साझा करने से पहले ही अग्रवाल कार्यशाला छोड़कर निकल गए। गृह राज्य मंत्री जवाहर बेढ़म उन्हें मनाने भी पहुंचे, लेकिन वे नहीं माने। बाद में डॉ. अग्रवाल ने कहा कि उन्हें भाजपा नेताओं श्रवण बगड़ी और गजेन्द्र सिंह खींवसर से पूर्व निर्धारित मुलाकात के लिए निकलना था। उन्होंने कहा कि

- **सूत्रों के अनुसार, कार्यशाला में केवल 5 सांसद, 72 विधायक, 42 प्रत्याशी और 13 जिलाध्यक्ष ही पहुंचे थे। प्रभारी अग्रवाल ने अनुपस्थितों को कारण बताओ नोटिस जारी करने की चेतावनी दी।**

"मंत्री बेढ़म ने रुकने का आग्रह किया, लेकिन तय कार्यक्रम के चलते मुझे जाना पड़ा।'

कार्यशाला में मुख्यमंत्री शर्मा, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, केन्द्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी, सांसद दामोदर अग्रवाल, वित्त आयोग अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, प्रदेश महामंत्री जितेन्द्र गोठवाल, पूर्व अध्यक्ष अशोक परनामी सहित अन्य वरिष्ठ नेता मंच पर उपस्थित रहे। कार्यशाला के अंत में युवा मोर्चा अध्यक्ष अंकित चेची द्वारा युवा मैराथन के पोस्टर व टी-शर्ट का विमोचन किया गया। मंच संचालन कुलदीप धनकड़ व मुकेश दाधीच ने किया। सेवा पखवाड़ा अभियान के संयोजक संतोष अहलावत ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखी।

ट्रम्प के प्रबल समर्थक, ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राष्ट्रपति बंदूकधारियों द्वारा मारे जा चुके हैं। लेकिन कटुता और नफरत इस स्तर पर पहले कभी नहीं देखी गई, जैसी डॉनल्ड ट्रंप के समय में दिख रही है।

ट्रंप ने अमेरिकी संस्थाओं को चुनौती दी और चुनाव परिणाम को ठुकराते हुए राजधानी में अराजकता फैलाई। उन्होंने अपने समर्थकों को वॉशिंगटन बुलाया, जिन्होंने बाद में कैपिटल हिल पर धावा बोला। इसमें कुछ सुरक्षा कर्मियों की मौत हुई और कई घायल हुए और कई गिरफ्तार किए गए। हिंसा और सरकारी संस्थाओं पर हमले की निंदा करने के बजाय ट्रंप ने डेमोक्रेट्स और चुनाव व्यवस्था पर यह आरोप लगाया कि उन्होंने 2016 में उनका चुनाव "चुरा" लिया, जब जो बाइडन विजेता घोषित किए गए।

विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप ने अमेरिकी राजनीति में एक अलग तरह का वैमनस्य भर दिया। इससे पहले तक

- **ट्रंप का नारा "मेक अमेरिका ग्रेट अगेन" और इस दर्शन के अंतर्गत चलाए गए अभियान ने अमेरिका के समाज में गहरी खाइयां बना दी हैं, जिसकी कीमत अब अमेरिका चुका रहा है।**

वहां राजनीति में विचारों और मुद्दों पर मतभेद होते थे, लेकिन निजी जीवन में राजनीतिक विरोधी भी आपस में दोस्त बने रहते थे। ट्रंप ने अमेरिकी राजनीति की इस परंपरा को बदल डाला।

ट्रंप ने अपनी राष्ट्रपति पद की दौड़ 2015 में शुरू की थी, जिसमें उन्होंने प्रवासियों और मैक्सिकन नागरिकों पर ज़हरीले हमले किए और आरोप लगाया कि ये लोग हिंसा, अपराध और अन्य बुराइयां फैला रहे हैं। लेकिन मुख्यधारा की राजनीति ने इस तरह की बयानबाज़ी पर कोई ध्यान नहीं दिया। धीरे-धीरे पूरी रिपब्लिकन पार्टी ट्रंप के आगे झुक गई और उन्हें नफरत और टकराव भरे भाषणों की पूरी छूट दे दी। इसी बीच, अश्वेतों की पुलिस के हाथों मौत पर देशभर में हिंसक विरोध प्रदर्शन भड़क उठे। ऐसी घटनाओं की एक लंबी श्रृंखला पूरे अमेरिका में देखने को मिली। बराक ओबामा के राष्ट्रपति बनने के बाद, जो अमेरिका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति थे, ट्रंप ने अश्वेतों के प्रति नफरत को और हवा दी। उसके बाद से यह लहर और भी तेज़ होती गई। लेकिन अब आम अमेरिकी नागरिक घटनाओं की इस दिशा को लेकर गहराई से चिंतित हो रहे हैं। लोग अमेरिकी राष्ट्रपति की हरकतों को नकारात्मक रूप से देखने लगे हैं और हाल ही में उनकी लोकप्रियता तेजी से गिर गई है।

भारतीय नागरिक रूसी सेना में शामिल होने के झांसे में नहीं आयें

नयी दिल्ली, 11 सितंबर। रूस की सेना में कुछ भारतीय नागरिकों की भर्ती की मीडिया रिपोर्टों के बीच, विदेश मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों को आगाह किया है कि वे रूसी सेना में शामिल होने के किसी भी प्रस्ताव के

- **विदेश मंत्रालय ने नागरिकों को इसके खतरों से फिर आगाह किया।**

झांसे में न आए, क्योंकि इसमें कई जोखिम हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने रूसी सेना में भारतीयों की भर्ती से संबंधित मीडिया के सवालों के जवाब में कहा कि, हमने हाल ही में रूसी सेना में भारतीय नागरिकों की भर्ती की खबरें देखी हैं। सरकार ने पिछले एक साल में कई मौकों पर इस तरह की कार्रवाई में निहित जोखिमों और खतरों को रेखांकित किया है और तदनुसार भारतीय नागरिकों को आगाह किया है।

उन्होंने कहा कि भारत ने मास्को और यहां, दोनों जगहों पर रूसी अधिकारियों के साथ इस मामले को उठाया है और अनुरोध किया है कि इस प्रथा को समाप्त कर हमारे नागरिकों को वापस भेजा जाना चाहिए।

ब्लूटूथ से नकल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से नकल कर चयनित हुए थे। फिलहाल एसओजी की टीम उनसे पूछताछ करने में जुटी है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी एसओजी) वीके सिंह ने बताया कि ब्लूटूथ डिवाइस के माध्यम से नकल कर चयनित हुए कनिष्ठ लिपिक राम प्रकाश जाट निवासी कुचेरा जिला नागौर और सुनील विश्नोई निवासी रावतसर जिला हनुमानगढ़ को गिरफ्तार किया गया है।

सिंह ने बताया कि राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर की ओर से कनिष्ठ न्यायिक, सहायक लिपिक ग्रेड-द्वितीय एवं लिपिक ग्रेड-द्वितीय के पदों पर सीधी भर्ती के संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा 2022 12 मार्च 2023 एवं 19 मार्च 2023 को 12 बजे से 2 बजे तक आयोजित की गई थी, जिसमें आरोपी राम प्रकाश जाट का परीक्षा केन्द्र विजयन डी. सूरी जैन विद्यापीठ सी. सै. स्कूल, नागौर (राजस्थान) था और आरोपी सुनील विश्नोई का परीक्षा केन्द्र श्री नेहरू मेमोरियल चिल्ड्रन सी. सै. स्कूल हनुमानगढ़ (राजस्थान) था। संगठित नकल गिरोह के मुख्य आरोपी पौरव कालेर निवासी छापर जिला चूरू द्वारा सालासर से मोबाइल फोन के माध्यम से राम प्रकाश जाट और सुनील विश्नोई को ब्ल्यूटूथ डिवाइस से नकल करवाई थी।

इसके लिए 4 लाख रूपये में सौदा तय हुआ था। आरोपी राम प्रकाश जाट नकल कर पास हो गया था और वर्तमान में पॉक्सो कोर्ट कम संख्या-01 उदयपुर में पदस्थापित था तथा विगत 7 माह से फरार चल रहा था। सुनील विश्नोई जिला सैशन कोर्ट हनुमानगढ़ में पदस्थापित था तथा गिरफ्तारी के भय से गत 6 माह से स्वैच्छिक रूप से अनुपस्थित था एवं फरार चल रहा था।

केदारनाथ, 2500 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक लाख रुपये खर्च हो चुके थे। डेढ़ सौ रुपये में पानी की बोतल, 2,500 रुपये प्रति व्यक्ति के हिसाब से जबरन कराए गए पूजा-पाठ, और मंदिर स्टाफ द्वारा चलाए जा रहे आवास घोटालों ने पूरी तस्वीर को और भी गंभीर बना दिया।

ऐसी ही कहानियाँ बैद्यनाथ, हरिद्वार और द्वारका जैसे अन्य पवित्र स्थलों से भी सामने आ रही हैं, जहां दलाल, बिकाऊ कतारें और जर्जर बुनियादी ढांचा श्रद्धालुओं की आस्था की अग्निपरीक्षा ले रहे हैं। यह रिपोर्ट बताती है कि कैसे भारत के सबसे पवित्र तीर्थस्थलों की गरिमा छीनी जा रही है... और क्यों वैश्विक मानकों पर आधारित एक "टैंपल चार्टर" ही इसका स्थायी समाधान हो सकता है।

महिला एईएन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करने के एवज में अलग-अलग तरीके से रिश्वत की मांग कर रहे थे। उन्होंने बताया कि करीब 35 से 40 लाख रुपए का ठेकेदार का बिल था।

गत एक साल से ठेकेदार को परेशान किया जा रहा था। ठेकेदार की शिकायत मिलने के बाद मामले का गुप्त तरीके से भौतिक सत्यापन कराया गया। भौतिक सत्यापन में मामला सही पाए जाने के बाद गुरुवार को नगर परिषद कार्यालय में एसीबी की टीम ने छापा मारकर पांच कर्मचारियों को 3 लाख 10 की राशि के साथ रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने बताया कि इस मामले में नगर परिषद आयुक्त अशोक शर्मा की भूमिका संदिग्ध दिखाई दे रही है। आयुक्त से भी पूछताछ की जा रही है।

भौतिक सत्यापन में आयुक्त अशोक शर्मा के नाम का भी जिक्र हुआ है। फिलहाल धौलपुर में अचानक की गई एसीबी की कार्रवाई से सरकारी विभागों में हड़कंप मच गया है। एसीबी की कार्रवाई के बाद नगर परिषद कार्यालय का पूरा दफ्तर खाली हो गया है। एडिशनल एसपी ने बताया कि इस मामले की बारीकी से जांच की जा रही है। अनुसंधान के बाद आरोपियों को भरतपुर एसीबी कोर्ट में पेश किया जाएगा।

एसआई भर्ती ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एसआई को स्वतंत्र निर्णय और काम करने की छूट दी जाती है।

इसके अलावा, एकलपीठ ने जिन रिपोर्ट्स के आधार पर भर्ती को रद्द करने योग्य माना था, खंडपीठ ने उन रिपोर्ट्स को अप्रमाणित मान लिया, जबकि सुप्रीम कोर्ट राफेल केस में तय कर चुका है कि दस्तावेज किसी भी माध्यम से मिला हो, यदि वह सही है तो कोर्ट उसे नजरअंदाज नहीं कर सकता।

वहीं, यदि दागियों को ट्रेनिंग दी जाएगी तो इससे आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास कम होगा। दूसरी ओर खंडपीठ के अपीलार्थी अमर सिंह व विक्रम पंवार की ओर से मामले में सुप्रीम कोर्ट में कैविएट पेश कीगई है।

तीन हाईकोर्ट में मुख्य न्यायाधीश बनाने की सिफारिश

नयी दिल्ली, 11 सितंबर। उच्चतम न्यायालय कोलीजियम ने उच्च न्यायालय के तीन न्यायाधीशों को पदोन्नत कर मुख्य

- **न्यायमूर्ति सौमेन सेन को मेघालय, एम. सुंदर को मणिपुर तथा बजंथरी को पटना हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाया जायेगा।**

न्यायाधीश बनाने की गुरुवार को सिफारिश की। शीर्ष अदालत की ओर से जारी बयान के मुताबिक, कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति सौमेन सेन को मेघालय उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश बनाने की सिफारिश की गयी है। इसी प्रकार मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एम. सुंदर को मणिपुर उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की है। पटना उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति पी. बी. बजंथरी को उसी उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश बनाने की सिफारिश की गयी है।

मोदी के जन्मदिन से गांधी जयंती तक भाजपा का सेवा पखवाड़ा

नयी दिल्ली, 11 सितंबर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से लेकर महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती दो अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा मनायेगी।

इस अभियान में सेवा, स्वच्छता, आत्मनिर्भरता और राष्ट्रनिर्माण को केन्द्र में रखा गया है। इसके अंतर्गत रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जांच कैम्प, स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण के लिए "एक पेड़ मां के नाम" अभियान, प्रदर्शनी, संवाद कार्यक्रम, दिव्यांगजनों को उपकरण वितरण, "मोदी विकास

- **सेवा पखवाड़े में मोदी के जीवन व उपलब्धियों पर प्रदर्शनियां लगाई जायेंगी।**

मैराथन", खेल महोत्सव और ड्रॉइंग प्रतियोगिताएँ आयोजित होंगी। भाजपा मुख्यालय में गुरुवार को केन्द्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री भूपेन्द्र यादव, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल ने प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सेवा पखवाड़ा के तहत विभिन्न जिलों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जीवन एवं उपलब्धियों पर प्रदर्शनियां लगाई जाएंगी तथा समाज के प्रबुद्ध वर्ग के साथ संवाद और सम्मेलन भी आयोजित किया जाएगा। इसके साथ ही सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत समाज के विशिष्ट व्यक्तियों को सम्मानित करने के साथ-साथ 771 संवाद कार्यक्रम भी देशभर के सभी प्रांतों में आयोजित किए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का 17 सितंबर को जन्मदिवस है और उन्होंने भारत की राजनीति में सेवा, स्वच्छता जैसे मौलिक विषयों को सबके सामने स्थापित किया है।

राजस्थान में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कौशल विकास में संगठन की भूमिका की सराहना की, जबकि उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने तकनीकी शिक्षा में हुई प्रगति को साझा किया।

आइडियोथॉन में जयपुर के तन्मय व्यास और चारू वैष्णव के स्टार्टअप को प्रथम पुरस्कार मिला। रेल मंत्री ने इनके -बनाए ट्रेन स्पीड कंट्रोल प्रोटोटाइप को रेलवे में परीक्षण करने का निर्देश भी दिया। कार्यक्रम में स्टोनमार्ट-2026 के ब्रोशर का विमोचन भी हुआ। इस मौके पर लघु उद्योग भारती प्रदेश अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा, महेंद्र खुराना, नरेश पारीक, नटवरलाल अजमेरा सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

'मोदी कार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

1500 सीसी डीजल) पर कर घटाकर, 18 प्रतिशत (पहले 29-31प्रतिशत) कर दिया है, जबकि बड़ी कारों (4 मीटर से अधिक, 1500 सीसी से ऊपर की इंजन क्षमता और 170 मिमी से अधिक ग्राउंड क्लीयरेंस) पर कर घटाकर, 40 प्रतिशत (पहले 50 प्रतिशत) किया गया है। इसके साथ ही, केन्द्र सरकार ने मुआवजा उपकर (कैम्पन्सैशन सैस) भी हटा लिया है। पूर्व पत्रकार और मीडिया प्रोफेसर प्रदीप माथुर ने टिप्पणी की, "ऐसी कवायद को आमतौर पर अनैतिक श्रेणी में रखा जाता, लेकिन वर्तमान सरकार इसे अपने विशेषाधिकार के रूप में देखती है।"

मोदी के लेख ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रमुख मोहन भागवत के 75वें जन्मदिन पर उनके लिए लिखा गया "हद से ज़्यादा स्तुतिपरक लेख" संघ नेतृत्व को रिझाने की "हताशा भरी कोशिश" है।

प्रधानमंत्री मोदी ने भागवत की बौद्धिक गहराई और परोपकार से भरे नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि 2009 से आरएसएस प्रमुख के रूप में उनका कार्यकाल संगठन की 100 साल की यात्रा का सबसे परिवर्तनकारी दौर माना जाएगा। गुरुवार (11 सितंबर 2025) को कई अखबारों में प्रकाशित एक प्रशंसात्मक लेख में, मोदी ने कहा कि भागवत 'वसुधैव कुटुंबकम' के जीवंत उदाहरण हैं और उन्होंने अपना पूरा जीवन सामाजिक परिवर्तन और सद्भाव व भाईचारे की भावना को सशक्त करने के लिए समर्पित किया है कांग्रेस के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने कहा, "प्रधानमंत्री ने आरएसएस नेतृत्व की कृपा पाने की व्यग्रता में मोहन भागवत के 75 वें जन्मदिन पर हद से ज़्यादा स्तुतिपरक लेख लिखा है।" रमेश ने कहा, "प्रधानमंत्री ने यह याद दिलाया है कि 11 सितंबर 1893 को स्वामी विवेकानंद ने शिकागो में अपना अमर भाषण दिया था। उन्होंने यह भी याद दिलाया है कि 11 सितंबर 2001 को ही अमेरिका में अल कायदा के आतंकवादी हमले हुए थे।" कांग्रेस नेता ने 'एक्स' पर आगे लिखा, "लेकिन इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि प्रधानमंत्री ने यह उल्लेख नहीं किया कि महात्मा गांधी ने 11 सितंबर 1906 को जोहान्सबर्ग में पहली बार सत्याग्रह का आ ान किया था। उसी दिन दुनिया ने पहली बार इस क्रांतिकारी विचार को सुना था।" रमेश ने कहा, "बेशक, यह उम्मीद करना बहुत ज़्यादा होगा कि प्रधानमंत्री सत्याग्रह की उत्पत्ति को याद रखें, क्योंकि उनके लिए तो सत्य शब्द ही पराया है।" उन्होने कहा, "प्रधानमंत्री, जो खुद को "नॉन बायोलॉजिकल" बताते हैं, अपने प्रवचनों को ऐसे प्रस्तुत करते हैं, जैसे वे ईश्वरीय कथन हों।"

राष्ट्रपति व राज्यपाल की विधेयक मंजूरी की समय सीमा पर फैसला सुरक्षित

सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति के संदर्भ पर 10 दिन संबंधित पक्षों की दलीलें सुनीं

नयी दिल्ली, 11 सितंबर। उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रपति और राज्यपाल द्वारा विधेयकों को मंज़ूरी देने की समय-सीमा निर्धारित करने के विवाद से जुड़े राष्ट्रपति के संदर्भ पर सुनवाई पूरी होने के बाद गुरुवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्य कांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर की संविधान पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें 10 दिनों तक सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया।

राष्ट्रपति संदर्भ में संविधान के अनुच्छेद 200/201 के तहत, राष्ट्रपति और राज्यपाल द्वारा विधेयकों को मंज़ूरी देने की समय-सीमा से संबंधित प्रश्न उठाए गए थे।

राष्ट्रपति द्वारा संविधान के अनुच्छेद 143(1) के तहत शक्ति का प्रयोग करते हुए यह संदर्भ प्रस्तुत किया गया था, जो सर्वोच्च संवैधानिक प्रमुख को किसी भी कानूनी प्रश्न या सार्वजनिक महत्व के तथ्य पर उच्चतम न्यायालय की राय लेने की अनुमति देता है।

राष्ट्रपति ने इस संदर्भ में 14 प्रश्नों पर शीर्ष अदालत की राय मांगी। सवालों में यह भी शामिल है कि क्या देश के संविधान के अनुच्छेद 201 के तहत राष्ट्रपति द्वारा संवैधानिक विवेकाधिकार का प्रयोग न्यायोचित है। संदर्भ में राय मांगी गई है, "क्या संविधान के अनुच्छेद 200 और अनुच्छेद 201 के अंतर्गत राज्यपाल और राष्ट्रपति के

- **राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट को भेजे रैफरेन्स में शीर्ष न्यायालय से 14 प्रश्नों पर राय मांगी थी।**

निर्णय, कानून के लागू होने से पहले के चरण में न्यायोचित हैं? क्या न्यायालयों के लिए किसी विधेयक के कानून बनने से पहले, किसी भी रूप में, उसकी विषय-वस्तु पर न्यायिक निर्णय लेना अनुमन्य है?"

राष्ट्रपति की ओर से यह भी राय मांगी गयी है कि क्या राज्य विधानमंडल द्वारा बनाया गया कानून संविधान के अनुच्छेद 200 के अंतर्गत राज्यपाल की स्वीकृति के बिना भी लागू कानून है।

इसमें यह भी राय देने को कहा गया है, "क्या संविधान, भारत के संविधान के अनुच्छेद 131 के तहत वाद के माध्यम से छोड़कर, केन्द्र सरकार और राज्य सरकारों के बीच विवादों को सुलझाने के लिए शीर्ष न्यायालय के किसी अन्य अधिकार क्षेत्र को रोकता है?" राष्ट्रपति ने महसूस किया कि मौजूदा परिस्थितियों में जब राज्य सरकारें अक्सर संविधान के अनुच्छेद 32 और 131 का हवाला देते हुए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाती हैं, कानूनी प्रश्नों पर शीर्ष अदालत की राय लेना समय की मांग है।

उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रपति संदर्भ के मामले में 22 जुलाई को केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को नोटिस जारी कर इन सवालों पर अपना पक्ष रखने को कहा था। शीर्ष अदालत ने 29 जुलाई को कहा था कि वह 29 अगस्त से 10 सितंबर के दौरान सुनवाई संबंधित पक्षों की दलीलें सुनेगी।

गौरतलब है कि न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ (शीर्ष अदालत में) ने आठ अप्रैल, 2025 के अपने एक फैसले में तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि द्वारा 10 विधेयकों को पुन: अधिनियमित किए जाने के बाद राष्ट्रपति के लिए आरक्षित करने के फैसले को अवैध घोषित किया था।

छत्तीसगढ़ में एक करोड़ का इनामी नक्सली ढेर

गरियाबंद, 11 सितंबर। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में नक्सल उन्मूलन अभियान को गुरुवार को तब बड़ी सफलता मिली, जब सुरक्षा बलों ने एक करोड़ के इनामी नक्सली समेत दस नक्सलियों को मार गिराया।

आज सुबह थाना मैनपुर क्षेत्र के जंगलों में नक्सलियों की सक्रियता की सूचना मिलने के बाद ई 30, विशेष सुरक्षा बल और कोबरा की संयुक्त टीम घटनास्थल की ओर रवाना हुई। सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच लंबी और तीव्र मुठभेड़ हुई। जिले के पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने खबर की पुष्टि करते हुए बताया कि मुठभेड़ में माओवादी केन्द्रीय कमेटी के कई बड़े नक्सली मारे गए हैं। माना जा रहा है कि इनमें एक प्रमुख नक्सली मनोज भी शामिल हैं, जिस पर एक करोड़ रुपये का इनाम घोषित था। राखेचा ने बताया कि अभियान पूरी तरह से सुरक्षा बलों की रणनीति के तहत संपन्न हुआ।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908